www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, रविवार, 26 अप्रैल 2026 | शुक्ल पक्ष-दशमी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 14 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

ईडी ने खोला राज, 95 करोड़ की विदेशी फंडिंग से छत्तीसगढ़ में ईसाई मिशन सक्रिय, बस्तर-धमतरी में 6.5 करोड़ खर्च

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित इलाकों में ईसाई धर्म के प्रचार के लिए विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच में बताया है कि अमेरिका से आए पैसों का इस्तेमाल बस्तर और धमतरी में धार्मिक गतिविधियों के विस्तार में की गई। ईडी का कहना है कि भारत में लगभग 95 करोड़ रुपये लाए गए हैं। जिसमें से 6.5 करोड़ रुपये बस्तर-धमतरी में खर्च किए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय हेडक्वार्टर ऑफिस ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि, 18 और 19 अप्रैल, 2026 को कई राज्यों में छह जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई रेगुलेटरी चैनलों को बायपास करके विदेशी बैंक के डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके संदिग्ध निकासी और फंड के इस्तेमाल के संबंध में की गई है।

यह जांच भारत में 'द टिमोथी इनिशिएटिव (टीटीआई)' नाम के एक आंदोलन से जुड़ी गतिविधियों और इस आंदोलन से जुड़े लोगों से जुड़ी है। एजेंसी का मानना है कि इस पूरे मामले में अभी और बड़े खुलासे हो सकते हैं। देशभर में इस नेटवर्क से जुड़े कितने लोग सक्रिय हैं।

प्रदेश के नक्सल प्रभावित इलाकों में किए गए खर्च

नक्सल प्रभावित इलाकों में इस तरह की पैरेलल कैश-बेस्ड इकॉनमी का उभरना भारत की सुरक्षा और फाइनेंशियल इंटीग्रिटी के लिए एक गंभीर खतरा है और इससे गैर-कानूनी कामों के लिए गैर-कानूनी फंड की आवाजाही आसान हो सकती है। जांच में पता चला कि एटीएम से ऐसे कैश निकालने और उसके इस्तेमाल का रिकॉर्ड रखने के लिए एक बिलिंग और अकाउंटिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया था। कहा जाता है कि इस प्लेटफॉर्म को भारत के बाहर से काम करने वाली एंटिटीज कंट्रोल करती हैं।

भारत में लगभग 95 करोड़ रुपये लाए गए

जांच में यह भी पता चला है कि नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच विदेशी बैंकों के कार्ड का इस्तेमाल करके भारत में लगभग 95 करोड़ लाए गए। तलाशी के बाद 25 विदेशी बैंकों के डेबिट कार्ड, 40 लाख रुपए कैश, कई तरह के डिजिटल सबूत, डिवाइस और डॉक्यूमेंट ज़ब्त किए गए। फ़िलहाल आगे की जांच जारी है।

Truist Bank के डेबिट कार्ड से निकाले गए पैसे

जांच से पता चला कि Truist Bank, USA, जो एक विदेशी बैंक है, उससे जुड़े विदेशी बैंक डेबिट कार्ड भारत लाए गए और भारत के कई राज्यों में एटीएम से बार-बार कैश निकालने के लिए इस्तेमाल किए गए। निकाले गए कैश का इस्तेमाल बाद में भारत में टीटीआई की गतिविधियों से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए किया गया, जो एक ऐसा संगठन है जो एफसीआरए रजिस्टर्ड नहीं है। जांच से भारत के अलग-अलग हिस्सों में कई लोगों के शामिल होने का भी पता चला है।

ईडी ने मार्क को बेंगलुरु से किया गिरफ्तार

माइका मार्क के पास से 24 विदेशी डेबिट कार्ड मिले, जिन्हें ईडी की तरफ से जारी एलओसी के आधार पर बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ब्यूरो ऑफ़ इमिग्रेशन ने पकड़ा था। वे कार्ड भारत ला रहे थे। जांच में आगे पता चला कि छत्तीसगढ़ के धमतरी और बस्तर इलाके समेत एसडब्ल्यूई से प्रभावित इलाकों में इन विदेशी डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके अजीब और संदिग्ध कैश निकाले गए हैं, जिसमें पिछले कुछ सालों में लगभग 6.5 करोड़ रुपये निकाले गए हैं। यह देखा गया है कि इन विदेशी डेबिट कार्ड का इस्तेमाल प्लान के साथ बड़ी मात्रा में कैश निकालने के लिए किया जा रहा है, जिससे पता चलता है कि इसमें ऑर्गनाइज़्ड नेटवर्क शामिल हो सकते हैं।

■ **छह राज्यों में ईडी की कार्रवाई:** मामले की गंभीरता को देखते हुए ईडी ने 18 और 19 अप्रैल को छह राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जुटाए गए हैं, जो इस नेटवर्क की गहराई को दर्शाते हैं। एजेंसी को संदेह है कि यह नेटवर्क देश के कई हिस्सों में सक्रिय है और इसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं।

आज बेबाक

हम आपके हैं कौन कहते हुए और यह गाते हुए कि अच्छा तो हम चलते हैं...। आम आदमी पार्टी के 7 सांसद निकल लिये। जिनका दोनों बांह पसार कर भाजपा ने यह गाते हुए स्वागत किया कि - आइए आपका हमें इंतजार था...। अब डर यह है कि पंजाब और नई दिल्ली के कई विधायक भी कहीं यह गाते हुए पतली गली से न सटक लें कि - तुमने पुकारा और हम चले आयें...। ऐसा हुआ तो उनका भी यह गाकर स्वागत होगा कि - आप आये बहार आई...। घुंघरू सेठ घुंघरू की तरह बजते रह जाएंगे और गाएंगे कि - घुंघरू टूट गये...।

वेदांता हादसा : पॉवर प्लांट के हादसे में अब तक 25 मजदूरों की मौत हो चुकी

अनिल अग्रवाल को बचाने प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू, क्षेत्रीय सांसद जांगड़े का काउंटर अटैक

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता थर्मल पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए भीषण हादसे के बाद प्रेशर पॉलिटिक्स का गेम शुरू हो गया है। पॉवर प्लांट के बॉयलर ट्यूब फटने से अब तक 25 मजदूरों की मौत हो चुकी है। कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। इस गंभीर घटना को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी से रिपोर्ट मांगी है। इधर, हादसे की जांच पूरी होने से पहले ही भाजपा के पॉवरफुल सांसद व उद्योगपति नवीन जिंदल ने प्रेशर गेम शुरू कर दिया। इसके जवाब में क्षेत्रीय सांसद कमलेश जांगड़े ने मोर्चा खोल दिया है।

भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने हादसे के चार दिनों बाद वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का बचाव किया। जिंदल ने एक्स पर ट्वीट करते हुए हादसे को लेकर दर्ज एफआईआर में अनिल अग्रवाल का नाम शामिल किये जाने का विरोध ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नवीन जिंदल ने जांच को लेकर सवाल उठाए

बता दें कि निष्पक्ष जांच को लेकर विपक्षी कांग्रेस ने हादसे के फौरन बाद कई सवाल खड़े किये थे। देश के बड़े उद्योगपतियों में शामिल भाजपा सांसद नवीन जिंदल के प्रेशर गेम से वेदांता हादसे की निष्पक्ष जांच को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इधर, भाजपा की जांजगीर चांपा क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े ने प्रेशर गेम पर काउंटर अटैक कर दिया है। कमलेश जांगड़े ने अब तक की जांच की धीमी गति पर असंतोष जताते हुए तीन केंद्रीय मंत्रियों को पत्र लिखा है। कमलेश जांगड़े ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र भेजकर वेदांता हादसे की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

उद्योगों में अब तक 218 की मौत

इधर, सांसद कमलेश जांगड़े ने जिले में श्रमिक सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें एसपी प्रफुल्ल ठाकुर से जानकारी मिली है कि वेदांता के अलावा जिले के अन्य उद्योगों में कुल 218 लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी तादाद में हो रही मौतों के बावजूद जांच न होना दुर्भाग्यजनक है। सांसद के सवालों से औद्योगिक सुरक्षा विभाग और प्रशासन कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कारखानों में श्रम कानूनों को पालन नहीं हो रहा है। सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है।

लापरवाही पर लीपापोती

जांच में पता चला है कि मशीनरी की नियमित देखभाल में लापरवाही बरती गई। ऑपरेशनल सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन नहीं हुआ। प्रेशर फ्लक्चुएशन को नजरअंदाज किया गया। इन सभी कारणों से बड़ा हादसा हुआ, जिसने कई जिंदगियां लील ली। लेकिन, हादसे के बाद अब जिस तरह से प्रेशर गेम शुरू हुआ है, उससे कयास लगाए जा रहे हैं कि फाइनल जांच रिपोर्ट में बड़े मगरमच्छ बच जाएंगे, छोटी मछलियां ही जांच के जाल में फंसेगी।

जांच में बड़ी लापरवाही के संकेत

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पता चला है कि प्लांट में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा था। तकनीकी खामियों की जानकारी होने के बावजूद उत्पादन जारी रहा। विस्फोट की आशंका पहले से होने के बावजूद बॉयलर और अन्य इकाइयों की नियमित जांच नहीं की गई। हादसे के फौरन बाद वेदांता पावर प्लांट के प्रवक्ता ने सब-कॉन्ट्रैक्टर कंपनी एनजीएसएल पर दोष मढ़ दिया। उन्होंने कहा कि प्लांट का रखरखाव एनजीएसएल के कर्मचारी कर रहे थे। प्लांट प्रबंधन की दलील से साफ जाहिर है कि जांच का रुख दूसरी ओर मोडने के प्रयास किये जा रहे हैं। सब कांट्रैक्टर कंपनी को हादसे के लिये जिम्मेदार बताने की वजह भी यही मानी जा रही है।

महिला ने आरक्षक के घर घुसकर मां-बेटे की ली जान, बेटी गंभीर

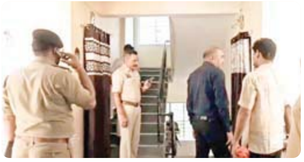

■ **भिलाई के सुपेला क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात, महिला से हो रही पूछताछ**

भिलाई (नवप्रदेश)। भिलाई से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां अवैध संबंधों के चलते एक महिला ने पुलिस आरक्षक के परिवार को तबाह कर दिया। इस हमले में आरक्षक की पत्नी और उनके 9 साल के मासूम बेटे की मौत हो गई है, वहीं एक बच्ची की हालत गंभीर है। यह पूरा मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीजापुर में पदस्थ एसटीएफ आरक्षक ललितेश यादव इन दिनों 15 दिन की छुट्टी पर दुर्ग स्थित अपने घर आए हुए थे। शनिवार सुबह करीब 8 बजे ललितेश रेलवे स्टेशन पर टिकट रिजर्वेशन कराने गए थे। घर पर उनकी पत्नी रीना यादव, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बेटियों ने खुद को बाथरूम में किया बंद

दूसरी बेटी ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया, जिससे उसकी जान बच गई। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी महिला को रंगे हाथों पकड़ लिया और उसके हाथ से खून से सना चाकू छीन लिया। हमले में घायल पत्नी और बेटे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी महिला सरोजनी को हिरासत में ले लिया है।

हत्याकांड में अवैध संबंधों का हो रहा जिक्र

पुलिस की शुरुआती जांच में इस हत्याकांड के पीछे अवैध संबंधों की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि, आरोपी सरोजनी भारद्वाज शुक्रवार दोपहर को भी ललितेश के घर आई थी, तब ललितेश ने उसे समझा-बुझाकर वापस भेज दिया था। आरोपी महिला दुर्ग में किराए का मकान लेकर रह रही थी। उसे पता था कि, ललितेश सुबह घर पर नहीं होगा, इसी का फायदा उठाकर उसने हमला किया।

तापमान	
अधिकतम 43°	न्यूनतम 26°

बाजार भाव	
गोल्ड	सिल्वर
1,54,040	244877

शेयर बाजार	
सेंसेक्स	निफ्टी
76,664.21	23,897.95

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,289,264,517	1,474,512,39

गरमा-गरम

पेज 12 में पढ़े **खबरों की मरम्मत**

पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान की सीधी बातचीत पर फंसा पेंच

■ **ईरान बोला- पाक को अपनी शर्तें सौपेंगे, अमेरिका को मीटिंग की उम्मीद**

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में बातचीत हो सकती है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार रात इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर को भी वहां भेजा है। वे आज पाकिस्तान पहुंचेंगे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस बार पाकिस्तान नहीं गए हैं, उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया है। जरूरत पड़ने पर वे इस्लामाबाद जा सकते हैं। दूसरी तरफ संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ भी इस बातचीत में शामिल नहीं हो रहे हैं। वे 11-12 अप्रैल को अमेरिका-ईरान की पहली बातचीत में डेलिगेशन के प्रमुख थे। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन पाकिस्तान में ईरान के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

तेलंगाना में छत्तीसगढ़ के 47 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, 34 हथियार भी सौंपे

जगदलपुर (नवप्रदेश)। नक्सल डेडलाइन खत्म होने के बाद नक्सलियों का सरेंडर जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को तेलंगाना पुलिस के सामने 47 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। डीवीसी इंचार्ज हेमला आयतु उर्फ विज्जा और 9वीं बटालियन कमांडर पोड़ियम लच्छु उर्फ मनोज जैसे बड़े चेहरे शामिल हैं। 34 हथियारों और 515 जिंदा कारतूस के साथ तेलंगाना में सामूहिक आत्मसमर्पण किया।

एससीएम स्तर का 1, 3 डीवीसीएम, 24 एसीएम और 19 पार्टी सदस्य शामिल हैं। दक्षिण बस्तर डिवीजनल कमेटी पूरी तरह ध्वस्त हो ■ शेष पृष्ठ 8 पर

डीजीपी की मौजूदगी में दी गई सहायता राशि

डीजीपी शिवधर रेड्डी की मौजूदगी में सरेंडर करने वाले नक्सलियों को 1 करोड़ 50 लाख की सहायता राशि दी जाएगी। तेलंगाना में अब तक 260 नक्सलियों का आत्मसमर्पण किया है। अभियान को लगातार बड़ी सफलता मिल रही है, जिससे इलाके में शांति बहाली की हो रही है।

सीएम साय ने जापान के प्रतिनिधिमंडल के साथ निवेश तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार पर की चर्चा

रायपुर (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शनिवार को रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के निवेश और सहयोग से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार हुआ है, जिससे उद्योगों के विस्तार के लिए बेहतर संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, सचिव पी. दयानंद, डायरेक्टर युकीहिरो मोमोसे, कोनोइके ट्रांसपोर्ट के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर तोशीहीरो फूजीवारा, मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील दीक्षित तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी केडी दीवान उपस्थित थे।

इकलौती संतान की मौत: 55 साल के पति और 49 की पत्नी को हाईकोर्ट ने दी आईवीएफ की अनुमति

■ **दंपती ने बेटी खोने के बाद दोबारा परिवार शुरू करने का निर्णय लिया**

बिलासपुर (नवप्रदेश)। हाईकोर्ट ने एक बेहद संवेदनशील मामले में इकलौती संतान खो चुके बिलासपुर निवासी दंपती को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उम्र सीमा की तकनीकी बाधा को किनारे रखते हुए कहा कि संतान सुख व्यक्ति के जीवन और गरिमा का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए 55 वर्ष पार कर चुके पति की उम्र आईवीएफ का अधिकार रोकने का आधार नहीं हो सकती।

बिलासपुर हाई कोर्ट कॉलोनी निवासी 49 वर्षीय महिला और उनके 55 वर्षीय पति की इकलौती बेटी का वर्ष 2022 में असामयिक निधन हो गया था। भावनात्मक आघात के बाद दंपती ने पुनः परिवार शुरू करने का फैसला लिया और बिलासपुर के एक निजी आईवीएफ सेंटर से परामर्श किया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रिप्रोडक्टिव ऑटोनॉमी अनुच्छेद 21 का हिस्सा

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने दंपती की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, रिप्रोडक्टिव ऑटोनॉमी यानी प्रजनन स्वायत्तता, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मूल अधिकार है। एआरटी एक्ट में उम्र सीमा व्यक्तिगत रूप से लागू होती है, सामूहिक रूप से नहीं। चूंकि पत्नी की उम्र 50 वर्ष से कम है और वह चिकित्सकीय रूप से सक्षम हैं, इसलिए पति की उम्र कुछ अधिक होने का आधार आईवीएफ रोकने के लिए पर्याप्त नहीं है।

आस्था: लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना, सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात के लिए प्रशासन सतर्क

खैरागढ़ में खुलेगी मण्डीप खोल गुफा, 27 अप्रैल को होंगे दर्शन

खैरागढ़ (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई क्षेत्र स्थित ठाकुरटोला जमीदारी की प्रसिद्ध मण्डीप खोल गुफा एक बार फिर श्रद्धा का केंद्र बनने जा रही है। यह गुफा साल में सिर्फ एक दिन श्रद्धालुओं के लिए खोली जाती है और इस वर्ष 27 अप्रैल को दर्शन होंगे। इसे लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं लगभग पूरी कर ली गई हैं। मण्डीप खोल गुफा को लेकर स्थानीय मान्यता है कि यहां भगवान शिव ■ शेष पृष्ठ 8 पर

वैज्ञानिकों ने जताई पर्यावरणीय चिंता

विशेषज्ञों के अनुसार मण्डीप खोल गुफा का आंतरिक वातावरण बेहद संवेदनशील है। यहां अंधकार, नमी और स्थिरता बनी रहती है, जिससे एक खास प्रकार का जैव तंत्र विकसित हुआ है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अचानक बढ़ने वाली भीड़, शोर और प्रदूषण इस संतुलन को बिगाड़ सकते हैं और गुफा के जीव-जंतुओं व संरचना पर असर डाल सकते हैं। गुफा विशेषज्ञ डॉ. जयंत बिस्वास का कहना है कि गुफाओं को पूरी तरह साफकरना या अंदर धार्मिक गतिविधियां बढ़ाना सही नहीं है।

कठिन रास्तों से होकर पहुंचते हैं श्रद्धालु

घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित इस गुफा तक पहुंचना आसान नहीं है। श्रद्धालुओं को ऊबड़-खाबड़ रास्तों और प्राकृतिक बाधाओं को पार करना पड़ता है, जिससे यह यात्रा आस्था के साथ उत्साह बढ़ाने का भी अनुभव कराती है। गुफा के अंदर प्राकृतिक शिवलिंग, पवित्र कुंड और 'श्वेत गंगा' नामक जलधारा मौजूद है, जिसे क्षेत्र का महत्वपूर्ण जल स्रोत भी माना जाता है।

प्रशासन अलर्ट, भीड़ नियंत्रण पर फोकस

जिला पंचायत खैरागढ़ के सीईओ प्रेमकुमार पटेल ने बताया कि इस बार भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पुलिस बल, स्वास्थ्य टीम और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं तैनात की जा रही हैं। हर साल यहां उमड़ने वाली भीड़ इस गुफा की लोकप्रियता को दर्शाती है, लेकिन इसके साथ ही यह चुनौती भी सामने है कि इस अनमोल प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित कैसे रखा जाए। मण्डीप खोल गुफा अब सिर्फआस्था का केंद्र नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और संतुलन का भी एक बड़ा उदाहरण बनती जा रही है।

तांदुला नदी का होगा पुनरूद्धार, जिला प्रशासन के प्रयासों से जीवनदायिनी नदी का होगा कायाकल्प

- जल संसाधन विभाग जिला बालोद एवं आईआईटी भिलाई के मध्य आज हुआ एमओयू
- तांदुला नदी के पुनरूद्धार से नदी पुर्नजीवन से संबंधित अनेक परियोजनाओं के लिए प्रशस्त होगा मार्ग

बालोद/नवप्रदेश। बालोद जिला प्रशासन के अथक प्रयासों से शीघ्र ही जिले की जीवन दायिनी तांदुला नदी का पुनरूद्धार होने से यह नदी अपने नए स्वरूप में प्रस्तुत होगा। इसके पुनरूद्धार कार्य हेतु आज जल संसाधन विभाग जिला बालोद एवं आईआईटी भिलाई के इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के मध्य औपचारिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। जिला प्रशासन के विशेष पहल पर शुरू किए गए यह कार्य बालोद जिले में नदी पुर्नजीवन के लिए एक वैज्ञानिक सतत एवं सामुदायिक भागीदारी आधारित मॉडल स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में आज संपन्न एमओयू के दौरान दुर्ग संभाग के आयुक्त श्री सत्य नारायण राठौर, कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री पीयूष देवांगन सहित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के दिशा-निर्देशन में बालोद जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए इस पहल से जिले की जीवन दायिनी तांदुला नदी का शीघ्र ही कायाकल्प होने के साथ-साथ यह नदी धरती माता आम जनता की सेवा में अपनी स्वरूप में प्रस्तुत होने वाली है।

संभाग आयुक्त श्री सत्य नारायण राठौर ने बालोद जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से जीवन दायिनी तांदुला नदी को सजाने, संवारने की दिशा में शुरू किए गए इस महत्वपूर्ण कार्य की भूरी-भूरी सराहना की। श्री राठौर ने बालोद जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समयोचित प्रयास बताया। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि इस परियोजना की सफलता न केवल बालोद जिले के लिए बल्कि भविष्य में समूचे छत्तीसगढ़ राज्य में नदी पुर्नजीवन से संबंधित अनेक परियोजनाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। संभाग आयुक्त ने जिला प्रशासन बालोद एवं आईआईटी भिलाई को इस महत्वपूर्ण कार्य की सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने इस परियोजना के व्यापक उद्देश्यों के संबंध में एक स्पष्ट दृष्टि प्रस्तुत की। उन्होंने वर्तमान में तांदुला नदी के समक्ष सेलेटेशन, प्रदूषण, जल प्रवाह में मौसमी अस्थिरता एवं पारिस्थितिक क्षरण जैसे मौजूद चुनौतियों के संबंध में प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने बालोद जिला प्रशासन की ओर से तांदुला जलाशय से हीरापुर एनीकट तक 03 किमी. के क्षेत्र तक के क्षेत्र को भविष्य में संतुलित स्वच्छ एवं पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ नदी तंत्र के रूप में विकसित करने की योजना के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर आईआईटी भिलाई की टीम के द्वारा इस बहुद्देश्यी परियोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। जिसके अंतर्गत निर्धारित समयावधि में इनके क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत योजना एवं प्रमुख फोकस क्षेत्रों के संबंध में जानकारी भी साझा की गई। इसके अलावा वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जल गुणवत्ता सुधार, जैव विविधता संरक्षण, जल प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को भी रेखांकित किया गया। जिसका बालोद जिला प्रशासन द्वारा भूरी-भूरी सराहना की गई।

उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के अंतर्गत तांदुला जलाशय से हीरापुर एनीकट तक 03 किमी. के चयनित क्षेत्र के महत्वपूर्ण हिस्से को एक हाइड्रोलॉजिकली स्थिर एवं पारिस्थितिक रूप से समृद्ध नदी कॉरिडोर में परिवर्तित करने की योजना शामिल है। इसमें उन्नत तकनीकी सर्वेक्षण, प्रकृति-आधारित समाधान एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी को समाहित किया गया है। जिससे कि आम जनता को इस योजना का दीर्घकालिक परिणाम मिल सके। बालोद जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से शुरू किया गया यह पहल परियोजना अंचल के सतत विकास, पर्यावरणीय पुर्नस्थापना और जनभागीदारी के माध्यम से क्षेत्रीय विकास का एक प्रेरणादायी मॉडल बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है।

खाद विक्रेता संघ 9 सूत्रीय मांगों का लेकर 27 को सौंपेंगा ज्ञापन

महासमुंद / नवप्रदेश। खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों की समस्याओं को लेकर देशभर में आवाज तेज होती जा रही है। इसी क्रम में ब्लॉक खाद विक्रेता संघ महासमुंद ने 27 अप्रैल 2026 को मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में प्रस्तावित एक दिवसीय प्रतिष्ठान बंद (हड़ताल) को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है।संघ के अध्यक्ष जागेश्वर जुगनू चंद्राकर के नेतृत्व में यह निर्णय ऑल इंडिया संगठन के आह्वान पर लिया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में खाद विक्रेताओं को जटिल नियमों, प्रशासनिक दबाव और घटते मुनाफे जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे व्यापार करना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है। संघ द्वारा रखी गई मांगों में विक्रेताओं का कमीशन बढ़ाने, लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाने, अनावश्यक निरीक्षण व उत्पीड़न पर रोक लगाने तथा सुरक्षित व्यापारिक वातावरण सुनिश्चित करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने, निलंबित लाइसेंस बहाल करने, खाद की सुचारू आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने और टैगिंग जैसी अनावश्यक प्रक्रियाओं को समाप्त करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई है। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इसी कड़ी में 27 अप्रैल को महासमुंद ब्लॉक के सभी खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारी एकजुट होकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे और अपनी 9 सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से रखेंगे।

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान सप्ताह का शुभारंभ

महासमुंद / नवप्रदेश। शहर के पंजाबी पारा स्थित वार्ड क्रमांक 23 में आयोजित श्रीमद भागवत महापुराण कथा ज्ञान सप्ताह का शुभारंभ गुरुवार को अत्यंत भव्य और भक्तिमय वातावरण में हुआ। आयोजन के पहले ही दिन श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। आचार्य नारायण दास वैष्णव के सानिध्य में निकाली गई आकर्षक कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कथा स्थल से प्रारंभ हुई यह यात्रा रामेश्वरी मंदिर पहुंची और पुनः कथा स्थल में आकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। भजन-कीर्तन, शंखनाद और जयघोष से गूंजते माहौल ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।कथा के दूसरे दिन आचार्य नारायण दास वैष्णव ने श्रीमद भागवत महापुराण के द्वितीय स्कंध का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने शुकदेव-परिक्षित संवाद के माध्यम से जीवन की क्षणभंगुरता और भक्ति के महत्व को सरल भाषा में समझाया। वहीं नारद अवतार की कथा के जरिए सत्संग और प्रभु स्मरण की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

फिंगेश्वर में किसान समिति के द्वारा मनाया गया अक्षय तृतीया का पर्व

फिंगेश्वर /नवप्रदेश। फिंगेश्वर में किसान समिति के अध्यक्ष योगेश सिंह ठाकुर एवं किसान भाइयों द्वारा अक्षय तृतीया का पर्व ठाकुर देव की पूजन आर्चन कर मनाया गयाद्य प्रातः 8:00 बजे से शीतला मंदिर के बैगा पुजारी के द्वारा विधि विधान से पूजन कर यह पर्व को मनाया गया द्य वही सभी किसानों के द्वारा पूजा के लिए धान दोना में लाकर एक स्थान पर रखकर पूजा किया गयाद्य अक्षय तृतीया से ही किसानों का नया वर्ष का शुभारंभ हो जाता है द्य उसी दिन से ही किसान अपने खेत में बुवाई का कार्य शुरू करते हैंद्य फिंगेश्वर किसान समिति के द्वारा संयुक्त रूप से पूजा पाठ कर क्षेत्र के किसानों की खुशहाली और अच्छी फसल की कामना करते हुए ठाकुर देव से प्रार्थना किया गयाद्य इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से किसान समिति के अध्यक्ष योगेश सिंह ठाकुर, उपाध्याय संतु निषाद, सचिव डोमार ध्रुव, कोषाध्यक्ष रामाधीन साहू, दूजलाल बंजारे, नरेश लहरे, पन्नालाल बंजारे,अशोक निषाद, गैद मांडले, अमरु निषाद, लखन ध्रुव, डीहू बंजारे, लोकेश यदु, ग्रैंद ध्रुव, प्रेमु मांडले, सीताराम निषाद, शालिराम ध्रुव, विष्णु कश्यप, आशा, नाथू, शुभ हरित, विकास हरित, एवं समस्त किसान भाई उपस्थित थे।

आम नागरिकों को जनगणना-2027 के संबंध में दी गई जानकारी

बालोद/नवप्रदेश। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों के द्वारा बालोद जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आज 24 अप्रैल को आयोजित विशेष ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों को जनगणना 2027 के कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने जनगणना के कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर जनगणना के राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करने की अपील की गई। इस दौरान जनगणना कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा विशेष ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों को ऑनलाईन स्वगणना भरने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए सभी को ऑनलाईन स्वगणना भरने के लिए प्रेरित भी किया गया।

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं लैब-सुविधाओं की समीक्षा

कलेक्टर ने किया निरीक्षण, अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई, त्वरित सुधार के निर्देश

कोरबा/नवप्रदेश। कलेक्टर कोरबा कुणाल दुदावत ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कोरबा का औचक निरीक्षण कर संस्थान की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं लैब-सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण अव्यवस्थाएँ सामने आईं, जिन पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक शाखा से हुई, जहां कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रजिस्टर, उपस्थिति संख्या और अन्य अभिलेखों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राचार्य द्वारा उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। इस पर कलेक्टर ने खाते व अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने संस्थान में वर्षों से पड़ी अनुपयोगी सामग्री को शासन के नियमों के अनुसार स्क्रैप में निस्तारित करने का भी आदेश दिया।

इलेक्ट्रिकल लैब के निरीक्षण में पाया गया कि विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल कार्य नियमित रूप से नहीं कराया जा रहा है। कलेक्टर ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लैब संचालन को सुव्यवस्थित करने और सभी प्रैक्टिकल गतिविधियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पुनः प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कार्यालयीन शाखा में स्टाफ कक्षों पर किसी भी कर्मचारी की नेम प्लेट अथवा कार्य-विभाजन की जानकारी प्रदर्शित न होने पर कलेक्टर ने विशेष आपत्ति जताई और आदेश दिया कि तीन दिनों के भीतर सभी कर्मचारियों की नेम प्लेट तथा आवंटित कार्य सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि कार्यालयीन पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

कैंपस में स्वच्छता व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं पाई गई। कॉलेज परिसर में फैली अव्यवस्था और अपर्याप्त सफाई व्यवस्था पर कलेक्टर ने तत्काल सफाई व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए। प्रोसेस इंस्ट्रुमेंटेशन लैब में वर्ष 2024 में खरीदे गए 19 कंप्यूटरों में से 14 कंप्यूटर अब तक उपयोग में नहीं लाए गए थे। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कलेक्टर ने सभी कंप्यूटरों को तीन दिनों के भीतर इंस्टॉल कर पूर्णतः क्रियाशील स्थिति में लाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग लैब में मौजूद उपकरणों के रखरखाव की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी उपकरणों को सदैव कार्यशील स्थिति में रखने के लिए कहा।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि कॉलेज में पीडब्ल्यूडी द्वारा संचालित मरम्मत एवं रखरखाव कार्य धीमी गति से चल रहे हैं। कलेक्टर ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग लैब के निरीक्षण में उपकरणों तथा सामग्री को अव्यवस्थित अवस्था में पाया गया, जिस पर उन्होंने सभी सामग्री को व्यवस्थित रखने और अनुपयोगी वस्तुओं को स्क्रैप में निस्तारित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने गुरुकुल कोसरंगी पुस्तकालय का किया निरीक्षण

महासमुंद / नवप्रदेश। जिले में चल रहे पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान और ÷ज्ञान भारतम÷ ऐप में अपलोड की प्रगति का जायजा लेने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह आज गुरुकुल कोसरंगी के पुस्तकालय कक्ष पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां सुरक्षित रखी गई 44 प्रकार की लगभग 3000 पृष्ठों की दुर्लभ पांडुलिपियों का गहन अवलोकन किया। पुस्तकालय में भोजपत्र, ताड़पत्र और बांस पर संरक्षित रामायण के सभी कांड, चारों वेद तथा आयुर्वेद से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथ सुरक्षित पाए गए, जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रमाण हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने संस्था के आचार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान देश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान प्राचीन लिपियों और ज्ञान को दस्तावेजीकृत कर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे ÷ज्ञान भारतम÷ ऐप डाउनलोड कर इस अभियान से जुड़ें और सक्रिय भागीदारी निभाएं। कलेक्टर ने बताया कि यदि जिले में कहीं भी 100 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियां उपलब्ध हों, तो उसकी जानकारी अवश्य दें, ताकि उनके संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पांडुलिपियों को जमा करने की जरूरत नहीं है, बल्कि उनका फोटो लेकर ऐप में अपलोड करना ही पर्याप्त है। चार चरणों में आसान सर्वे प्रक्रिया-जिला संयोजक एवं डीएमसी रेखराज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल के माध्यम से सर्वेक्षण की प्रक्रिया बेहद सरल है। इसमें मिशन एवं सेटअप, सर्वेक्षण प्रारंभ करना, विवरण दर्ज करना तथा सबमिशन एवं ट्रैकिंग जैसे चार प्रमुख चरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उपयोगकर्ता मोबाइल नंबर या ईमेल के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं और सटीक लोकेशन के लिए ऐप को लोकेशन एक्सेस देना आवश्यक होता है। सर्वेक्षण के दौरान भाषा का चयन अपनी सुविधा अनुसार किया जा सकता है।

खरीदी के नाम पर लूट, उपार्जन केंद्र बने भ्रष्टाचार का अड्डा : केशरवानी

- बिडोरा धान उपार्जन केंद्र में धान की कमी का मामला आया सामने : आकाश केशरवानी

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले में धान खरीदी व्यवस्था एक बार फिर बड़े घोटालों के कारण सुर्खियों में है। लगातार सामने आ रहे है मामले बता दे बिडोरा में 22 लाख 26 हजार 235रूपए का धान कमी पाया गया है।सामने आ रहे मामलों ने पूरे सिस्टम के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव आकाश केशरवानी ने कहा है की कबीरधाम जिले में धान खरीदी सत्र 2025- 26 के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने के गंभीर मामले है, यह पूरा खेल सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया, जिसमें उपार्जन केंद्र से लेकर संग्रहण केंद्र और कस्टम मिलिंग तक कई स्तरों पर गड़बड़ियां की गई।

हाल ही में जिले के बघर्रा, बाघामुड़ा और रमतला उपार्जन केंद्रों में जांच के दौरान लगभग 4472 क्विंटल धान गायब पाया गया, जिसकी कीमत करीब 1 करोड रुपए से अधिक का अनियमियता आया है ठीक इसके बाद नया मामला सेवा सहकारी समिति बिडोरा में 22 लाख 26 हजार 235 रूपए का धान कमी पाया गया है।जांच कमेटी का विवरण केंद्र की जांच निम्नलिखित दल द्वारा आकस्मिक रूप से दिनांक 26 फरवरी 2026 की गई एवं खाद्य निरीक्षक सहसपुर लोहारा द्वारा जांच प्रतिवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत

जाँच कमेटी का विवरण

केंद्र की जांच निम्नलिखित दल द्वारा आकस्मिक रूप से दिनांक 26/02/2026 की गई एवं खाद्य निरीक्षक स.लोहारा के द्वारा जांच प्रतिवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है जिसके तथ्य निम्नानुसार है सेवा सहकारी समिति बिडोरा के अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र बिडोरा में खरीफ विपणन वर्ष 2025ङ्क26 मे धान खरीदी प्रभारी के रूप में अर्जुन यादव पदस्थ है। वर्तमान में अर्जुन यादव खरीफविपणन वर्ष 2025 - 26 हेतु धान खरीदी प्रभारी के रूप में धान खरीदी व उठाव के समम्त जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे है। इसके अतिरिक्त वे उक्त समिति में प्रभारी संस्था प्रबंधक मूल पद विक्रेता के रूप में पदस्थ है।

अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की सक्रियता से बदली मुक्तिधाम की तस्वीर

नगरी / नवप्रदेश। नगर पंचायत नगरी के वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 स्थित मुक्तिधाम, जो लंबे समय से जर्जर और उपेक्षित अवस्था में था, आज एक नए और सुसज्जित स्वरूप में नजर आ रहा है। यह परिवर्तन नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा उपाध्यक्ष विकास बोहरा की तत्परता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है।

वार्ड के पार्षद हरीश साहू यश करण पटेल एवं शंकर देव द्वारा मुक्तिधाम की दयनीय स्थिति से अवगत कराए जाने पर अध्यक्ष उपाध्यक्ष ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बिना विलंब के आवश्यक कार्यों को स्वीकृति हेतु नगर पंचायत के सीएमओ यशवंत वर्मा इंजीनियर परमेश कुमार ध्रुव को इसकी जानकारी देते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया।

मुक्तिधाम परिसर में सीसी रोड का निर्माण कराया गया, जिससे अंतिम यात्रा में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिल सके। वहीं, जर्जर हो चुके टीन शेड, जो आंधी-तूफान और आगजनी के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके थे, उन्हें हटाकर नए टीन शेड का निर्माण किया गया। इसके साथ ही, श्रद्धालुओं के बैठने हेतु बने चबूतरे की मरम्मत कर उसे रंग-रोगन कर आकर्षक और व्यवस्थित रूप दिया गया।यह मुक्तिधाम वार्ड क्रमांक 13, 14 और 15 के निवासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां वे अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करते हैं। ऐसे संवेदनशील स्थल के विकास कार्य को प्राथमिकता देते हुए कम समय में पूरा करना, प्रशासन की सजगता और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

नगर निगम द्वारा संचालित पांच वाटर एटीएम चालू

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नागरिको को एक रूपये में एक लीटर शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराने नगर निगम द्वारा वर्षो पहले 6 स्थानो पर वाटर एटीएम स्थापना की गयी थी,जो तकनीकि खराबी के कारण कुछ समय से खराब स्थिति में आ गयी थी। जिसे महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा के निर्देश पर मरम्मत कर पॉच वाटर एटीएम चालू किया गया।उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों नगर निगम, जिला कार्यालय, नया बस स्टैण्ड, चौपाटी के पास, बसंतपुर जिला चिकित्सालय, हाट बाजार में वाटर एटीएम लगाया गया था, जिसका देख रेख एवं संधारण कार्य समय समय में वाटर एटीएम संचालक द्वारा किया जा रहा था। वाटर एटीएम लगाने का उद्देश्य 1 रूपये में शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना था। वर्षो से लगे होने के कारण वाटर एटीएम में खराबी आ गयी थी तथा हाट बाजार के वाटर एटीएम का समान भी चोरी हो गया था।

क्रिकेट का रोमांचः मैदान में हारा इंसान जीत सकता है, मन से हारा नहीं: परमीत सिंह माटा

गौधाम कप के चौथे दिन बिट्टू इलेवन की शानदार जीत

पिथौरा/नवप्रदेश। नगर के स्थानीय शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित श्री गोविंद कमला गौधाम कप रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांच अपने चरम पर है। मॉर्निंग क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस स्पर्धा के चौथे दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि परमीत सिंह माटा (निशू), अध्यक्षता कुलजीत आजमानी एवं विजय गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। मंच पर सतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल एवं मेहर सलूजा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि पत्रकार परमीत सिंह माटा ने अपने ओजस्वी संबोधन में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा पत्रकारिता की कलम और खिलाड़ी का बल्ला, दोनों में एक बात समान है—दोनों ही अनुशासन और सटीक निशाने की मांग करते हैं। जैसे एक गलत खबर समाज को गुमराह कर सकती है, वैसे ही खेल भावना के बिना खेला गया खेल सिर्फ मनोरंजन बनकर रह जाता है। यह प्रतियोगिता सिर्फएक खेल नहीं, बल्कि गौ-सेवा और खेल प्रतिभाओं के निखार का एक पावन संकल्प है। याद रखिएगा, मैदान में हारा हुआ इंसान फिर से जीत सकता है, लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता।

समिति का प्रयास सराहनीयः अध्यक्षता कार रहे अतिथि कुलजीत आजमानी ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद रात्रिकालीन आयोजन कर ट्रस्ट ने पिथौरा का मान बढ़ाया है। मॉर्निंग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भोज राज डाडसेना ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना है।

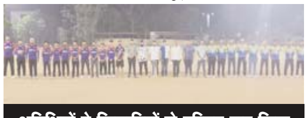

अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया

मुख्य अतिथि परमीत सिंह माटा द्वारा टॉस उछालकर मैच की शुरुआत की गई। चौथे दिन का मुख्य मुकाबला बिट्टू इलेवन बनाम नूतन कार के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिट्टू इलेवन ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 136 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा।जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी नूतन कार की टीम बिट्टू इलेवन की सधी हुई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम मात्र 97 रनों पर सिमट गई। इस तरह बिट्टू इलेवन ने यह मैच 39 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। बिट्टू इलेवन की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए फहद दयाला ने 5 विकेट चटकाए, जिन्हें उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफद मैच' से नवाजा गया।

राष्ट्रीय स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दो खिलाड़ियों का चयन

- आयुष और अनमोल द्विवेदी छत्तीसगढ़ टीम का करेंगे प्रतिनिधित्व, राज्य स्तरीय प्रदर्शन के दम पर मिली जगह

महासमुंद / नवप्रदेश बागबाहरा के उभरते क्रिकेट खिलाड़ी आयुष द्विवेदी और अनमोल द्विवेदी का चयन राष्ट्रीय स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 24 अप्रैल से 1 मई 2026 तक तमिलनाडु में आयोजित की जाएगी, जिसमें दोनों खिलाड़ी छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दोनों खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। रायपुर संभाग की ओर से खेलते हुए उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बस्तर के खिलाफखेले गए मुकाबले में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते विपक्षी टीम मात्र 25 रन पर सिमट गई। इस मैच में आयुष द्विवेदी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में बिना कोई रन दिए 4 विकेट झटके।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायपुर की ओपनर जोड़ी अनमोल और हर्षित ने मात्र 3 ओवर में बिना विकेट गंवाए टीम को जीत दिला दी।दुर्ग के खिलाफ मुकाबले में भी आयुष का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट लिए और दुर्ग की टीम को 50 रन पर रोक दिया। इसके बाद अनमोल और आयुष की जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को 10 विकेट से जीत दिलाई।

बिलासपुर के 50 हजार से अधिक परिवारों का 'अपना घर' का सपना हुआ साकार

__बिलासपुर/नवप्रदेश।__ राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर बिलासपुर जिले ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 50,044 परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए हैं। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम जन मन योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है, जिसके माध्यम से जिले के हजारों जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत मिली है।

जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। कुल 781.13 करोड़ रुपये की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और कार्यों में तेजी आई। क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो मस्तूरी विकासखंड 14,973 आवासों के साथ जिले में शीर्ष पर रहा। इसके बाद बिल्हा में 13,762, कोटा में 11,205 और तखतपुर में 10,104 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया। यह आंकड़े न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को भी साबित करते हैं।

जिले के लिए गौरवः कलेक्टर

कलेक्टर संजय कुमार अग्रवाल ने इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि ये 50,000 से अधिक घर केवल ईंट और सीमेंट की संरचनाएं नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान और सुरक्षा की नींव हैं। वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार अग्रवाल ने कहा कि भविष्य में भी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी।

'नारी शक्ति' की भूमिका महत्वपूर्ण

इस सफलता के पीछे 'नारी शक्ति' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले में 113 महिलाओं को 'रानी मिस्त्री' के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें निर्माण कार्य में सक्रिय भागीदारी दी गई, जिससे वे आत्मनिर्भर बनीं। वहीं 331 महिलाओं को 'डीलर दीदी' बनाकर निर्माण सामग्री की आपूर्ति की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर संसाधनों की उपलब्धता बढ़ी। इसके अलावा 2,231 महिलाओं को शटरिंग सामग्री किराये पर उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे निर्माण कार्यों में तेजी आई और महिलाओं की आय के नए स्रोत विकसित हुए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक जिले ने कुल 1,03,873 आवास पूर्ण कर छत्तीसगढ़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले की मजबूत कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और जनसहभागिता का परिणाम है। इस योजना का मानवीय पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ग्राम डारसागर की झांगली बैगा और ग्राम नेवसा की कैलाशा बाई जैसी हितग्राही, जो वर्षों से कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही थीं, आज पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं। उनके लिए यह केवल एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा, आत्मसम्मान और बेहतर भविष्य का प्रतीक है।

न्यूज गैलरी

विधायक लहरिया ने 36 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन

सीपत/नवप्रदेश। मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत दर्राभांठा में विकास कार्यों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए विधायक दिलीप लहरिया ने लगभग 36 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सीसी रोड, आंगनबाड़ी भवन एवं नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया। इस अवसर पर पूरे गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में शामिल हुए। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दिलीप लहरिया ने कहा कि क्षेत्र के हर गांव को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त बनाना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क, पानी और शिक्षा जैसी सुविधाएं हर नागरिक का अधिकार हैं, और हमारी सरकार इन्हें घर-घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। दर्राभांठा का यह विकास कार्य गांव की तस्वीर बदलने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। विधायक ने आगे कहा कि आने वाले समय में भी क्षेत्र में विकास कार्यों की गति इसी तरह तेज बनी रहेगी और किसी भी गांव को पीछे नहीं छोड़ा जाएगा। उनके इस आश्वासन से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। वहीं ग्राम पंचायत के सरपंच एनल घृतलहरे ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे गांव के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। वर्षों से जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, अब उनका समाधान शुरू हो गया है। विधायक के प्रयासों से दर्राभांठा तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद जायसवाल, राजू सूर्यवंशी, पिंटू जांगड़े, रामेश्वर धीवर सहित ग्राम पंचायत के पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विकास कार्यों के लिए विधायक का गर्मजोशी से स्वागत और आभार व्यक्त किया।

दुष्कर्म और धोखाधड़ी केस में हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

हाईकोर्ट ने कहा- महिला को पता था प्रेमी शादीशुदा, यह झांसा नहीं, आरोपी बरी

__बिलासपुर/नवप्रदेश।__ हाईकोर्ट ने रेप और धोखाधड़ी केस में अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस संजय एस अग्रवाल ने कहा अगर महिला को पहले से पता हो कि पुरुष शादीशुदा है और उसके साथ संबंध बनाती है, तो बाद में वह उस पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने या धोखाधड़ी का आरोप नहीं लगा सकती। हाईकोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ निचली अदालत से आरोपी को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा है। साथ ही महिला की अपील को खारिज कर दी है। इस मामले में महिला ने खुद पैरवी की।

डोंगरगढ़ की रहने वाली महिला ने अनुसार उसकी शादी 8 मई 2008 को महेश गंजीर के साथ हुई थी। 21 जनवरी 2009 को शादी का इकरारनामा भी तैयार किया गया था। महिला का दावा था कि इसके बाद दोनों साथ रह रहे थे। इस दौरान उनके बीच शारीरिक संबंध भी बने। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसने अलग-अलग यात्राओं पर 85 हजार रुपए खर्च किए, लेकिन जब उसने और पैसे देने से मना किया तो पति महेश ने उसे घर से निकाल दिया, जिसके बाद महिला ने महेश पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए निचली अदालत में मामला पेश किया था। महिला ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि आईपीसी की धारा 493 के तहत अपराध का मुख्य तत्व धोखाधड़ी है, जिसमें पुरुष महिला को यह विश्वास दिलाता है कि वह उसकी वैध पत्नी है।

निचली अदालत से आरोपी बरी

कोर्ट ने पाया कि महिला के दावों में कई विरोधाभास थे। रिकॉर्ड के अनुसार महिला की ओर से पहले दिए गए नोटिस और पुलिस शिकायत में शादी की निश्चित तारीख का जिक्र नहीं था, बल्कि उसमें केवल यह कहा गया था कि आरोपी ने शादी के बहाने मई से सितंबर 2008 के बीच शारीरिक संबंध बनाए। इसके अलावा महिला के एक अन्य नोटिस से यह स्पष्ट होता है कि वह अच्छी तरह जानती थी कि महेश पहले से शादीशुदा है। महिला को उसकी पहली पत्नी का नाम भी पता था। लिहाजा कोर्ट ने आरोपी को बरी कर दिया।

प्रमोशन के लिए योग्यता और वरिष्ठता को नहीं कर सकते दरकिनार

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाई कोर्ट ने पदोन्नति के संबंध में महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। कोर्ट ने कहा, पदोन्नति के लिए योग्यता और वरिष्ठता को दरकिनार नहीं किया जा सकता। विभागीय पदोन्नति समिति डीपीसी द्वारा सहायक ग्रेड दो के पद से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नति के लिए अपने नाम पर विचार न किए जाने को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता भारतेश नेताम ने अधिवक्ता संदीप दुबे के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका रिट दायर की थी। रिट याचिका की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू के सिंगल बेंच में हुई। कोर्ट ने पदोन्नित आदेश को रद्द करते हुए दोबारा डीपीसी बुलाने और डीपीसी की सिफारिश के आधार पर नए सिरे से पदोन्नति सूची जारी करने का निर्देश सचिव नगरीय प्रशासन को दिया है। याचिकाकर्ता भारतेश नेताम ने राज्य शासन द्वारा 17 जनवरी 2025 के बंशंकर गुप्ता असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर, नगर निगम रायपुर, आनंद कुमार ताम्रकार असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर रायपुर नगर निगम व राजकुमार कुर्रे रायपुर नगर निगम कार्यालय, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, विवादित पदोन्नति आदेश को निरस्त करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने सहायक लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने कहा, वह सहायक ग्रेड-दो के पद पर कार्यरत हैं और इस पद पर 5 वर्ष की सेवा पूरी कर चुका है। उसने सरकारी लेखा प्रशिक्षण विद्यालय से लेखा प्रशिक्षण की योग्यता भी प्राप्त की है। उसकी सेवा नगर निगम (अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति एवं नियम एवं शर्तें) नियम 2018 द्वारा शासित है। नियमों के नियम 11 का हवाला देते हुए कहा, नगर निगम के कर्मचारियों की पदोन्नति पर नियम 11 से संलग्न अनुसूची 6 के अनुसार विचार किया जाना चाहिए।

संस्कृति संगम सेवा समिति ने चलाया अरपा स्वच्छता अभियान

बिलासपुर/नवप्रदेश। संस्कृति संगम सेवा समिति की अध्यक्ष सुनैना नायर और सचिव श्वेता पटेल के नेतृत्व में शहर की मुख्य नदी अरपा को स्वच्छ रखने हेतु 'अरपा बचाओ अभियान' चलाया गया। अभियान के दौरान समिति के सदस्यों ने लोगों को जागरूक करने के लिए 'स्वच्छ अरपा स्वस्थ बिलासपुर' के पर्चे रिवर व्यू, पचरी घाट, हैप्पी स्ट्रीट आदि क्षेत्रों में बाँटे। साथ ही लोगों से अपील की गई कि नदी में पन्नी, कूड़ा-कचरा न डालें और नदी को प्रदूषण मुक्त रखें। इस कार्य में समिति के सदस्य नम्रता नागदे, श्रद्धा सोनी, पिंकी कश्यप, इला नेताम, जयेश नायर, श्रुति पटेल, ममता नेताम और राहुल का विशेष योगदान रहा। सुनैना नायर ने कहा कि अरपा नदी हमारी पहचान है। इसका स्वच्छ रहना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्वच्छ नदी से ही स्वच्छ वातावरण और बच्चों के स्वस्थ भविष्य की नींव रखी जा सकती है। भविष्य में भी समिति द्वारा अरपा नदी के तटों की सफाई और जन-जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे। इस पहल से क्षेत्र के लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भविष्य में अभियान से जुड़ने का संकल्प लिया।

मैग्नेटो मॉल के बाहर मारपीट

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित मैग्नेटो मॉल के बाहर शुक्रवार को एक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। प्रेम संबंधों के विवाद में एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवती और उसके मित्र पर पंच से हमला कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित चार नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है।

जनसमस्या निवारण शिविर में मौके पर ही कई लोगों को मिला समाधान

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर के लखीराम अग्रवाल स्मृति ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर अत्यंत उपयोगी एवं सफल रहा। शिविर का शुभारंभ स्थानीय विधायक अमर अग्रवाल ने किया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 123 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से मांग से जुड़े कुछ प्रकरणों को छोड़ अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान की गई। मुख्य अतिथि अमर अग्रवाल ने शिविर में श्रम विभाग की दो योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को 1.20 लाख रुपए की सहायता राशि के चेक वितरित किए तथा राजस्व विभाग की ओर से तीन किसानों को किसान किताब प्रदान कर लाभान्वित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासनिक कार्यों में सुशासन लाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यालय से दूर आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए इस प्रकार के शिविर प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व एवं विद्युत विभाग से संबंधित लंबित समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आगामी सुशासन शिविरों में लोगों को और अधिक संतोषजनक परिणाम मिल सकें। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आगामी 1 मई से सुशासन शिविरों की श्रृंखला प्रारंभ होगी, जिससे अधिकाधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने भी शिविर को संबोधित करते हुए इसे जनहितकारी पहल बताया। शिविर में आरटीओ विभाग द्वारा 4 लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए, वहीं राजस्व विभाग ने डेढ़ दर्जन से अधिक प्रमाण पत्र बनाकर वितरित किए। श्रम विभाग द्वारा 3 श्रमिकों का पंजीयन किया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने राज्य शासन की प्रमुख योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

सिम्स के पीजी छात्राओं ने सीखें चिकित्सा शिक्षा में शोध के गुर

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में सत्र 2025-26 में प्रवेशित एमडी/एमएस प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए 23 एवं 24 अप्रैल को दो दिवसीय ओरिएंटेशन एवं रिसर्च मेथोडोलॉजी कार्यशाला का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित चिकित्सकों को अस्पताल की कार्यप्रणाली, क्लीनिकल जिम्मेदारियों एवं शोध आधारित चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन बायोकेमिस्ट्री लेक्चर हॉल (तृतीय तल) में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।पहले दिन (23 अप्रैल) आयोजित ओरिएंटेशन सत्र में डीन डॉ. रमणेश मूर्ति एवं डॉ. चंद्रहास ध्रुव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए चिकित्सा सेवा में अनुशासन,

संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. चंद्रहास ध्रुव द्वारा मरीज के भर्ती से लेकर डिस्चार्ज तक की संपूर्ण प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। डॉ. आशुतोष कोरी ने इमरजेंसी में त्वरित निर्णय, प्राथमिक उपचार एवं जीवनरक्षक प्रक्रियाओं की जानकारी दी, वहीं डॉ. संजय घिल्ली ने ट्रायज प्रणाली के माध्यम से मरीजों की प्राथमिकता निर्धारण की तकनीक को स्पष्ट किया। डॉ. विद्या भूषण साहू ने काउंसलिंग एवं सूचित सहमति के महत्व को बताते हुए मरीज एवं परिजनों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। डॉ. राहुल अग्रवाल ने मेडिको-लीगल मामलों में चिकित्सकों की कानूनी जिम्मेदारियों एवं दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। दोपहर सत्र में विभागवार सैंपल कलेक्शन की वैज्ञानिक प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें— डॉ. मनीष साहू (बायोकेमिस्ट्री) ने नमूनों के सही संग्रह, लेबलिंग एवं स्टोरेज की प्रक्रिया बताई डॉ. रेखा बरापात्रे (माइक्रोबायोलॉजी) ने संक्रमण संबंधी सैंपल में एसेप्टिक तकनीक की आवश्यकता समझाई। डॉ. शहनाज़ बानो (पैथोलॉजी) ने ऊतक एवं साइटोलॉजिकल नमूनों के संरक्षण एवं जांच प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। डॉ. अमन अग्रवाल (रेडियोडायग्नोसिस) ने इमेजिंग से पूर्व मरीज की तैयारी एवं सुरक्षा के मानकों को समझाया। इसके अतिरिक्त, डॉ. सागरिका प्रधान ने बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट एवं पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस पर जानकारी देते हुए अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण एवं सुरक्षा मानकों की महत्ता बताई। डॉ. श्रेया टोड़ी ने प्रिस्क्रिप्शन राइटिंग एवं फार्माकोलॉजिकल ऑडिट पर व्याख्यान देते हुए सुरक्षित एवं तार्किक दवा उपयोग की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। दूसरे दिन (24 अप्रैल) आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी कार्यशाला में डीन डॉ.रमणेश मूर्ति ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में शोध की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो नई उपचार पद्धतियों के विकास एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार का आधार है। इस अवसर पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा शोध के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

बैठकः डीआरएम राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल स्तरीय पीएनएम व रनिंग स्टाफ बैठक आयोजित

पीएनएम बैठक में 79 एजेंडों पर विस्तार से हुआ विचार-विमर्श

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में 23 से 25 अप्रैल तक तीन दिवसीय मंडल स्तरीय पीएनएम (परमानेंट नेगोशियेशन मशीनरी) बैठक एवं रनिंग स्टाफ मीटिंग का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन बैठकों में कर्मचारियों की समस्याओं, लंबित मुद्दों तथा विभिन्न विभागीय विषयों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन द्वारा की गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक जे. एस. मीना एवं के. श्रीनिवास की उपस्थिति रही।

बैठक का संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा द्वारा किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के शाखाधिकारी तथा साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस, बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री सहित बी. कृष्णकुमार, लक्ष्मण राव, आर. के. यादव एवं सभी शाखा सचिव सक्रिय रूप से शामिल हुए। तीन दिवसीय पीएनएम बैठक के दौरान कुल 79 एजेंडों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया, जिनमें 38 लंबित

(पुराने), 30 नए एवं 11 विशेष एजेंडे शामिल थे। कई महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान बैठक के दौरान ही सुनिश्चित किया गया, जबकि शेष विषयों पर संबंधित विभागों को शीघ्र एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में आयोजित रनिंग स्टाफ मीटिंग में रनिंग कर्मचारियों से जुड़े 16 महत्वपूर्ण एजेंडों पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में कार्य परिस्थितियों, सुविधाओं, सुरक्षा एवं कल्याण से संबंधित विषयों पर सकारात्मक विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर सहमति बनी। पूरी बैठक सकारात्मक, रचनात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें प्रशासन एवं कर्मचारियों के मध्य बेहतर संवाद और समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। बैठक को संबोधित करते हुए डीआरएम श्री राकेश रंजन ने कहा कि रेल प्रशासन कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के प्रति पूर्णतः संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। साथ ही मजदूर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विधिसम्मत एवं त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बीके स्वाति ने बच्चों को सिखाया विचारों का रहस्य, जैसा सोचेंगे-वैसा बनेंगे

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, बिलासपुर की मुख्य शाखा, टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग भवन में आयोजित बाल संस्कार शिविर का दूसरा दिन अत्यंत प्रेरणादायी, शिक्षाप्रद एवं आनंदमय वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जीवन को सुंदर बनाने वाले संस्कारों को सरल व रोचक तरीकों से समझा। शिविर के दूसरे दिन का मुख्य विषय 'विचारों का महत्व' रहा। सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए बहुत ही सरल और प्रभावशाली शब्दों में बताया कि हम जैसा सोचते हैं, वैसा ही बन जाते हैं। उन्होंने बच्चों को समझाया कि अच्छे विचार जीवन को बिलासपुर की बेटी वंदिता साहू ने संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (सी सी आर टी) शास्त्रीय गायन में प्राप्त करते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम रोशन किया। बिलासपुर छत्तीसगढ़ की होनहार बेटी वंदिता साहू ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम रोशन किया है। मात्र 13 वर्ष की आयु में वंदिता का चयन भारत सरकार द्वारा शास्त्रीय संगीत में छात्रवृत्ति के लिए किया गया है।

साड़ी में है दम

विजय मिश्रा 'अमित'

सृष्टि में मनुष्य ही ऐसा जीव है, जो वस्त्रों से तन ढकता है। स्त्री हो या पुरुष उसे तन ढकने के लिए परिधान की आवश्यकता होती है। भारत के अलग-अलग राज्यों में निवासरत लोगों का परिधान भी अलग-अलग होता है।अनादि काल से स्त्री परिधान में सर्वाधिक प्रचलित लोकप्रिय परिधान साड़ी ही है। तभी तो महाकवि भूषण ने द्रौपदी चीरहरण के समय निर्मित स्थिति को देखते हुए अद्भुत रस सहित संदेह अलंकार में लिखा है- 'सारी बीच नारी है कि नारी बीच सारी है,सारी ही की नारी है कि नारी ही की सारी है'। भारतीय परिधान में साड़ी के प्रति ललक ऐसी है कि विदेशी महिलाएं भी साड़ी पहनने को आतुर रहती हैं। साड़ी का पहनावा भी बड़ा ही चमत्कारिक है। जिसमें ना तो कोई बटन,ना कोई चैन ना ही कोई नाड़ा होता है।

भारतीय संस्कृति पारंपरिक शिल्प कौशल और नारीत्व श्रृंगार साड़ी की गरिमा को बढ़ाने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 दिसंबर को विश्व साड़ी दिवस मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ में महिलाओं का महापर्व तीजा तो साड़ी के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। इस पर्व में सही साड़ी न मिलने पर अनेक चंद्रमुखी 'तीजहारिन' सुरजमुखी बन जाती हैं।नारी जाति की सुंदरता के साथ-साथ इज्जत-मान- मर्यादा को साड़ी बनाए रखती है। अनेक विभागों में इसे 'यूनिफॉर्म' के रूप में रखा गया है। अस्पताल, स्कूल, थाना और तो और हवाई जहाज में भी ज्यादातर 'व्योम बालाएं' अर्थात विमान परिचारिकाएं साड़ी ही पहनती हैं।

दुर्भाग्यजनक बात है कि हाल ही में छत्तीसगढ़ के महिला एवं बाल विकास विभाग ने नारी समुदाय के इस गरिमामय प्रमुख परिधान की जमकर धज्जियां उड़ा दी है। प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को देने हेतु चयनित- वितरित साड़ियों में एक नहीं अनेक खोट सामने आए हैं। खोट की खाड़ी में डूबी साड़ी की लंबाई निर्धारित आकार से कम है। साड़ी का रंग इतना कच्चा है कि एक बार की धुलाई में ही वह बदरंग हो जा रही है। साड़ी की बनावट ऐसी है कि आराम से चाय छान सकते हैं,अर्थात चाय छन्नी की तरह साड़ी में भरपूर पारदर्शिता है। तालाब में मछली पकड़ने के लिए जाल की तरह इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

मजे की बात यह है कि साड़ी की आपूर्ति छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के द्वारा की गई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों से लेकर मंत्री तक शिकायत की है कि उन्हें प्रदत्त साड़ी घटिया है। यूनिफॉर्म के रूप में उसे कार्यस्थल पर पहना जाता है,अतः गरिमा के अनुरूप साड़ी का स्तर होना आवश्यक है। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एक महिला ही हैं,वे भली भांति जानती है कि साड़ी की उपादेयता एक नारी जाति के लिए अनेक अर्थों में कितना ज्यादा है। बहरहाल छत्तीसगढ़ की कढ़ाई में साड़ी की आंच ने जबरदस्त उबाल ला दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साए ने भी इस साड़ी प्रकरण को लेकर भारी नाराजगी दिखाई है। एक सप्ताह के भीतर नई साड़ी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रदेश में कार्यरत लाखों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कैसे सात दिन के भीतर उम्दा साड़ी की आपूर्ति होगी? यह भी

'तेल देखो तेल की धार देखो ' वाली बात हो गई है।

साड़ी की गरिमा को गिराने वाले अनाड़ी अधिकारियों की काली करतूत के लिए जांच समिति भी गठित की गई है। अपनी अपनी मैडम के लिए महंगी महंगी और कार्यकर्ताओं के लिए निम्न कोटि की साड़ियां खरीदने वाले अधिकारियों की जांच तो होगी किन्तु पूर्व में ऐसे जांच के परिणाम टांय टांय फीस ही रहे हैं। इस आधार पर कह सकते हैं कि साड़ी घोटालेबाजों पर कोई आंच नहीं आएगी।अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर जांच कमेटी का अध्यक्ष जिस अधिकारी को बनाया गया है वही अधिकारी खराब साड़ी खरीदने वाली परचेज कमेटी का प्रभारी था। यह तो वही बात हुई की चोर को ही कोतवाल बना दिया गया। साड़ी की अस्मिता से खिलवाड़ करते अनाड़ी खिलाड़ी भूल गए कि छत्तीसगढ़ की मिनी माता, बिलासा बाई केवटिन, राधाबाई, केतकी बाई,पोचीबाई,रमोतिन माड़िया,रानी अवंतीबाई लोधी,रामकुवंर बघेल आदि साड़ीधारी अनेक वीरांगनाओं ने फिरंगियों के छक्के छुड़ा दिए थे। इतिहास में ऐसी अनेक घटनाएं दर्ज है जो बताती हैं 'साड़ी धारी नारी जब खड़ी होती है तो जीत बड़ी होती है'। महाभारत की कथा में द्रौपदी चीरहरण के समय दुशासन द्वारा साड़ी खींचने का प्रसंग आता है, जिसमें द्रौपदी की आबरू बचाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने साड़ी की लंबाई को अनंत करने की कला करिश्मा को प्रदर्शित किया।

छत्तीसगढ़ के मंत्री संतरी बेचारे इस अद्भुत कला करिश्मा से अनभिज्ञ हैं। वे साड़ी की लंबाई बढ़ाना तो नहीं जानते पर हां साड़ी की लंबाई घटाने में उन्हें महारत हासिल है। ऐसे महारथियों की लगाम बड़े-बड़े नेताओं के हाथ में होती है। तभी तो साड़ी की लंबाई घटाने की कला में निपुण अधिकारीगण बेखौफ अपनी काली करतूत को सुरसा के मुख की तरह बढ़ाने में जरा भी नहीं हिचक रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग में हुए साड़ी घोटाला में यह तय है कि गड़बड़ी हुई है, तो फिर गड़बड़ी करने वालों को सामने लाने में देरी किस बात की हो रही है। जनता यह सवाल पूछते हुए कह रही है कि जो सरकार नारी आरक्षण-स्वावलंबन- सशक्तिकरण के लिए लड़ाई लड़ रही है, उसी सरकार के नाक के नीचे निडरतापूर्वक खराब साड़ी खरीदने का खेला चल रहा है।वह प्रदेश में सुशासन की डावांडोल स्थिति को उजागर कर रहा है।

आग उगलता आसमानः झुलस रहा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़, जो अपनी हरियाली और धान के कटोरे के लिए जाना जाता है, इन दिनों आग के गोले में तब्दील होता नजर आ रहा है। मार्च के अंत से शुरू हुई तपिश ने अप्रैल में ही मई-जून का एहसास करा दिया है। रायपुर से लेकर बिलासपुर और दुर्ग से लेकर बस्तर तक, पारा लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा रहा है। सूरज की तल्खी और झुलसाती गर्म हवाओं ने जनजीवन की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। यह केवल एक मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और कंक्रीट के जंगलों का सीधा असर है।

'हीट आइलैंड' का असर

रायपुर जैसे शहर अब 'हीट आइलैंड' बनते जा रहे हैं। बढ़ते शहरीकरण और घटते पेड़ों के कारण सड़कों का डामर दिनभर गर्मी सोखता है और रात में उसे छोड़ता है, जिससे रातें भी अब ठंडी नहीं रह गई हैं। दोपहर 12 बजते ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है, जो शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी के लिए एक बड़ी चुनौती है।

स्वास्थ पर भारी पड़ रही 'लू'

अस्पतालों में इन दिनों उल्टी, दस्त, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या में 30त्न तक का इजाफा हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि यह गर्मी बुजुर्गों और बच्चों के लिए सबसे ज्यादा घातक है। शरीर में पानी की कमी और अचानक तापमान में बदलाव 'थर्मल शॉक' का कारण बन रहा है।

खेती-किसानी पर संकट के बादल

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ 'खेती' है। बढ़ते तापमान का सीधा असर फसलों पर पड़ रहा है। विशेष रूप से जायद की फसलों और सब्जी उत्पादन में पानी की खपत बढ़ गई है। भू-जल स्तर गिरने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बाड़ियों में सब्जियां सूख रही हैं, जिससे आने वाले दिनों में बाजार में महंगाई बढ़ने के आसार साफ नजर आ रहे हैं।

हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या हम इस गर्मी के लिए जिम्मेदार नहीं हैं? छत्तीसगढ़ के जंगलों में लगती आग और विकास के नाम पर कटते पेड़ों ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। अगर आज हम जल संरक्षण और वृक्षारोपण की ओर नहीं मुड़े, तो आने वाले साल और भी भयावह हो सकते हैं।

विशेषज्ञों की रायः ÷दोपहर 1 बजे से 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। यदि निकलना जरूरी हो, तो सिर को सफेद सूती कपड़े से ढकें और साथ में पानी की बोतल जरूर रखें।

गर्मी से बचाव के कुछ देसी और असरदार उपाय

मिट्टी के घड़े का जादुई पानी

फ्रिज के पानी के बजाय मटके का पानी पिएं, यह शरीर के तापमान को संतुलित रखता है।

आम पन्ना और गोंद कतीराः

छत्तीसगढ़ के घरों में प्रचलित आम पन्ना और बेल का शरबत शरीर को प्राकृतिक ठंडक प्रदान करता है।

गुलकंद

गर्मी में गुलकंद का सेवन पेट की गर्मी कम करने में मददगार है।

तरल पदार्थ

दिन भर पर्याप्त पानी पिएं। नारियल पानी, छाछ (मट्ठा), नींबू पानी और गन्ने का रस शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करते हैं।

पुदीना और सौंफ

पुदीने की चटनी या पुदीने वाली छाछ पिएं। सौंफका पानी भी शरीर की गर्मी को कम करता है।

प्याज का सेवनः

कच्चे प्याज का सलाद लू से बचने का सबसे अच्छा देसी नुस्खा माना जाता है।

पलाश के फुल

: आयुर्वेदिक जानकारों के अनुसार, पलाश के फूलों को पानी में भिगोकर उस पानी से शरीर को पोंछने या नहाने से ठंडक मिलती है।

व्यंग्य रचना : शादी का लिफाफा

डॉ. किशोर अग्रवाल

शादी का सारा काम निपटा कर शांतिलाल जी आज बहुत दिन बाद जरा बरामदे में बैठे अखबार देख रहे थे और खुले मौसम का आनंद ले रहे थे कि तिपाई पर रखा फोन घनघनाया। अनमने ढंग से फोन उठाकर शांतिलाल जी ने हैलो किया।

"कैसे हो शांतिलाल जी, कैसा है सब? ठीक ठाक?" "हाँ ठीक ही है, पहचाना नहीं मैंने, आप कौन?" "अरे शादी के बाद थकान हो ही जाती है। अब सप्ताह भर बाद तो थकान उतर गई होगी?"

"सब चलता है भाई साहब, मैंने पहचाना नहीं आप हैं कौन?" "मैं प्रभाकर बोल रहा हूँ, आपके पुराने परिचितों में हूँ। दुकान पर तो अपना लेन-देन लगा ही रहता है। शादी में जरा देर को सही पर मिला तो था आपसे?" "हाँ प्रभाकर जी, शादी में कुछ ग्राहकों को भी बुलाते ही हैं, आप आये , बड़ी कृपा की, बहुत खुशी हुई।" "खुशी तो हमें भी हुई थी पर घर आकर खुशी आधी रह गयी।"

"वह भला कैसे? क्या हुआ प्रभाकर जी?÷

"अरे हुआ यूँ कि मैंने मंच पर वर-वधू को आशीर्वाद देते समय एक लिफ़ाफ़ा वर के हाथ में पकड़ाया था, उसमें मैंने हज़ार रूपये रख दिए थे।÷ अरे तकल्लुफ न करना था, सिर्फ़ आशीर्वाद देते प्रभाकर जी। अरे तकल्लुफकी कोई बात न थी , पर आपने बड़ी गड़बड़ की। आपने मंच के नीचे भी लिफ़ाफ़े लेने को रजिस्टर रखकर आदमी बिठा रखा था और मंच पर भी लिफाफे ले रहे थे। यह कोई बात हुई भला? अरे कैसी बात करते हैं। कभी मंच पर दूल्हा-दुल्हन देर से आते हैं तो मेहमानों-रिश्तेदारों के लिफ़ाफ़ों के लिए हर जगह ही यही इंतज़ाम होता है । हां यह खूब कही, मंच पर दूल्हा-दुल्हन भले न आएँ पर आपको लिफ़ाफ़ा मिलना ही चाहिए।

देखिये आप यह तो बेइज्जती वाली बात कर रहे हैं।

बेइज्जती की बात नहीं शांतिलाल जी, यही तो नुकसान वाली बात हुई हमारे लिए। वह भला कैसे? मेरे इंतज़ाम से आपको ऐतराज़ क्यों है भला? अरे मैं जल्दी निपटाने के चक्कर में मंच पर लिफ़ाफ़ा दे ही आया और इधर मेरी पत्नी को जब मैं नहीं दिखा तो उसने भी एक लिफ़ाफ़ा लेकर हज़ार रूपये रखकर वहाँ लिफ़ाफ़े वाली मेज पर दे दिए। चलो अच्छा हुआ प्रभाकर जी, आपका बच्चों को दो-दो बार आशीर्वाद मिल गया। अरे नहीं, हमें तो हमारा एक लिफ़ाफ़ा वापस चाहिए। अरे यह तो बेशर्मी हो जाएगी, कोई ऐसे वापस माँगता है क्या?

क्यों बेशर्मी हो जाएगी?

हमने कभी किसी के यहाँ हज़ार रूपये से ज्यादा नहीं दिये चाहे हमारा सगा ही क्यों न हो। गलत कर रहे हैं आप। कुछ गलत नहीं, दो लिफ़ाफ़े गलती से चले गये और एक हम वापस मांग रहे तो इसमें लती क्या? भूल चूक सबसे हो जाती है।

"अरे अब तो लिफ़ाफ़े खुल चुके हैं।"

तो क्या हुआ, आपने लिख भी तो रखी है सबकी रकम, हमारी रकम मिला लो और करो हज़ार रूपये वापस।

बड़े बेशर्म आदमी हो आप, ज्यादा दिल दुख रहा है तो आकर यहाँ से अपने हज़ार रूपये ले जाना। हाँ वो तो ले ही जाऊँगा पर दुःख तो अभी भी बना रहेगा। औरों के यहाँ हज़ार का शगुन देते हैं तो फाइव स्टार खाना खाने मिलता है। "तो हमारे यहाँ क्या कमी थी भला?"

अरे सड़ा बुसा कोई लोकल कैटरर लगा रखा था आपने। पनीर जैसे टायर के टुकड़े। दाल कैसी पतली बनवाई थी आपने। मीठे सिर्फ दो से ही काम चला लिया। शादी की मिठाई में कोई खीर रखता है? आपने आइसक्रीम भी नहीं रखी थी– आपके यहाँ आकर ठगा गए हम तो। "शांतिलाल जी के हाथ से अखबार और फोन एक साथ छूटकर जमीन पर गिर पड़े।"

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिये प्रतिकूल रहेगा। स्वभाव में परिवर्तन होने पर आज आपको बात बात पर क्रोध आएगा आवेश में आकर किसी से अपशब्द बोलने पर झगड़ा हो सकता है।

वृषः आज के दिन आपको परिवार के बड़ो का मार्गदर्शन एवं सहयोग मिलेगा। आज दिन के आरम्भ में आप कोई बड़ी गलती कर सकते है

मिथुनः आज के दिन आपके अंदर उदासीनता छाई रहेगी। प्रत्येक कार्य को पूरी निष्ठा से करेंगे लेकिन सफलता मिलनी संदिग्ध रहेगी आज व्यवसाय में थोड़ी सी भी लापरवाही करने पर आपके हिस्से का लाभ किसी अन्य को मिल सकता है।

कर्कः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज आप कर्म की अपेक्षा कल्पना में ज्यादा खोये रहेंगे। व्यवसाय स्थल पर कार्यो को अंत तक टालने का प्रयास करेंगे।

सिंहः आज के दिन आप अपनी ही कमियों के कारण परेशान रहेंगे गलती करने पर भी स्वीकार नही करेंगे जिससे प्रेम संबंधों में कड़वाहट आएगी महिलाये भी विवाद होने पर शांत नही बैठेंगी ।

कन्याः आज के दिन आप दैनिक कार्यो के साथ ही सामाजिक कार्यो में भी रुचि लेंगे। सार्वजनिक क्षेत्र पर आपका परोपकारी व्यवहार सम्मान दिलाएगा।

तुलाः आज का दिन बीते कुछ दिनों की तुलना में बेहतर रहेगा। आज के दिन आपका मुख्य लक्ष्य अधिक से अधिक धन कमाना रहेगा इसमें काफी हद तक सफल भी रहेंगे।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए निराशाजनक रहेगा आज आप जल्दी से किसी भी कार्य को करने का साहस नही जुटा पाएंगे पर जिस भी कार्य को करेंगे उसमे कुछ भी बना रहेगा।

धनुः आज के दिन आप कुछ हद तक आपके रुके कार्यो को पूर्ण कर सकेंगे लेकिन प्रत्येक कार्यो में धैर्य का परिचय देना होगा तुरंत लाभ ना मिलने से हताश ना हों कर्म करते रहें दे से ही सही सफलता अवश्य मिलेगी।

मकरः आज के दिन आप परिस्थितियों में सुधार आने से राहत की सांस लेंगे। पारिवारिक वातावरण संतोषजनक रहेगा। सेहत का ध्यान रखे मौसमी बीमारी हो सकती है।

कुंभः आज का दिन आपके लिये वृद्धिकारक रहेगा। लेकिन आज आप किसी की सहायता बहुत गंभीर परिस्थितियों में ही अथवा कही फंसने पर ही लेंगे जिससे कार्यो में विलंब होगा। गृहस्थ में महिलाओं को छोड़ बाकी सभी शांत रहेंगे।

मीनः आज के दिन आपको अपनी किसी गलती का पश्चाताप होगा लेकिन आज का दिन अभाव में रहने के कारण इसमे सुधार करना संभव नही होगा।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) भारत का सबसे छोटा हवाई अड्डा का नाम क्या है?

2) 1858 में किस शहर को 1 दिन के लिए भारत की राजधानी बनाया गया था?

3) प्राचीन भारतीय ग्रंथ पंचसिद्धांतिका किसके 5 सिद्धांतों से संबंधित है?

4) 2025 में पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में खो खो विश्व कप किस देश ने जीता?

5) पोस्टोजन्या गुफा, जो हाल ही में खबरों में थी, किस देश में स्थित है?

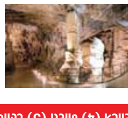

उत्तरमाला- (1) अगत्ती हवाई अड्डा, लक्षद्वीप (2) इलाहाबाद (3) वराहमिहिर (4) भारत (5) स्लोवेनिया

पहेली

शब्द सामर्थ्य -019

समता और गोंडवाना पटरी पर लौटीं, दिल्ली के लिए अब दिन में 4 ट्रेनें, लेकिन सफर अब भी आसान नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। 20 दिनों के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर समता, गोंडवाना और छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस पटरियों पर लौट आई हैं। इसके बावजूद राजधानी से दिल्ली का सफर यात्रियों के लिए आसान नहीं हुआ है। ट्रेनों का परिचालन शुरू होने से अब दिनभर में दिल्ली के लिए चार ट्रेनों की सुविधा तो मिल गई है, लेकिन यात्रियों की भारी भीड़ के कारण स्लीपर से लेकर थर्ड एसी तक की बुकिंग फुल चल रही है।

स्लीपर के साथ ही एसी में भी लंबी वेटिंग: रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनें चलाए जाने के बावजूद दिल्ली जाने वाले यात्रियों को आसानी से कन्फर्म टिकट उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ट्रेनों के लौटने के बाद हरिभूमि ने दिल्ली रूट की बुकिंग स्थिति का जमीनी जायजा लिया। आज 24 अप्रैल को समता और गोंडवाना एक्सप्रेस 20 दिनों के लंबे अंतराल के बाद पटरियों पर वापसी कर रही है, लेकिन 24 अप्रैल की सुबह से ही गोंडवाना एक्सप्रेस के सभी कोच में बुकिंग पूरी तरह बंद हो चुकी थी। इसी तरह समता एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में 74 और थर्ड एसी में 70 की लंबी वेटिंग चल रही है। ट्रेनों की संख्या बढ़ने के बाद भी यात्रियों को कंफर्म सीट के लिए भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

कोलकाता रूट में जून तक कन्फर्म टिकट का टोटा: दिल्ली के साथ-साथ अब रायपुर से होकर कलकत्ता जाने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों की भारी भीड़ के चलते 'नो रूम' की स्थिति बन गई है। गीतांजलि एक्सप्रेस, शालीमार एक्सप्रेस, हावड़ा-अहमदाबाद और हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों में टिकटों की मांग इतनी अधिक बढ़ गई है कि यात्रा की तारीख से तीन दिन पहले ही बुकिंग पूरी तरह बंद हो चुकी है।

1 जून के बाद की मिलेगी कन्फर्म टिकट

पूरा मई का महीना वेटिंग में है और यात्रियों को 1 जून के बाद ही दिल्ली के लिए कन्फर्म टिकट मिल पा रहे हैं। स्थिति यह है कि यात्रा की तारीख से एक से दो दिन पहले ही ट्रेनों में बुकिंग बंद हो जा रही है। वहीं, तत्काल टिकट भी चंद मिनटों में ही खत्म हो रहे हैं। ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 50 से 80 के पार पहुंच गई है, जिससे टिकट के कन्फर्म होने की संभावना शून्य के बराबर रह गई है। अब स्लीपर और एसी दोनों ही कोच में वेटिंग का भारी दबाव एक समान हो चुका है।

न्यूज गैलरी

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर मल्टी फंक्शन कॉपलेक्स

रायपुर/नवप्रदेश। दिनांक 24 अप्रैल 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, यांत्रिक, इंजीनियरिंग तथा राजभाषा विभाग के कर्मचारियों के साथ मल्टी फंक्शन काम्प्लेक्स, दुर्ग स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई- सैड से बचाव एवं ऑटोमेटिक सिगनल फेलुअर के दौरान दी जानेवाली प्राधिकार और चालक द्वारा लिए जानेवाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां एवं पावर ब्लाक के दौरान स्टेशन कर्मचारियों के द्वारा बरती जाने वाली सावधानियां, विद्युतीकृत सेक्शन एवं विद्युतीकृत पिट में कार्य करने के दौरान लिए जानेवाली सावधानियां, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा बरती जाने वाली गर्मीकालीन सावधानियां एवं कार्यस्थल की संरक्षा, एल एच बि कोच वाली ट्रेन परिचालन के दौरान होने वाली असामान्य घटनायें एवं उसका निवारण, ट्रेन में आग लगने का कारण एवं उसका निवारण, राजभाषा हिंदी का महत्व एवं संरक्षा में योगदान, प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन। इस संरक्षा सेमिनार में श्री प्रवीण कुमार, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर, श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी/रायपुर के साथ-साथ संरक्षा सलाहकारो ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरूकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 64 लोगों ने भाग लिया।

आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए चयन ट्रायल, 27 तक आवेदन

रायपुर/नवप्रदेश। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर में स्थित आवासीय खेल अकादमी में हॉकी, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, एथलेटिक्स (बालक-बालिका) एवं फुटबॉल (बालिका) के नवीन खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जाता है, इसके लिए चयन ट्रायल आयोजन किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हॉकी, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, एथलेटिक्स (बालक-बालिका) एवं फुटबॉल (बालिका) खेलों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 से 29 अप्रैल को वेटलिफ्टिंग (बालक-बालिका) एवं फुटबॉल (बालिका) के लिए चयन ट्रायल रायपुर के कोटा में आयोजित होगा। इसी प्रकार तीरंदाजी एरिना (बालक-बालिका) का चयन ट्रायल बालिका छात्रावास के सामने रायपुर में आयोजित होगा। इसी प्रकार 30 अप्रैल से 1 मई तक हॉकी एवं एथलेटिक्स (बालक-बालिका) का चयन ट्रायल कोटा एवं हॉकी स्टेडियम पिच -2, बालक छात्रावास के सामने रायपुर में आयोजित किया जाएगा। चयन ट्रायल में 01 अप्रैल 2026 की स्थिति में 13 से 17 आयु वर्ग के बालक-बालिका शामिल हो सकते हैं। जिले के इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित आवेदन पत्र भरकर अपनी उपलब्धियों के प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति सहित आगामी 27 अप्रैल तक कार्यालय जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण इंडोर स्टेडियम भवन कांकेर में जमा कर सकते हैं।

संजीवनी बना मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप

रायपुर/नवप्रदेश। सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के मिचवार निवासी आदिवासी महिला बुधरी मड़काम के लिए मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया। गंभीर बीमारी से जूझ रही बुधरी की हालत लगातार बिगड़ रही थी और शुरुआती लक्षणों के आधार पर कैंसर या टीबी जैसी आशंका जताई जा रही थी। लेकिन समय रहते कैंप में हुई जांच ने स्थिति की गंभीरता को पहचान लिया और प्रशासन की तत्परता से उसे सही उपचार की दिशा में तुरंत आगे बढ़ाया गया। मरीज की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. आरके सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई और बुधरी को तत्काल एम्स रायपुर रेफर कराया गया। यह निर्णय मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हुआ। जिला स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता ने यह सुनिश्चित किया कि दूरस्थ इलाके की यह महिला इलाज के लिए बड़े अस्पताल तक सुरक्षित और समय पर पहुंच सके। करीब एक सप्ताह की जांच के बाद बुधरी को दुर्लभ बीमारी सरकाईडोसिस होने की पुष्टि हुई और 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 15 दिनों के इलाज के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आई। सबसे बड़ी राहत यह रही कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पूरा उपचार निःशुल्क हुआ। यह घटना स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के उस संकल्प को भी साकार करती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गंभीर मरीजों को रायपुर ले जाकर बेहतर इलाज दिलाया जाएगा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की प्रांतीय कार्यशाला शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की प्रांतीय कार्यशाला प्रारंभ। कार्यशाला में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जम्वाल जी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण देव जी, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ नवीन मार्कंडेय, भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय सहित भाजपा पदाधिकारी एवं प्रशिक्षण महाभियान टोली मौजूद।

खरीफ सीजन 2026 की तैयारी पूरी
15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित

■ सरकार ने कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। खरीफ 2026 की तैयारी के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के किसानों को आश्वस्त किया है कि इस बार उर्वरकों की किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद राज्य में खाद आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सरकार ने बताया कि खरीफ सीजन के लिए कुल 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित हुआ है, जबकि गोदामों में 7.48 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त स्टॉक पहले से मौजूद है।

खरीफ 2026 के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित: राज्य सरकार ने बताया कि केंद्र से प्राप्त आवंटन के आधार पर खरीफ 2026 के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक सुनिश्चित किया गया है। इसमें यूरिया, डीएपी, एनपीके और पोटाश की पर्याप्त मात्रा शामिल है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच आपूर्ति पर विशेष निगरानी: पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का प्रभाव वैश्विक उर्वरक आपूर्ति पर पड़ रहा है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार ने जहाजरानी, आयात और लॉजिस्टिक स्थिति पर विशेष मॉनिटरिंग शुरू की है ताकि किसानों को किसी तरह की कमी न झेलनी पड़े।

किसानों को नैनो यूरिया, जैविक और हरी खाद अपनाने पर जोर: सरकार ने रासायनिक खाद पर निर्भरता कम करने और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए किसानों को नैनो यूरिया, जैविक खाद और हरी खाद से खेती को प्रोत्साहित किया है।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई

सरकार ने स्पष्ट किया है कि उर्वरक की कालाबाजारी, ओवररेटिंग या जमाखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन को रैंडम चेकिंग और सतत निगरानी के निर्देश जारी किए गए हैं।

7.48 लाख मीट्रिक टन खाद का स्टॉक तैयार

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में राज्य के सभी जिलों के गोदामों में 7.48 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। सरकार का कहना है कि यह स्टॉक आगामी वितरण चक्र के लिए पर्याप्त है।

छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए खुले वैश्विक बाजार के द्वार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं उद्योग संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित E&port Awareness and Incentive Schemes कार्यशाला होटल किंग्सवे में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों और लघु उद्यमियों को निर्यात की बारीकियों से अवगत कराना और उन्हें वैश्विक व्यापार मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने मंचस्थ अतिथियों को पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत करते हुए अपने संबोधन में व्यापारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के उत्पादों में वैश्विक बाजार पर छा जाने की अपार क्षमता है और चेम्बर व्यापारियों को हर कदम पर सहयोग देने के लिए तैयार है।चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने आगे बताया कि आज का यह दिन छत्तीसगढ़ के व्यापारिक इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। हम अक्सर सोचते हैं कि निर्यात केवल बड़े महानगरों या बड़े घरानों का काम है, लेकिन 'भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी' के आशीर्वाद से आज हम इस धारणा को बदलने आए हैं।

जशपुर का केरे गांव बन रहा ग्रामीण पर्यटन का नया केंद्र, होमस्टे मॉडल से बढ़ी पहचान

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में जशपुर जिले का केरे गांव तेजी से एक उभरते पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना रहा है। यह पहल स्थानीय लोगों की आजीविका को सशक्त बनाने के साथ-साथ क्षेत्रीय संस्कृति को भी नई पहचान दे रही है। जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से केरे गांव को पर्यटन गांव के रूप में विकसित किया गया है। यहां अब तक 5 होमस्टे स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही, ग्रामीणों को होमस्टे संचालन, अतिथि सत्कार और प्रबंधन से जुड़ा प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे वे बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। हाल ही में केरे स्थित 'महुआ होमस्टे' में ठहरे यात्रियों का अनुभव इस पहल की सफलता को दर्शाता है। बिलासपुर से रांची जा रहे तीन यात्रियों ने यात्रा के दौरान आरामदायक ठहराव के लिए इस होमस्टे का चयन किया। ऑनलाइन माध्यम से जानकारी मिलने के बाद वे यहां पहुंचे, जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया। उन्हें घर जैसा स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन मिला, साथ ही साफ-सुथरी और आरामदायक व्यवस्था का अनुभव भी हुआ। अतिथियों ने मेजबानों के व्यवहार और सुविधाओं की खुलकर सराहना की। यह सकारात्मक अनुभव दर्शाता है कि केरे गांव अब एक भरोसेमंद और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित हो रहा है। जिला प्रशासन के अनुसार, इस पहल से न केवल ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं, बल्कि सामुदायिक भागीदारी भी मजबूत हो रही है।

सुरक्षा दुरुस्त करने रवि भवन में कैमरे और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्णय

■ थाना प्रभारी की उपस्थिति में व्यापारी संघ ने लिया फैसला

रायपुर/नवप्रदेश। रवि भवन में आज गोल बाजार थाना प्रभारी श्री स्वराज त्रिपाठी जी की टीम के साथ उपस्थिति में 'संवाद से समाधान' अंतर्गत व्यापारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर व्यापारी संघ पदाधिकारियों द्वारा थाना प्रभारी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

बैठक में भवन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से परिसर में चारों ओर छ्छ्ड्ड्रकैमरे लगाने एवं अग्नि सुरक्षा हेतु आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इन व्यवस्थाओं से वाहनों की चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा तथा संदिग्ध गतिविधियों पर समय रहते कार्यवाही संभव हो सकेगी। इसके अतिरिक्त व्यापारियों द्वारा सेकंड हैंड मोबाइल की खरीदी-बिक्री से संबंधित समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। व्यापारी संघ अध्यक्ष ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि उन्हें यथासंभव लागू किया जाएगा। साथ ही, भवन के समग्र विकास एवं सुरक्षा के लिए भविष्य में भी नियमित बैठकें आयोजित कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में व्यापारी वर्ग की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही, जो बाजार की सुरक्षा और व्यवस्था के प्रति उनकी सजगता को दर्शाती है।

क्रिकेट सट्टा नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित मास्टरमाइंड बाबू उर्फ गुलशन खेमानी के ठिकाने पर छापा मारा। गंज थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीमों ने आमानाका स्थित मारुति एनक्लेव के मकान में दबिश दी, जहां जांच के दौरान करोड़ों की संपत्ति और महंगी गाड़ियों का पता चला। पुलिस की करीब 10 टीमों ने सर्च वारंट के साथ कार्रवाई की। मौके पर आरोपी की मां और परिवार की अन्य महिलाएं मौजूद थीं। तलाशी के दौरान बीएमडब्ल्यू, क्रेटा सहित पांच लग्जरी कारें बरामद की गईं। इसके अलावा रविभवन क्षेत्र में मोबाइल दुकान, जोरापारा में गोदाम और महासमुंद-बागबाहरा मार्ग पर करीब एक एकड़ जमीन होने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि बाबू और उसके भाई करण ऑनलाइन सट्टा संचालन के लिए 50 से अधिक फर्जी आईडी का उपयोग करते थे। साथ ही लेन-देन के लिए कई म्यूल बैंक खातों का भी सहारा लिया गया।

रायपुर सेंट्रल जेल में गूंजा सदाचार का मंत्र

गायत्री परिवार ने विचाराधीन बंदियों को पढ़ाया नैतिक शिक्षा का पाठ

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी स्थित केंद्रीय जेल के 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के विचाराधीन बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जेल प्रशासन के सहयोग से गायत्री परिवार रायपुर द्वारा एक विशेष 'नैतिक शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास' सत्र का आयोजन किया गया। 6 अप्रैल से शुरू हुए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराध का मार्ग त्यागकर नेक इंसान बनने के लिए प्रेरित करना था। जेल महानिदेशक श्री हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन और जेल अधीक्षक श्री योगेश सिंह के विशेष सहयोग से इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। जेल प्रशासन का मानना है कि इस तरह के आध्यात्मिक और नैतिक कार्यक्रमों से बंदियों के व्यवहार में सकारात्मक सुधार, उनका आत्मविश्वास बढ़ना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे कि वह भविष्य में समाज के मुख्य धारा में पुनः स्थापित हो सकें।

गड़बड़ी: चावल के बदले हितग्राहियों को नकद दिया जा रहा, पूरा राशन मांगने नहीं दे रहे, खुले मार्केट में बेचा जा रहा चावल

गरीबों के हक पर डाका डाल रहे, राशन की दुकानों का नया खेल

■ चावल की जगह नकद देने का दबाव, संचालक पर खुलेआम नियम तोड़ने के आरोप, खाद्य विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित राशन दुकानों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। आरोप है कि कुछ दुकानों पर हितग्राहियों को चावल देने के बजाय नकद लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह मामला न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि गरीबों के अधिकारों पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ राशन दुकानों के संचालकों ने आपसी तालमेल से चावल का एक तय 'रेट' निर्धारित कर लिया है।

चावल नहीं, पैसा लो या जाओ

कार्डधारकों के मुताबिक, दुकान संचालक खुलेआम कहता है कि चावल नहीं मिलेगा, पैसा लेना हो तो ले लो, नहीं तो कहीं और से ले लो। इससे स्पष्ट होता है कि नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है और जरूरतमंदों को उनके हक से वंचित किया जा रहा है।

दो दुकानों में एक जैसा मामला

शिकायत के अनुसार, कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड स्थित दुकान और लालपुर, एमएमआई अस्पताल के पास स्थित दुकान में यह गड़बड़ी सामने आई है। दोनों दुकानों का संचालन हेमदुर्गा साहू के नाम पर बताया जा रहा है। हितग्राहियों का आरोप है कि दोनों स्थानों पर समान तरीके से चावल के बदले नकद दिया जा रहा है। हितग्राहियों का कहना है कि जब वे पूरा राशन मांगते हैं तो उन्हें परेशान किया जाता है या मना कर दिया जाता है। इस कारण लोगों में भारी नाराजगी है और वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

प्रशासन से जांच की मांग

नागरिकों ने जिला प्रशासन और खाद्य विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो गरीबों को मिलने वाला सस्ता अनाज पूरी तरह खत्म हो सकता है। फूड कंट्रोलर भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राशन दुकानों में अनाज के बदले नकद देने की शिकायतें गंभीर हैं और इसकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में राशन कार्ड धारकों को निर्धारित मात्रा में चावल देना अनिवार्य है, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

सिंडिकेट बनाकर तय हो रहा 'रेट'

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ राशन दुकानों के संचालकों ने आपसी तालमेल से चावल का एक तय 'रेट' निर्धारित कर लिया है। बाजार में 30-35 रुपये प्रति किलो बिकने वाला चावल गरीबों से लगभग 20 रुपये प्रति किलो के हिसाब से नकद देकर वापस लिया जा रहा है। कई जगहों पर तीन माह के राशन में से केवल दो माह का चावल दिया जा रहा है और तीसरे माह का पैसा थमा दिया जाता है। वहीं शक्कर और नमक भी नहीं दिया जा रहा है।

परिवहन संघ की सतत निगरानी, बस्तर में लौह अयस्क का काला कारोबार बेनकाब

■ **परिवहन संघ की निगरानी में एक ट्रक पकड़ा गया,तीन संदिग्ध वाहन फरार**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर में लौह अयस्क के अवैध कारोबार और ओवरलोडिंग का एक बड़ा मामला उजागर हुआ है, जिसने खनिज परिवहन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बस्तर परिवहन संघ की सक्रिय निगरानी के दौरान चार संदिग्ध वाहनों की पहचान की गई, जिनमें से एक ट्रक को पकड़ लिया गया,जबकि तीन अन्य वाहन मौके से फरार होने में सफल रहे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इन वाहनों में बिना वैध दस्तावेजों के आयरन ओर का परिवहन किया जा रहा था।

मामले ने तब तूल पकड़ा जब परिवहन संघ ने लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर स्वयं निगरानी अभियान चलाया। संघ के पदाधिकारियों ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और चार गाड़ियों का पीछा किया। इस दौरान एक वाहन को रोका गया, लेकिन अन्य तीन ट्रक तेजी से निकल गए। पकड़े गए वाहन से जुड़े दस्तावेजों और माल की वैधता को लेकर गंभीर संदेह

जताया गया है।

बस्तर परिवहन संघ के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि पिछले कई दिनों से अवैध परिवहन की सूचनाएं मिल रही थीं। ओवरलोड वाहनों के कारण नियमित सप्लाई चेन प्रभावित हो रही थी और वैध ट्रांसपोर्टरों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि पकड़ी गई गाड़ी रायपुर रेलवे साइडिंग से लौह अयस्क लेकर आई थी और जिस निजी परिसर में वाहन मिला,वहां अवैध भंडारण की भी आशंका है।

घटना की लिखित शिकायत प्रशासन और खनिज विभाग को सौंप दी गई है। शिकायत के बाद खनिज विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वाहन के दस्तावेज,मालिकाना हक, माल के स्रोत,परिवहन अनुमति और भंडारण रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जाएगी। यदि कोई भी अनियमितता या अवैधता पाई गई तो संबंधित पक्षों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खनिज विभाग के अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि फरार तीन वाहनों की तलाश तेज कर दी गई है।

अवैध खनिज परिवहन पर बस्तर में बढ़ी सख्ती

बस्तर परिवहन संघ ने लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर निगरानी अभियान चलाया।चार संदिग्ध वाहनों की पहचान की गई, जिनमें से एक ट्रक पकड़ा गया। तीन अन्य वाहन पीछा करने के दौरान फरार हो गए। पकड़े गए वाहन पर बिना वैध दस्तावेज लौह अयस्क परिवहन का संदेह है। संघ ने आरोप लगाया कि वाहन रायपुर रेलवे साइडिंग से माल लेकर आया था।जिस निजी परिसर में ट्रक मिला,वहां अवैध भंडारण की आशंका जताई गई।प्रशासन और खनिज विभाग को लिखित शिकायत सौंप दी गई।विभाग ने दस्तावेज,स्रोत और भंडारण रिकॉर्ड की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई

बस्तर परिवहन संघ की शिकायत पर बड़े आरापुर से अवैध लोह अयस्क परिवहन करते जगदलपुर निवासी भोला झा की ट्रक वाहन को दबोचा गया। जिसे उन्होंने ग्राम पंडरीपानी में छुपाकर रखा था। जब विभाग द्वारा दस्तावेज मांगा गया,प्रस्तुत नही किया गया। जिसके बाद वाहन को थाना में रखा गया। साथ ही आरोपित के विरुद्ध खान एव खनिज विनियम एव विकास अधिनियम के तहत नियमानुसाए कार्रवाई की जाएगी।

शिखर शेरपा,जिला खनिज अधिकारी

संक्षिप्त खबरें

24 सीटी में बस्तर की बेटी ने रचा शैक्षणिक इतिहास

रीता जोशी को मिली पीएचडी की गौरवशाली उपाधि

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर अंचल के लिए यह गौरव और प्रेरणा का क्षण है। जगदलपुर की शोधार्थी रीता जोशी (पाणिग्राही) ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए ÷डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि प्राप्त की है। यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि बस्तर की शैक्षणिक क्षमता और सामाजिक चिंतन का भी उज्ज्वल प्रमाण है।डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय,कोटा (बिलासपुर) द्वारा उन्हें यह उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम 2016 के अंतर्गत उनके शोध प्रबंध का विधिवत मूल्यांकन किया गया। परीक्षकों की रिपोर्ट तथा मौखिक परीक्षा के प्रतिवेदन के आधार पर शोध को स्वीकृति प्रदान करते हुए यह प्रतिष्ठित उपाधि दी गई।रीता जोशी का शोध कार्य ग्रामीण प्रौद्योगिकी संकाय के अंतर्गत संपन्न हुआ।

नारीशक्ति के अधिकार पर राजनीति करने वालों को देश की महिलाएं देंगी जवाब : आलोक अवस्थी

जगदलपुर/नवप्रदेश। महिला अधिकारों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं पार्षद आलोक अवस्थी ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप

लगाते हुए कहा है कि महिलाओं के 33 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण के अधिकार को रोकना न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि नारीशक्ति के सम्मान का भी सीधा अपमान है।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विपक्षी दलों के साथ मिलकर नारीशक्ति वंदन अधिनियम को संसद में रोकने का प्रयास किया,जिससे देश की आधी आबादी के अधिकारों पर कुठाराघात हुआ। उन्होंने कहा कि महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण का विरोध करने के बाद कांग्रेस द्वारा इसे जीत की तरह प्रस्तुत करना उनके राजनीतिक चरित्र को उजागर करता है।

कलेक्टर ने निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक ली

अम्बिकापुर / नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में जिले के सभी निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विभाग इस बात का विशेष ध्यान रखें कि शासन के निर्देशानुसार नियम के अनुरूप ही निर्माण कार्य हों, निर्माण कार्यों में किसी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने विभिन्न विभागों में कराए जा रहे निर्माणाधीन, प्रगतिरत, अपूर्ण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने विभागों को सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग कार्यों में जोनल प्रक्रिया अपनाएं और अति आवश्यक कार्यों को समय अवधि में पूर्ण करने निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतागढ़ के विकास की अनदेखी कर रहे सांसद और विधायक जनता के साथ विश्वासघात: विश्राम गावड़े

अंतागढ़ / नवप्रदेश। कांग्रेस नेता विश्राम गावड़े ने एक प्रेस

विज्ञप्ति जारी कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कांकेर सांसद भोजराज नाग और अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी पर क्षेत्र की उपेक्षा करने और विकास कार्यों में भेदभाव करने का आरोप लगाया है।सांसद भोजराज नाग को नसीहतः ÷सिर्फ माइंस तक सीमित न रहे विकास÷?विश्राम गावड़े ने कहा कि जिस तत्परता से सांसद भोजराज नाग माइंस प्रभावित गांवों के हितों के लिए खड़े रहते हैं, वैसी ही सक्रियता यदि वे अपने गृह ग्राम अंतागढ़ के विकास के लिए दिखाते, तो क्षेत्र की तस्वीर कुछ और होती। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा:सांसद जी को यह आंकलन करना चाहिए कि ढाई साल बाद जब वे दोबारा जनता के बीच जाएंगे, तो अंतागढ़ के विकास में अपने योगदान के नाम पर उनके पास बताने के लिए क्या होगा?

मंडी उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन 26 अप्रैल को

कोरबा/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित मंडी उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:15 बजे तक जिले के कुल 32 परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी, जिसमें 9790 परीक्षार्थी शामिल होंगे।परीक्षा के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापम के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आब्जर्र, केंद्राध्यक्ष एवं उड़नदस्ता दल को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।परीक्षा 10:00 बजे प्रारंभ होगी। परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार 30 मिनट पूर्व, अर्थात 09:30 बजे, बंद कर दिया जाएगा।

मई के प्रथम सप्ताह से फड़ों में शुरू होगा संग्रहण

तेंदूपत्ता पर मौसम की मार, 30 फीसद जंगल में संग्रहण के लिए तैयारी नहीं

■ **कटघोरा व कोरबा वनमंडल में 1.28 लाख मानक बोरा का लक्ष्य**

■ **वन क्षेत्र में तोड़ाई के लिए तैयार रहे तेंदूपत्ता,**

कोरबा/नवप्रदेश। जिले के दोनों वनमंडलों के 30 फीसदी वनक्षेत्र में तेंदू पत्ता संग्रहण के लिए अब भी तैयार नहीं हुआ है। मौसमी उतार चढ़ाव जारी होने से अब भी पत्तों के परिपक्व होने का इंतजार किया जा रहा है। जैसे- जैसे पत्ते तैयार होते जाएंगे अलग- अलग स्थानों में मई के पहले सप्ताह में संग्रहण की शुरूआत की जाएंगी। कटघोरा व कोरबा के 82 वन समितियों में संग्रहण के लिए 600 से भी अधिक फड़ बनाए गए हैं। वहीं दोनों वन मंडल में क्रमशः 76,300 और 52,600 बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया।

तेंदूपत्ता संग्रहण की तैयारी वन विभाग ने पूरी कर ली है।

हाथियों की निगरानी हुई तेज

संग्रहण जारी रहने के दौरान हाथियों से खतरा बना रहेगा। वन विभाग ने हाथियों के विचरण क्षेत्र में निगरानी कड़ी कर दी है। इन दिनों कटघोरा वन मंडल में हाथियों को दल पसान के मेरउड़ पहाड़ से जुड़े जंगल में है। वहीं दूसरा दल कोरबा में कुदमुरा में विचरण कर रह है। वन विभाग ने तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान हाथियों से सावधान रहने की चेतावनी देते हुए छोटे बच्चे व बुजुर्गों को सुदूर जंगल में न जाने की हिदायत दी है। हाथी आगमन की सूचना मिलते ही संग्रहण तत्काल निरस्त किया जाएगा।

प्रति सैकड़ा 550 रुपये कीमत यथावत

शासन ने पिछले वर्ष की तरह तेंदू पत्ता की दर में प्रति सैकड़ा 550 रुपये यथावत रखा है। पत्तों के संग्रहण दर में पिछले दो वर्षों में वृद्धि नहीं की गई है। माना जा रहा था नए वित्तीय वर्ष कीमत बढ़ाई जाएगी। कीमत यथावत रखे जाने संग्राहकों में निराशा देखी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण ऐसा कार्य है जिससे मिली राशि का उपयोग खेती किसानी की शुरूआत व बच्चों की पढ़ाई के लिए करते हैं। संग्राहक अधिक से अधिक पत्ते संग्रहित करने की तैयारी जुड़ गए हैं।

चिलचिलाती धूप के चलते अधिकांश स्थानों पत्ते परिपक्व हो चुके हैं। जिन जंगलों में पत्ते तोडने लायक हो गए हैं वहां मई के प्रथम सप्ताह से संग्रहण शुरू हो जाएगा। इधर पिछले पखवाड़े से मौसम में उतार चढ़ाव की स्थिति को का असर पत्तों की परिपक्वता पर पड़ा है। साखकर्तन का काम पिछले वर्ष की अपेक्षा देरी से हुई है। साखकर्तन के बाद गर्मी की तीव्रता पत्तों के पल्लवित होने के लिए सहयोगी होता है।

तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए वन विभाग की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है। अनुकूल मौसम के चलते वन में इस बार पत्ते अच्छे हैं। मई के प्रथम सप्ताह से संग्रहण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

प्रेमलता यादव, वन मंडलाधिकारी, कोरबा

पखांजूर में आयोजित हुआ दिव्यांगजन मुल्यांकन शिविर

■ **सहायक उपकरण पाकर अभिभूत हुऐ दिव्यांगजन**

कांकेर / नवप्रदेश। कलेक्टर कांकेर नीलेश कुमार महादेव श्रीरसागर जी के कुशल निर्देशन में समाज कल्याण द्वारा आयोजित शिविर में दिव्यांगजन का आकलन मूल्यांकन प्रमाणीकरण/यूडीआईड कार्ड बनाये गये एवं सहायक उपकरण वितरण किया गया जिससे दिव्यांगजन एवं उनके परिजनों ने शासन प्रशासन के प्रति विश्वास और पक्का हुआ है। बहुत से दिव्यांग परेशानी के कारण कांकेर जाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र नही बना पाते और शासन की योजनाओं का लाभ उन्हे नही मिल पाता है। इस शिविर के आयोजन से दिव्यांगों को एक बड़ी राहत मिली है। शिविर का शुभारंभ जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्याम बती मण्डावी, उपध्यक्ष श्रीमती मंजू सरदार, श्री हरिमोहन दास सदस्य, श्री विश्व जीत देवनाथ, श्रीमती बिना अनिरूध बैरागी सदस्य के कर कमलो से हुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री उदय प्रकाश नाग जनपद पंचायत कोयलीबेडा, श्री संतराम वर्मा समाज शिक्षा संगठक

कोयलीबेडा एवं उपसंचाक समाज कल्याण श्रीमती क्षमा शर्मा ने विभागीय योजनाओं और शिविर के उद्देश्य को सभी उपस्थित जन को अवगत कराया शिविर में प्रमाणीकरण चिन्हांकन 15 मेडिकल, 6 नवीनीकरण, 2 व्हील चेयर, 1 श्रवण यंत्र, 2 बैशाखी, 1 सी.पी.चेयर, 1 ट्रायसायकल, 1 बेटरी सायकल, 3 पेंशन कुल 27 हितग्राही को सहायक उपकरण वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी के लिये भोजन, स्वाल्पाहार,टेंट एवं पानी आदि की उतम व्यवस्था की गयी। शिविर में समाज कल्याण की विभागीय टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग से डॉ. अमन, सीनियर रेसीडेंट अस्थि रोग विभाग, डॉ. डी.बी.नाग, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, डॉ. देवेन्द्र भोयर, मेडिसीन विभाग डॉ. अजरा खान, जूनियर रेसीडेंट नेत्र रोग विभाग, श्री एस.एन.शुक्ला सहायक ग्रेड-2 मेडिकल बोर्ड एवं एलिम्को टीम उपस्थित रहे।

प्रतिभा का पर्याय बने जुड़वा भाई-बहन

विहान और ओलिविया ने शैक्षणिक क्षेत्र में गाड़े सफलता के झंडे

फरसगांव / नवप्रदेश। कहते हैं कि अगर बच्चों को सही मार्गदर्शन और संस्कार मिलें, तो वे सफलता के नए प्रतिमान स्थापित करते हैं। फरसगांव वार्ड नंबर 08 निवासी पंकज राव और श्रीमती ललिता राव के जुड़वा बच्चों, विहान प्रिहल राव और ओलिविया सारा राव ने अपनी अद्भुत प्रतिभा से न केवल अपने माता-पिता, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

नर्सरी से ही कायम है श्रेष्ठता का रिकॉर्ड-मदर टेरेसा हाई स्कूल, बोरगांव में अध्ययनरत इन दोनों बच्चों ने अपनी प्रारंभिक

शिक्षा से ही असाधारण प्रदर्शन किया है। हालिया यूकेजी परीक्षा परिणामों में ओलिविया सारा राव ने 100त्न अंक प्राप्त कर पूर्णता का कीर्तिमान रचा है।

वहीं विहान प्रिहल राव ने 99त्न अंक हासिल कर अपनी मेधा का परिचय दिया है।

सर्वांगीण विकास में भी अव्वल-केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी दोनों भाई-बहन स्कूल की गतिविधियों में अग्रणी रहते हैं। विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार, दोनों का व्यवहार और विद्यालय के प्रति उनका योगदान हमेशा सराहनीय रहा है। खास बात यह है कि जुड़वा होने के नाते दोनों भाई-बहन पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में एक-दूसरे का भरपूर सहयोग करते हैं, जो उनके बीच के अटूट प्रेम और टीम वर्क को दर्शाता है।

कांकेर अंजुमन कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बने मेमन

■ **आगामी आदेश तक वक्फ बोर्ड ने पूरी टीम को काम करने का दिया मौका**

कांकेर / नवप्रदेश। कांकेर अंजुमन इस्लामिया कमेटी का 03 साल का कार्यकाल जनवरी महीने में पूरा हो चूका था। वर्तमान कमेटी ने मुस्लिम समाज के पवित महीना माहे रमजान शरीफ के चलते चुनाव को टाल दिया गया था। रमजान खत्म होते ही वर्तमान कमेटी ने वक्फ बोर्ड को चुनाव सम्पन्न कराने पत्र लिखा गया। लेकिन समाज में अंजुमन चुनाव को लेकर

राजनीति बिसात शुरू हुआ। चुनाव को लेकर वर्तमान कमेटी और चुनाव विपक्ष पार्टी ने चुनाव को लेकर बेहद संवेदनशील होकर निष्पक्ष चुनाव को लेकर एसडीएम ने चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया । चुनाव की तैयारी शुरू ही हुई थी की अचानक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड में शिकवा शिकायत का दौर शुरू हुआ । जिसके बाद वक्फ बोर्ड ने आगमी आदेश तक चुनाव में रोक लगा दिया गया।

अंजुमन इस्लामिया कमेटी कांकेर के चुनाव को लेकर वक्फ बोर्ड के आदेश का इंतजार करते करते दो महीने बीत जाने के बाद अंततः छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने वर्तमान कमेटी अध्यक्ष और उनकी पूरी टीम को बिना कार्यवाहक के रूप में कार्यभार सौंपकर काम को अंजाम देने मुहर लगा दिया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड की उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को

अम्बिकापुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा 26 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला परीक्षा नोडल अधिकारी के निर्देशन में परीक्षा के सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। परीक्षा नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले में परीक्षा हेतु 63 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 19429 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। यह परीक्षा 10:00 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार 09:30 बजे बंद कर दिया जाएगा, इसके बाद अभ्यर्थियों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित होगा। अभ्यर्थियों को कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना होगा, ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके।

आरपीएफ की सतर्कता से बची यात्री की बड़ी पूंजी

■ **60 हजार मूल्य का बैग त्वरित कार्रवाई में लौटाया**

जगदलपुर/नवप्रदेश। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जगदलपुर की सतर्कता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर यात्रियों के बीच सुरक्षा और विश्वास की मजबूत मिसाल पेश की है। ट्रेन में छूटे एक ट्रॉली बैग को महज सूचना के आधार पर खोज निकालना और उसे सुरक्षित रूप से उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाना,आरपीएफ की जिम्मेदारी और दक्षता का प्रमाण बना।

घटना उस समय सामने आई जब एक

महिला यात्री ने सूचना दी कि ट्रेन संख्या 18107 के फ्रंट जनरल कोच में उनका हरे रंग का ट्रॉली बैग छूट गया है। बैग में कपड़ों के साथ सोने के झुमके भी रखे थे, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 60,000 बताई गई। सूचना मिलते ही आरपीएफजगदलपुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खोज अभियान शुरू किया।

आरपीएफ टीम ने बिना समय गंवाए संबंधित कोच तक पहुंचकर गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान उक्त बैग बरामद कर लिया गया। आवश्यक सत्यापन,दस्तावेजी प्रक्रिया और पहचान सुनिश्चित करने के बाद बैग को सुरक्षित रूप से वास्तविक मालिक को सुपुर्द कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई ने न केवल यात्री की चिंता दूर की,बल्कि रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी मजबूत किया।

घर-घर जाकर जुटाई जा रही परिवार की जानकारी, ग्रामीणों में दिख रहा उत्साह

बड़ेराजपुर क्षेत्र में जनगणना अभियान ने पकड़ी रफ्तार

फरसगांव/ बड़ेराजपुर/ नवप्रदेश। शासन के निर्देशानुसार इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। बड़ेराजपुर ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों में जनगणना दल सक्रियता से पहुंचकर परिवारों का डेटा संकलित कर रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक का सटीक विवरण एकत्रित करना है ताकि भविष्य की विकास योजनाओं का खाका तैयार किया जा सके। क्यों महत्वपूर्ण है यह जनगणनाः जनगणना दल के सदस्यों ने ग्रामीणों को इस कार्य का महत्व समझाते हुए बताया कि

योजनाओं का क्रियान्वयनः प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाया जाएगा। क्षेत्रीय विकासः शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़ी भविष्य की रणनीतियां इन्हीं आंकड़ों पर टिकी होती हैं। स्व-गणना' के लिए 30 अप्रैल तक का मौका प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, घर-घर जाकर भौतिक गणना का कार्य 1 मई से 30 मई तक सघन रूप से चलाया जाएगा। जनगणना दल ने नागरिकों से अपील की है कि जो स्वयं जानकारी दर्ज करना चाहते हैं, वे 30 अप्रैल तक आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर 'स्व-गणना' की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

व्यवस्थित कार्य के लिए चौपालों का सहारा

कार्य को सुव्यवस्थित और त्वरित गति से पूरा करने के लिए जनगणना दल द्वारा नवाचार भी किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर ग्रामीणों को एक स्थान पर एकत्रित कर सामूहिक रूप से जानकारी ली जा रही है, जिससे समय की बचत हो रही है। इस प्रक्रिया में ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिल रहा है, जो विकास के इस महाअभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। इन गांवों में सघन सर्वे जारी-जनगणना दल के सदस्यों ने बड़े-राजपुर क्षेत्र के ग्राम हरवेल, तरईबेड़ा, बालेंगा, पातरीपारा, पीढ़ापाल, बड़बत्तर, जोड़ेकेरा, तितरवंड, गम्हरी, पिटिसपाल, किबड़ा और धामनपुरी सहित दर्जनों गांवों का दौरा किया। दल के सदस्य घर-घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों की कुल संख्या, उनकी शैक्षणिक योग्यता, रोजगार की स्थिति और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी जानकारी रजिस्टर में दर्ज कर रहे हैं।

लू एवं तापघात से बचाव हेतु शासन द्वारा दिशा-निर्देश जारी

कोरबा / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा कलेक्टर कार्यालय कोरबा द्वारा वर्ष 2026 की ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लू (हीट वेव) से बचाव और तैयारी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार इन उपायों का मुख्य लक्ष्य भीषण गर्मी के दुष्प्रभावों से आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

520 लाख से अधिक के नहर-जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का मंत्री अग्रवाल ने किया भूमिपूजन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में जल प्रबंधन और ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज अम्बिकापुर विधानसभा अंतर्गत उदयपुर विकासखंड में 520 लाख रू. से अधिक लागत के दो महत्वपूर्ण नहर-जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 265.99 लाख की लागत से डांड़गांव जलाशय बांध एवं नहर जीर्णोद्धार तथा 254.34 लाख रू. की लागत से पंडरीडांड़ जलाशय बांध एवं नहर जीर्णोद्धार कार्य शामिल हैं। यह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की जल-प्रबंधन और अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देने वाली नीति का सशक्त उदाहरण है। भूमिपूजन के अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जलाशयों और नहरों के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे किसानों को वर्षभर पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। अन्नदाताओं को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलने से वे बहुफसली खेती की ओर अग्रसर होंगे, जिससे उत्पादन में वृद्धि के साथ उनकी आय में भी सीधा इजाफा होगा। उन्होंने बताया कि इस तरह की परियोजनाएं केवल खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य नहीं करतीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने का माध्यम बनती हैं। जलाशयों और नहरों के जीर्णोद्धार से जल संचयन क्षमता बढ़ेगी और भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे लंबे समय तक सिंचाई की स्थिर व्यवस्था बनी रहेगी। इससे धान के

अलावा दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को भी बढ़ावा मिलेगा, जो कृषि विविधीकरण और बाजार आधारित खेती के लिए महत्वपूर्ण है। इससे किसानों की आय में स्थिरता आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही पशुपालन और मत्स्य पालन जैसी सहायक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।जल संकट में कमी आने से ग्रामीणों को पेयजल की बेहतर उपलब्धता होगी, वहीं महिलाओं को पानी लाने की कठिनाइयों से राहत मिलेगी। जलस्तर में सुधार और हरियाली बढ़ने से पर्यावरणीय संतुलन भी मजबूत होगा, जो क्षेत्र के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होगा। भूमिपूजन के अवसर पर स्थानीय नागरिकों और किसानों ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में साय सरकार द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास न केवल कृषि क्षेत्र को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि ग्रामीण विकास और आर्थिक समृद्धि की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

अमेरा खदान में हादसा, चट्टान धंसने से युवक की हुई मौत

लखनपुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले के अमेरा क्षेत्र स्थित खुली कोयला खदान में एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब युवक घरेलू उपयोग के लिए कोयला लेने खदान गया था।

चट्टान धंसने से वह उसके नीचे दब गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में शोक और भय का माहौल व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जयप्रकाश (19 वर्ष), पिता सुबरन, निवासी ग्राम लोसगी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि 22 अप्रैल की सुबह जयप्रकाश घर से अमेरा खुली खदान की ओर कोयला लेने गया था, लेकिन देर शाम तक वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पहले आसपास के गांवों और रिश्तेदारों के यहां उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं

चल सका।लगातार दो दिनों तक तलाश करने के बाद 24 अप्रैल को परिजन खदान क्षेत्र में पहुंचे। वहां अंदर जाकर खोजबीन करने पर जयप्रकाश का शव एक चट्टान के नीचे दबा हुआ मिला। यह दृश्य देखकर परिजनों में कोहराम मच गया और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी।सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मौका-मुआयना किया। पुलिस ने शव को चट्टान के नीचे से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अमेरा खुली खदान में लंबे समय से अवैध रूप से कोयला चोरी की घटनाएं होती रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर खदान में प्रवेश कर जाते हैं। इस हादसे ने एक बार फिर खदानों में सुरक्षा इंतजामों और अवैध गतिविधियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन से मांग की जा रही है कि खदान क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखी जाए और अवैध प्रवेश पर रोक लगाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची में सुधार के लिए फार्म-8 का करें उपयोग

बलरामपुर/नवप्रदेश। उप जिला निर्वाचन अधिकारी चेतन बोरघरिया ने बताया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना, त्रुटि सुधार कराना एवं नाम विलोपन की प्रक्रिया सतत रूप से जारी रहती है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद भी पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी मतदाता के वोटर आईडी कार्ड में नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, पता अथवा फोटो में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो उसे फार्म-8 के माध्यम से आसानी से सुधारा जा सकता है। साथ ही मृत्यु, पलायन या स्थानांतरण की स्थिति में मतदाता सूची से नाम विलोपन की कार्यवाही भी की जा सकती है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चेतन बोरघरिया ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने एवं परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में अवश्य जांच लें। यदि वोटर आईडी कार्ड में दर्ज विवरण अन्य दस्तावेजों के अनुरूप सही नहीं है, तो तत्काल फार्म-8 के माध्यम से त्रुटि सुधार हेतु आवेदन करें। वर्तमान में सभी आवश्यक दस्तावेजों में एक समान जानकारी होना अनिवार्य है।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग फार्म निर्धारित किए गए हैं। इनमें फार्म-8 एक महत्वपूर्ण फार्म है, जिसका उपयोग मतदाता सूची में त्रुटि सुधार, स्थानांतरण, प्रतिस्थापन ईपीक प्राप्त करने तथा स्वयं को दिव्यांग के रूप में चिन्हित करने के लिए किया जाता है।

मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न ऑनलाइन विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। मतदाता घर बैठे ही ई-सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए वे ईसीआईनेट वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप अथवा वोटर पोर्टल पर लॉगिन कर फार्म-8 भर सकते हैं। साथ ही संबंधित मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑफलाइन आवेदन भी किया जा सकता है।

उर्जा उपभोक्ता से बनें उर्जा दाता, मिल रही सब्सिडी

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' आम नागरिकों के लिए आर्थिक और बचत का माध्यम बन रही है। जिले के अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भगवानपुर निवासी श्री शिशिर सरकार ने इस योजना को अपनाकर न केवल बिजली के भारी-भरकम बिल से राहत पाई है, बल्कि वे सौर ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। हितग्राही शिशिर सरकार ने बताया कि उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट की क्षमता का सोलर सिस्टम लगवाया है। इस योजना की वित्तीय सुगमता का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस योजना में केंद्र और राज्य सरकार, दोनों का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ है। केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78,000 रुपये की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है, वहीं राज्य शासन की ओर से मिलने वाली 30,000 रुपये की अनुदान राशि भी प्रक्रियाधीन है। शिशिर ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि सोलर लगवाने से पूर्व उनका बिजली बिल 8,000 से 11,000 रुपये के बीच आता था, जो उनके बजट पर एक बड़ा बोझ था। सोलर सिस्टम लगने के बाद अब बिजली बिल में भारी गिरावट आई है और उन्हें अब नाममात्र का खर्च वहन करना पड़ता है। शिशिर सरकार ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि सौर ऊर्जा एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, जिससे प्रकृति को कोई नुकसान नहीं पहुँचता। उन्होंने क्षेत्र के अन्य नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अपना सहयोग दें।

एनआरएलएम से नया आयाम गढ़ती सोनमणि

बलरामपुर/नवप्रदेश। जिले में ग्रामीण महिलाएं अब केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आर्थिक स्वावलंबन की नई कहानी लिख रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से जिले की हजारों महिलाएं अपनी किस्मत बदल रही हैं। इसी कड़ी में जनपद पंचायत बलरामपुर अंतर्गत ग्राम घाघरा में गठित प्रभु महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य सोनमणि आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हुई है।

सोनमणि ने अपने 1 एकड़ भूमि में मक्का की फसल लगाया है। इस खेती में लगभग 5 हजार

रुपये का खर्च आया। वे कहती है कि मक्का की खेती से लगभग 45 हजार रुपये की आय होने की संभावना है।वे बताती हैं कि समूह से प्राप्त ऋण का उपयोग करते हुए मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं सुअर पालन जैसे आयवर्धक कार्य भी शुरू की हैं। इन विविध आजीविका गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है, साथ ही आजीविका के नए स्रोत विकसित किए हैं। एनआरएलएम के माध्यम से मिले सहयोग, प्रशिक्षण, समूह से प्राप्त ऋण और सतत मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप सोनमणि आज लखपति दीदी की श्रेणी में पहुंच चुकी हैं। जिला पंचायत एवं एनआरएलएम की टीम द्वारा सोनमणि जैसी अन्य समूह सदस्यों को आजीविका संवर्धन, उद्यमिता विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिससे महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है साथ ही महिलाएं स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ रहीं है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत किशोरियों को किया जा रहा जागरूक

बलरामपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिले में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम जाबर की मितानिन कुमुत सिंह द्वारा सक्रिय भूमिका निभाते हुए किशोरियों को टीकाकरण हेतु प्रेरित किया गया। उनके प्रयासों से 4 बालिकाओं को जिला चिकित्सालय बलरामपुर में एचपीवी टीका लगाया गया।टीकाकरण उपरांत चिकित्सा अधिकारी डॉ. शरद गुप्ता द्वारा किशोरियों को डिजिटल प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। इस दौरान किशोरियों को टीकाकरण के महत्व एवं इसके दीर्घकालीन लाभों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि एचपीवी टीकाकरण अभियान का उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित करना है।

'सरगुजा छेरी बैंक' से समूह की महिलाओं को मिलेगी आर्थिक सहायता

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में आदिवासी और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जिला पंचायत के एनआरएलएम (बिहान) ने एक अनूठी पहल की है।

जिले में 'सरगुजा छेरी बैंक' की स्थापना की गई है, इस योजना के तहत महिलाओं को नकद राशि के बजाय सीधे बकरियां लोन पर दी जा रही हैं और उन्हें किश्त के रूप में पैसे नहीं, बल्कि बकरियों के बच्चे लौटाने होंगे। ग्राम पंचायत अमगसी की निवासी और सरस्वती

स्व-सहायता समूह की सदस्य सोहर मणी इस अभिनव योजना की सफल हितग्राही हैं। अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के संकल्प के साथ उन्होंने लखनपुर ब्लॉक के कुबेरपुर में संचालित छेरी बैंक में मात्र 3,000 रुपये जमा कर चार बकरियां लोन पर ली हैं। जमा की गई 3000 रुपये से सोहर मणी को बकरी लोन पर दी जाएगी साथ ही बच्चों का 40 माह तक टीकाकरण, डिवार्मिंग, ब्रीडिंग/ढ्ढ कराया जाएगा। सोहर मणी बताती हैं कि यह योजना उनके परिवार के लिए बकरी पालन का व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रारंभिक पूंजी हैं। लखनपुर ब्लॉक में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा गठित फार्मर प्रोड्यूस कंपनी लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। योजना के तहत 4 साल में हितग्राही महिला को कुल 16 बकरियों के बच्चे सरगुजा छेरी बैंक को वापस करना होगा। प्रोजेक्ट के पहले चरण में 50 ऐसी महिलाओं का चयन किया गया है, जो बकरी पालन में रुचि रखती थीं लेकिन उनके पास निवेश की कमी थी।

समीक्षा

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न

जनकल्याण योजनाओं सहित अन्य कार्यों पर तैयार की गई कार्ययोजना

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। पर्यटन संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल की उपस्थिति तथा कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास अजीत वसंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में शासी परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, एसपी राजेश अग्रवाल, डीएफओ अभिषेक जोगावत सहित शासी परिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

शासी परिषद की बैठक में सीईओ जिला पंचायत एवं सदस्य सचिव जिला खनिज संस्थान न्यास विनय अग्रवाल ने वर्ष 2016-17 से वर्ष 2025-26 तक सेक्टरवार कार्यों की प्रगति की स्थिति की जानकारी दी। जिसमें उच्च प्राथमिकता के क्षेत्र स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण उपाय, कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल कल्याण, स्वच्छता आदि तथा अन्य प्राथमिकता के क्षेत्र अंतर्गत स्वीकृत, पूर्ण और प्रगतिरत कार्यों की जानकारी शामिल रही। बैठक में मंत्री सहित विधायक एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जिले के विकास हेतु सुझाव साझा किया गया। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि हमें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, महिला बाल विकास, स्वच्छता के ऊपर विशेष फोकस,

गाइडलाइन के हिसाब से भी इन्हीं के ऊपर ज्यादा खर्च करना है, उसी प्रकार से अनुमोदन भी प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने पूर्व में स्वीकृति कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुपर 30 कोचिंग में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने पर जोर दिया जाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण सभी कार्य को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कृषि क्षेत्र में विशेष फोकस करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग स्वीकृति हेतु कार्यों के प्रस्ताव जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर बनाएं। खनिज न्यास की राशि का अच्छे से अच्छा उपयोग हो, जनहित में उपयोग हो। हम सब शासन-प्रशासन मिलकर अच्छा काम करेंगे।बैठक में कलेक्टर वसंत ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में प्राथमिकता से राशि खर्च किए जाने आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। नए नियमों के अनुरूप पंचवर्षीय कार्ययोजना के लिए विभागों से प्रस्ताव भी मंगाए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि डीएमएफ की राशि का नियमानुसार उपयोग कर जिले के विकास कार्य हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान सरगुजा जिला खनिज न्यास अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 का ऑडिट कार्य किए जाने अनुमोदन तथा जिला खनिज संस्थान न्यास अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक प्रतिवेदन का अनुमोदन हेतु रखा गया।

न्यूज गैलरी

मजदूरी छोड़ 'लखपति दीदी' बनीं मति बाई, मुर्गी पालन से संवर रहा है परिवार

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और 'लखपति दीदी' अभियान ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम सोनतरई की रहने वाली मति बाई ने अपनी मेहनत और शासन की मदद से आज स्वावलंबन की एक नई इबारत लिखी है। मति बाई बताती हैं कि कुछ समय पहले तक उनका परिवार जीवन-यापन के लिए मज़दूरी और छोटे-मोटे कार्यों पर निर्भर था। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, लेकिन 'राधा स्व-सहायता समूह' से जुड़ने के बाद उनकी किस्मत बदल गई। उन्होंने समूह के माध्यम से 3 लाख रुपये का ऋण लिया और मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू किया। कभी आर्थिक तंगी का सामना करने वाली मति बाई आज गर्व से बताती हैं कि मुर्गी पालन के व्यवसाय से उन्हें साल भर में 2 से 3 लाख रुपये की शुद्ध आय हो रही है। इस आय ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुधारी, बल्कि उन्हें समाज में 'लखपति दीदी' के रूप में एक नई पहचान भी दिलाई है। मति बाई के इस व्यवसाय में उनका पूरा परिवार हाथ बंटाता है। उनके तीन बच्चे भी काम में मदद करते हैं, जिससे परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आई है। मति बाई कहती हैं कि पहले हम मज़दूरी के लिए भटकते थे, लेकिन अब पैसे का निरंतर आवक बनी रहती है। मेरे बच्चे भी अब बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हम अपने पैरों पर खड़े हैं और हमारा पूरा परिवार खुश है। मति बाई ने अपनी सफलता का श्रेय शासन की योजनाओं को देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कारण ही आज ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और मज़दूरी छोड़कर खुद का व्यवसाय खड़ा कर पा रही हैं। मति बाई की यह कहानी छत्तीसगढ़ के 'सशक्त महिला, सशक्त प्रदेश' के संकल्प को सिद्ध करती है। शासन की लखपति दीदी योजना आज हज़ारों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 28 अप्रैल को अम्बिकापुर में होगा आयोजित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। उपसंचालक रोजगार ने बताया कि जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र अम्बिकापुर के द्वारा 28 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न क्षेत्र के निजी नियोजक विभिन्न तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों पर साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहेंगे। जिला स्तरीय रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। नियुक्ति की शर्तों के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे। कार्यालय की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में सिर्फ सुविधाप्रदाता के रूप में होगी।जिला स्तरीय रोजगार मेला हेतु सरगुजा संभाग के समस्त शिक्षित युवाओं को रोजगार मेला में सहभागिता हेतु ऑनलाईन पोर्टल 222.द्गह्म्श्द्भद्दड्डह्म्.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ एवं छत्तीसगढ़ रोजगार एप पर अपना रोजगार पंजीयन, रोजगार मेले हेतु पंजीयन दोनों ही आवश्यक है। अतः ऐसे आवेदक जिन्होंने ऑनलाईन पोर्टल ई-रोजगार पर अपना पंजीयन नहीं करवाया है, वे विभागीय पोर्टल पर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। जिले के इच्छुक ऐसे समस्त आवेदक जो रोजगार मेला में भाग लेना चाहते है, अपने साथ शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साईज के फोटो के साथ 28 अप्रैल 2026 दिन को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र अम्बिकापुर में आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेला में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते है।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अम्बिकापुर में 27 को प्लेसमेंट कैम्प

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अम्बिकापुर के प्राचार्य से प्राप्त जानकारी अनुसार शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अम्बिकापुर द्वारा 27 अप्रैल 2026 को GENUS ENERGIZING LIVE द्वारा कैम्पस प्लेसमेंट आयोजित किया जा रहा है। जिसमें लगभग 100 पद टेक्निशीयन एवं सुपरवाईजर के है, जिसकी मासिक वेतन 15 हजार ष्ट्ह्रष्ट+ञ्ज दिया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता किसी भी ट्रेड से आई.टी.आई अथवा हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण है। इच्छुक उम्मीदवार 27 अप्रैल को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अम्बिकापुर में सुबह 10 बजे उपस्थित होकर कैम्पस प्लेसमेंट में भाग ले सकते हैं।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन जिला स्तरीय जांच दल गठित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम 2020 तथा शिक्षा संहिता में निहित प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में संचालित समस्त अशासकीय शिक्षण संस्थाओं के निरीक्षण, संचालन एवं पर्यवेक्षण के लिए जिला स्तरीय जांच दल का गठन किया गया है। गठित जांच दल में शासकीय हाई स्कूल अजिरमा के प्राचार्य आशीष कुमार नंदे को अध्यक्ष बनाया गया है। सेजेस सोहगा, अम्बिकापुर की प्राचार्य लीन थॉमस सदस्य होंगी, वहीं समग्र शिक्षा (माध्यमिक) के सहायक परियोजना समन्वयक सुनील तिवारी को समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुरना, लखनपुर के व्याख्याता सुरेन्द्र कुमार पण्डा, कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा के व्याख्याता मनोज शर्मा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या दरिमा के व्याख्याता विशाल श्रीवास्तव को सदस्य नामित किया गया है। टंकण कार्य हेतु सेजेस देवगढ़, सीतापुर की कम्प्यूटर शिक्षिका पल्लवी तथा सेजेस केशवपुर, अम्बिकापुर की कम्प्यूटर शिक्षिका सश्री जान्हवी श्रीवास्तव को दायित्व सौंपा गया है।

भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर फैला रही है भ्रमः पूर्व विधायक चंद्राकर

मुंगेली/नवप्रदेश। भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को लेकर फैलाये जा रहे भ्रम को लेकर जिले में पत्रकार वार्ता का आयोजन पूर्व विधायक ममता चंद्राकर द्वारा किया गया। पत्रकारो से रूबरू होकर पूर्व विधायक ममता चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक झूठ बोल रहे है।

भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को लेकर लगातार झूठा भ्रम फैलाया जा रहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं कियाए इसलिए संसद में बिल पास नहीं हो सका। महिला सांसदों के डर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा के कार्यवाही में भाग नहीं लिए लोकसभा स्पीकर ने प्रधानमंत्री को महिलाओं के डर से संसद भवन में आने के लिए मना कर दिया क्या जब नरेंद्र मोदी कुछ महिला सांसदों से डर कर संसद में नहीं आए तो इतनी महिलाएं संसद में वह लाना चाहेंगे यह एक बढ़ा सवाल है। महिला आरक्षण बिल ;नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023द्ध 128वां संविधान संशोधन सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस पर हस्ताक्षर कर चुकी है तथा यह कानून भी बन चुकी है। भाजपा 2023 के आरक्षण बिल को क्यों लागू नहीं कर रही हैघ् इस बिल के आधार पर तुरंत आरक्षण प्रभावी हो सकता है। भाजपा ने 16 अप्रैल

2026 को जो विधेयक संसद में प्रस्तुत किया 131 वां संविधान संशोधन अधिनियम इसमें महिला आरक्षण के संदर्भ में नहीं भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को पास करवाना चाहती थी। संसद में जो विधेयक गिरा उसमें इस विधेयक में लोकसभा परिसीमन की सीटें 850 करने का प्रस्ताव था राज्यों में 815 सीटें तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 35 सीटें। परिसीमन विधेयक. जिसमें परिसीमन के लिये 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात की गयी थी।

विधेयक में पांडुचेरीए दिल्लीए जम्मू.कश्मीर के कानूनों में संशोधन की बात की गयी थी ताकि परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक लागू किया जा सके। जब 2026.27 की जनगणना शुरू है तथा सरकार जाति जनगणना की भी बात कर चुकी है तो जनगणना के बाद आये नये आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों नहीं कराया जा रहाघ् महिला आरक्षण बिल को यदि तुरंत लागू करना है तो परिसीमन का इंतजार किए बिना वर्तमान सदस्य संख्या में ही 33 प्रतिशत का आरक्षण क्यों नहीं देना चाहती सरकारघ् कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल इसके लिए तैयार है। सरकार 2023 के महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन कर महिला आरक्षण को तुरंत लागू कर सकती थी उसने ऐसा क्यों नहीं कियाघ् जबकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जो कानून बन चुका है 2034 से मूर्त रूप लेगा संशोधन से तुरंत लागू हो जाता। भाजपा की मंशा महिला आरक्षण की नहीं अपने मनमुताबिक सीटों के परिसीमन की थी जो विपक्षी दलों की एकजुटता से पूरा नहीं हो चुका।

न्यूज गैलरी

5 से 20 मई तक चलेगा विशेष जागरूकता कार्यक्रम

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में 05 से 20 मई तक श्विकसित कृषि संकल्प अभियानश संचालित किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से किसानों को खरीफ सीजन की तैयारीए आधुनिक कृषि तकनीकों एवं शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत बीजए संतुलित उर्वरक उपयोगए जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना हैए जिससे उत्पादन बढ़ाने के साथ.साथ खेती की लागत में कमी लाई जा सके। इसके लिए विकासखण्ड स्तर पर विशेषज्ञों की टीम गठित की गई हैए जो गांव.गांव पहुंचकर किसानों को मार्गदर्शन प्रदान करेगी। अभियान के दौरान मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरकों के संतुलित उपयोगए नील हरित काई के प्रयोगए जैविक खेती को बढ़ावा एवं खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही दलहनए तिलहन और मक्का जैसी फसलों के उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधिए फसल बीमा योजनाए धान के स्थान पर दलहन.तिलहन फसलों के प्रोत्साहन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर अधिक से अधिक लाभ दिलाने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। कृषि अधिकारियों ने किसानों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर नवीन तकनीकों को अपनाने और अपनी आय में वृद्धि के अवसरों का लाभ उठाने कहा है।

डॉ. रामकुमार साहू नियुक्त किए गए जिला महामंत्री

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के निर्देशानुसार जिला साहू संघ के अध्यक्ष पुहुप राम साहू के द्वारा जिला साहू संघ का विस्तार किया गया। जिसमें डॉ रामकुमार साहू को महामंत्री के पद पर नियुक्ति दी गई। डॉ रामकुमार साहू पूर्व में जिला साहू संघ का संयुक्त सचिव एवं जिला साहू संघ मुंगेली के प्रवक्ता के पद पर रह चुके हैं पूर्व जनपद सदस्य भी रहे है। राजनीति एवं सामाजिक स्तर में सक्रिय रहने के कारण उन्हे जिला साहू संघ मुंगेली का महामंत्री पद दिया गया है। महामंत्री बनने पर क्षेत्रीय अध्यक्ष निरंजन साहू देव कुमार साहूए देवराज साहूए लखन साहू अजीत साहू दिनेश साहू चूड़ामणि साहूए ताराचंद साहूए नीलकमल साहू सुखी साहू पूर्व सरपंच सूरज साहू आदि ने बधाई दी।

पीसीएनडीटी एक्ट के अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक 27 को

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 (57) के अन्तर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक 27 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:30 बजे से कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभा कक्ष में आयोजित होगी।

मत्स्य पालनः जलाशयों का 10 वर्षीय लीज आबंटन के लिए आवेदन आमंत्रित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन मछली पालन विभाग के नीति निर्देशानुसार जिला पंचायत सरगुजा के अधीनस्थ विकासखण्ड लखनपुर के कुंवरपुर जलाशय में औसत जलक्षेत्र 190.885 हेक्टेयर तथा विकासखण्ड लुण्ड्रा के बाकी जलाशय में औसत जलक्षेत्र 126.00 हेक्टेयर को मत्स्य पालन, मत्स्याखेट हेतु 10 वर्ष के लिये पट्टे पर (लीज) पर आबंटित किया जाना है। जिसके लिए इच्छुक मछुआ सहकारी समितियों, मछुआ समूहो, स्वयं सहायता समूह तथा व्यक्तियों से 08 मई 2026 तक जिला पंचायत में आवेदन आमंत्रित है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नही किया जाएगा। आवेदन हेतु विस्तृत दिशा निर्देश हेतु जिला पंचायत अम्बिकापुर तथा उपसंचालक मछली पालन अम्बिकापुर के सूचना पटल का अवलोकन कर अधिक जानकारी उपसंचालक मछली पालन अम्बिकापुर से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है।

कलेक्टर ने शहर से बाहर फटाका गोदाम शिफ्ट करने के दिए निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने नगर में संचालित फटाका गोदामों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर महोदय द्वारा निर्देशित किया गया है कि नगर अम्बिकापुर के सभी फटाका दुकानों के भण्डारण/गोदामों को शहर से बाहर शिफ्ट किया जाए। जारी निर्देशानुसार नगर अम्बिकापुर में कुल 08 स्थाई फटाका लायसेंसधारी एवं 02 फटाका निर्माण के लायसेंसधारी संचालित हैं। इनमें मो0 जुनैद, सतीश कुमार जैन, विनोद कुमार जैन, रोशनलाल गोयल, आशीष कुमार अग्रवाल, अजय कुमार गोयल, गौरीशंकर पाण्डेय, मुकेश कुमार अग्रवाल (दो प्रविष्टियां, जिनमें एक फटाका निर्माण हेतु) तथा मनोज कुमार मारू (फटाका निर्माण हेतु) शामिल हैं। अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर को निर्देशित किया गया है कि संबंधित सभी फटाका गोदामों का निरीक्षण कर निम्न बिन्दुओं पर जांच सुनिश्चित करें- (1) क्या ये सभी गोदाम रिहायसी क्षेत्र में स्थित हैं। (2) क्या गोदाम तक आकस्मिक स्थिति में अग्निशमन वाहन के पहुंचने हेतु पर्याप्त मार्ग उपलब्ध है। (3) क्या वर्तमान में लायसेंस की शर्तों का पालन किया जा रहा है। (4) यदि जांच के दौरान अवैध भण्डारण अथवा घनी आबादी के बीच गोदाम पाए जाते हैं तो वैधानिक कार्यवाही करते हुए उन्हें स्थानांतरित कराया जाए। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि समस्त फटाका गोदामों का निरीक्षण कर 07 दिवस के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए।

साइबर सेल की तत्परता से 90 परिवारों को लौटाए मोबाइल

मुंगेली/नवप्रदेश। पुलिस ने 90 परिवारों को उनके गुम हुए मोबाइल लौटाएं। करीब 13.50 लाख रुपये के मोबाइल पाकर खिले नागरिकों के चेहरेए साइबर सेल की रही विशेष भूमिका। गुम हुये मोबाइल को पाकर मोबाइलधारकों के चेहरे मे आई खुशियांए पुलिस का किए आभार व्यक्त किये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में जिला पुलिस ने गुम मोबाइल खोज अभियान के तहत एक बड़ी सफलता अर्जित की है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों में रिकवर किए गए 90 नग मोबाइल फोन कीमत लगभग 13,50,000 रुपये को उप पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह के द्वारा उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपकर अनूठी सौगात दी है। जिले के विभिन्न थानों में दर्ज गुम मोबाइल की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल और थानों की एक संयुक्त टीम गठित की गई थी। इस टीम ने भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल का प्रभावी उपयोग करते हुए गुम हुए मोबाइलों को ट्रेस किया।

कड़ी मशक्कत के बादए टीम ने न केवल मुंगेली जिले बल्कि अन्य जिलों और राज्यों से भी इन मोबाइलों को रिकवर करने में सफलता प्राप्त की। इस पूरी रिकवरी प्रक्रिया में साइबर सेल प्रभारी उप निरीण् सतेन्द्रपुरी गोस्वामी और उनकी टीम तथा जिले के समस्त सीसीटीएनएस स्टॉफ का विशेष योगदान रहा। टीम ने आईएमईआई ट्रैकिंग और सर्विलांस के माध्यम से इन मोबाइलों की लोकेशन ट्रेस कर गुम मोबाइलों को रिकवर किया गया है। 23 अप्रैल को साइबर सेल में आयोजित कार्यक्रम के दौरानए उप पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह के द्वारा मोबाइल धारकों को उनके फोन सुपुर्द किए। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर आवेदकों मोबाइलधारकों के चेहरे खिल उठे। कई नागरिकों ने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका फोन वापस मिलेगाए उन्होंने मुंगेली पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए एसएसपी भोजराम पटेल का हृदय से आभार व्यक्त किया।

लग्जरी कार से ले जा रहे थे अंग्रेजी शराब, जब्त

सरगुजा/नवप्रदेश। अंग्रेजी शराब तस्करी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 23 अप्रैल को थाना सीतापुर से सहायक उपनिरीक्षक अरूण दुबे हमराह स्टॉफ आरक्षक धनकेश्वर यादव, सेवक प्रसाद, अतुल शर्मा के साथ शासकीय वाहन में रात्रि गस्त/पेट्रोलिंग हेतु रवाना हुए थे। इसी दौरान जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि रेनॉल्ड किगर कार वाहन क्रमांक सीजी 15 डीव्ही 7455 का चालक अपने कार में अवैध अंगेजी शराब परिवहन कर रहा है। इस सूचना को राह चलते गवाहों को विधिवत् रूप से अवगत कराकर एनएच 43 प्रतापगढ़ सड़कपारा मुख्य मार्ग में घेराबंदी किया गया, और सीतापुर तरफ से आ रहे रेनॉल्ड किगर कार वाहन क्रमांक सीजी 15 डीव्ही 7455 को रोककर वाहन चालक से पूछताछ किया गया, जिसके द्वारा अपना नाम सूरज गुप्ता पिता घनश्याम गुप्ता, उम्र 34 वर्ष निवासी लुण्ड्रा सरगुजा का होना बताया, उक्त कार को स्वयं का होना बताया। मौके पर उपस्थित गवाहों के समक्ष रेनॉल्ड किगर कार वाहन क्रमांक सीजी 15 डीव्ही 7455 की तलाशी ली गई, कार में ड्राईवर सीट के पीछे पुट्ठे के कॉर्टून में व कार के डिक्की में शराब मेडॉफ व्हीस्की 48 नग, गोवा स्पेशल व्हीस्की 480 नग रखे हुये था। जिसे बरामद कर अंगेजी शराब रखने व परिवहन करने के संबंध में सूरज गुप्ता से विधिवत् रूप से पूछताछ कर वैध दस्तावेज चाहा गया, जिसके द्वारा किसी प्रकार का वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाया। आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से शराब मेडॉफ व्हीस्की 48 नग, गोवा स्पेशल व्हीस्की 480 नग 95 लीटर कुल कीमत 65280/- रूपये किया जब्त किया।

63 परीक्षा केंद्रों में 19429 अभ्यर्थी होंगे शामिल

छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड की उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा आज

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा 26 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला परीक्षा नोडल अधिकारी के निर्देशन में परीक्षा के सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। परीक्षा नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले में परीक्षा हेतु 63 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 19429 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। यह परीक्षा 10:00 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार 09:30 बजे बंद कर दिया जाएगा, इसके बाद अभ्यर्थियों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित होगा। अभ्यर्थियों को कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना होगा, ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा का आयोजन 10:00 बजे से 12:15 बजे तक किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार 09:30 बजे बंद कर दिया जायेगा, इसके बाद अभ्यर्थियों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित होगा। अभ्यर्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आएंगे। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी।

विशेष अभियानः ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित

बलरामपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेशभर में सुशासन तिहार-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में अभियान के सफल संचालन हेतु आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इस विशेष अभियान के तहत 30 अप्रैल 2026 तक जिले में विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर आमजन से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। जिसका उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना एवं शासन की

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। साथ ही 1 मई से जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इसी क्रम में सभी ग्राम पंचायतों में सुशासन तिहार-2026 के तहत आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में ग्रामीण अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। शिविरों में उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे अधिक से अधिक नागरिक योजनाओं का लाभ ले सकें। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं तथा शासन की योजनाओं का लाभ लें।

प्लास्टिक दुकान में आगजनी प्रकरण की जांच के लिए संयुक्त दल गठित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। अम्बिकापुर शहर में राममंदिर के सामने स्थित मुकेश प्लास्टिक दुकान में हुई आगजनी की घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त जांच दल का गठन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सरगुजा द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर सात दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल 2026 को उक्त स्थल पर आगजनी की घटना घटित हुई थी, जिसके परिप्रेक्ष्य में पुलिस अधीक्षक सरगुजा के पत्र के आधार पर पुलिस, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को सम्मिलित करते हुए जांच दल गठित किया गया है। गठित जांच दल में अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर, नगर पुलिस अधीक्षक अम्बिकापुर, क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के प्रतिनिधि, जिला नगर सेना तथा नगर पालिक निगम के कार्यपालन अभियंता को शामिल किया गया है।

घरेलू गैस के दुरुपयोग और कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

मुंगेली/नवप्रदेश। घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग पर नियंत्रण एवं उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने कलेक्टर कुन्दन कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

निर्देश के परिपालन में राजस्वए खाद्य और नापतौल विभाग की संयुक्त टीम द्वारा एलपीजी वितरकों के गोदामों में हॉटल एवं अन्य स्थानों की जांच कर उपलब्ध रिफिल सिलेंडरों का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही ऑनलाइन दर्ज स्टॉक और

वास्तविक स्टॉक का मिलान किया गयाए ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

खाद्य अधिकारी पंकज सेतपाल ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर के निर्देशानुसार टीम द्वारा लगातार जांच और कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिले के गैस एजेंसियोंए होटलों और अन्य प्रतिष्ठानों में नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में रसोई गैसए पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने अफवाहों से बचने और आवश्यकतानुसार गैस बुक करने की समझाइश दी है।

पेज 1 का शेष...

जिम्मेदारों को बचाने...

किया। जिंदल का कहना है कि पहले मामले की जांच होनी चाहिए और साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। मामले की जांच जरूरी है, लेकिन बिना जांच के अनिल अग्रवाल का नाम प्राथमिकी में शामिल करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने दलील देते हुए कहा कि संयंत्र के संचालन में अग्रवाल की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। जिंदल ने सवाल किया कि जब सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) या रेलवे में इस तरह की दुर्घटनाएं होती हैं, तो क्या वहां चेयरमैन को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

महिला ने आरक्षक के ...

9 साल का बेटा और दो बेटियां मौजूद थीं। इसी बीच सरोजनी भारद्वाज चाकू लेकर घर में दाखिल हुई और परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया।

महिला ने बेटे और मां पर किया हमला

महिला ने सो रहे 9 साल के बच्चे पर से चाकू से वार कर दिया। जब मां रीना अपने बच्चों को बचाने के लिए सामने आई, तो सरोजनी ने उस पर भी ताबड़तोड़ हमला कर दिया। लहूलुहान हालत में भी मां ने अपनी बेटियों को बचाने के लिए आरोपी महिला के पैर पकड़ लिए और बेटियों को वहां से भागने को कहा। बेटी जान बचाकर घर से बाहर भागी और पड़ोसियों को शोर मचाकर जानकारी दी।

पाकिस्तान में अमेरिका...

साथ सीधे शांति वार्ता करेंगे। लेकिन ईरान की तरफ से अलग बयान आया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि ऐसी कोई बैठक तय ही नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान अपनी बात सीधे अमेरिका से नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अधिकारियों के जरिए पहुंचाएगा।

यानी बातचीत अगर होगी भी, तो आमने-सामने नहीं बल्कि बीच में पाकिस्तान मध्यस्थ का काम करेगा। यानी एक तरफ अमेरिका बातचीत की बात कर रहा है, दूसरी तरफ ईरान साफ इनकार कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची 24 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंचे। यहां उनका स्वागत पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने किया।

पहले दौर की बातचीत फेल हुई थी

पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी।

तेलंगाना में छत्तीसगढ़ ...

गया है, जिससे संगठन को करारा झटका लगा है। नक्सलियों के पास से 1 एलएमजी, 4 एके-47, 3 एसएलआर, 2 इंसास, 12 सिंगल शॉट गन, 2 बीजीएल गन, 2 पिस्टल भारी मात्रा में विस्फोटक और कार्डेक्स वायर बरामद किया गया है।

इकलौती संतान की मौत...

जांच में डॉक्टरों ने महिला को चिकित्सा रूप से पूरी तरह फिट बताया।

डॉक्टरों ने दंपती को बताया कि पति फरवरी 2026 में 55 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं। असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एक्ट 2021 की धारा 21(जी) के मुताबिक- पुरुष की अधिकतम उम्रः 55 वर्ष और महिला की अधिकतम उम्रः 50 वर्ष होनी चाहिए। आयु सीमा के आधार पर आईवीएफ सेंटर ने उपचार देने से इनकार कर दिया।

कोर्ट का निर्देश- इलाज शुरू किया जाएः हाईकोर्ट ने आईवीएफ सेंटर को दंपती का उपचार शुरू करने की अनुमति देते हुए कहा कि तकनीकी सीमा किसी को मातृत्व-पितृत्व सुख से वंचित नहीं कर सकती, खासकर तब जब चिकित्सा परीक्षण महिला की योग्यता साबित करते हों।

खैरागढ़ में खुलेगी मण्डीप...

के दुर्लभ दर्शन केवल विशेष तिथि पर ही संभव होते हैं। अक्षय तृतीया के बाद पहले सोमवार को गुफा खोलने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। गुफा खुलते ही सबसे पहले ठाकुरटोला राजपरिवार पूजा-अर्चना करता है, जिसके बाद आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू होते हैं।

कोटुमसर गुफा का उदाहरणः डॉ. बिस्वास ने छत्तीसगढ़ की कोटुमसर गुफा का उदाहरण देते हुए बताया, कोटुमसर के अंदर पहले दिया-बाती जलाया जाता था, जिसे हमने 2010 में बंद करवाया दिया था। इसके बाद वहां पर एक शिवलिंग गुफा के बाहर स्थापित किया गया, ताकि लोग अंदर सिर्फ दर्शन करें और पूजा-पाठ बाहर करें। उनका सुझाव है कि पूजा-पाठ को गुफा के बाहर तक सीमित रखना ही बेहतर तरीका है।

सिम्स ने किया एक वर्ष में 10 हजार यूनिट से अधिक रक्त संग्रह, हजारों जिंदगियों को मिला नया जीवन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान के रक्त केंद्र ने वित्तीय वर्ष 1अप्रैल 2025 से 31मार्च 2026 के दौरान कुल 10,043 यूनिट रक्त संग्रह कर संभाग के मरीजों के लिए जीवनरक्षक की भूमिका निभाई है।

सिम्स की यह उपलब्धि न केवल संख्यात्मक है, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि संस्थान ने सिकल सेल, थैलेसीमिया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को बिना डोनर के भी नि:शुल्क रक्त उपलब्ध कराया है।

चिकित्सा अधीक्षक सिम्स डॉ. लखन सिंह सामाजिक सहभागिता और स्वैच्छिक रक्तदान पर जोर देते हुए कहा कि रक्तदान मुहिम को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले ने सामाजिक संगठनों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि रक्त कृत्रिम रूप से नहीं बनाया जा सकता, यह केवल दान से ही संभव है। इस 10,043 यूनिट के संग्रह में उन स्वैच्छिक रक्तदाताओं का बड़ा हाथ है जिन्होंने बिना किसी पहचान के मानवता के लिए रक्तदान किया। विशेष रूप से *संत निरंकारी मंडल* जैसे संगठनों का सहयोग अनुकरणीय रहा है। मेरा युवाओं से आह्वान है कि वे आगे आएं, क्योंकि आपका एक यूनिट रक्तदान तीन जिंदगियां बचा सकता है।

सेवा और समर्पण का विजन: डॉ. मूर्ति

सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्थान के विजन को रेखांकित किया। उन्होंने कहा सिम्स का मूल मंत्र केवल चिकित्सकीय उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी जरूरतमंद आर्थिक या संसाधनों के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। हमने एक ऐसी व्यवस्था विकसित की है जहाँ सिकल सेल और थैलेसीमिया जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों को बिना किसी डोनर की अनिवार्यता के नि:शुल्क रक्त दिया जा रहा है। 10 हजार यूनिट का आंकड़ा हमारे स्टाफ की मेहनत और जनता के भरोसे का परिणाम है। विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी डॉ. बी.पी. सिंह (चिकित्सा अधीक्षक सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल) ने बताया कि पिछले एक साल में हमने ब्लड बैंक की कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और सुगम बनाया है। हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि आपातकालीन स्थिति में आने वाले मरीजों, विशेषकर दुर्घटना पीड़ितों और गंभीर एनीमिया के मरीजों को तत्काल रक्त प्राप्त हो। बेहतर इन्वेंट्री मैनेजमेंट के कारण ही हम 33 रक्तदान शिविरों के माध्यम से भारी मात्रा में यूनिट एकत्रित कर पाए। अब सिम्स में रक्त की उपलब्धता पहले से कहीं अधिक सुगम और सुरक्षित है।

न्यूज गैलरी

अंकित के प्रयास से फन फेयर की अनुमति निरस्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। बेलतरा छात्र हित और खेल संस्कृति को बचाने की दिशा में कांग्रेस नेता अंकित गौरहा का सतत और प्रभावी प्रयास अब निर्णायक परिणाम लेकर सामने आया है। जिस मुद्दे को उन्होंने मजबूती से उठाया, उस पर अब प्रशासनिक मुहर भी लग गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरा मामला शासकीय ई. राघवेंद्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय के खेल मैदान से जुड़ा है, जहां लंबे समय से व्यावसायिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए मैदान का उपयोग किया जा रहा था। इससे छात्रों और खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस गंभीर विषय को लेकर अंकित गौरहा ने कलेक्टर को विस्तार से पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की थी और स्पष्ट किया था कि खेल मैदान का मूल उद्देश्य केवल खेल और छात्र विकास होना चाहिए। कांग्रेस नेता अंकित गौरहा की इस पहल के बाद महाविद्यालय प्रशासन भी सक्रिय हुआ। प्राचार्य ने कलेक्टर को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा और यह साफ किया कि वर्तमान परिस्थितियों में बिना स्पष्ट दिशा-निर्देश के मैदान को किराए पर देना उचित नहीं है।

ग्राम सभाओं में चला जनगणना जागरूकता अभियान

बिलासपुर/नवप्रदेश। पंचायत दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम सभाओं में जनगणना को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। जनगणना अधिकारियों ने ग्रामीणों को प्रक्रिया, महत्व और विकास योजनाओं में इसके उपयोग की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या का आकलन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आधारशिला है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया छिंदवाड़ा-सिवनी-नैनपुर-ग्वारीघाट रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण

संरक्षा, स्वच्छता, सुरक्षा, यात्री सुविधाओं व अधोसंरचना विकास कार्यों पर की चर्चा

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने आज 24 अप्रैल 2026 को नागपुर मंडल अंतर्गत छिंदवाड़ा-सिवनी-नैनपुर-ग्वारीघाट (जबलपुर) रेलखंड का सघन एवं व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया। यह निरीक्षण छिंदवाड़ा स्टेशन से प्रारंभ होकर विभिन्न स्टेशनों, ट्रैक संरचनाओं, पुलों, सिग्नलिंग तंत्र, यात्री सुविधाओं एवं परिचालन व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करते हुए ग्वारीघाट स्टेशन पर सम्पन्न हुआ।

निरीक्षण के प्रारंभ में छिंदवाड़ा स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों, पैनल रूम, रिले रूम, रनिंग रूम, यांत्रिक अनुरक्षण सुविधाओं तथा स्वास्थ्य इकाई का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही सेवानगर सहित रेलवे कॉलोनियों की स्वच्छता एवं रखरखाव व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा नवनिर्मित रेलवे संस्थान एवं आरपीएफ पोस्ट का उद्घाटन किया गया। साथ ही रेलवे विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तथा कार्मिक विभाग द्वारा विकसित रेस्ट रूम बुकिंग ऐप का शुभारंभ किया गया।

संरक्षा मानकों का मूल्यांकन

निरीक्षण के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू एवं स्टेशन सलाहकार समिति के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें रेल विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं संरक्षा सुदृढ़ीकरण से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी रही। इसके उपरांत चौरई स्टेशन पर कर्व, प्वाइंट एवं क्रॉसिंग तथा समपार फाटक का निरीक्षण कर ट्रैक संरचना एवं संरक्षा मानकों का मूल्यांकन किया गया। महाप्रबंधक ने रखरखाव कार्यों की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। सिवनी स्टेशन पर स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए नव-निर्मित विद्युत उपकेंद्र एवं सहायक ट्रैक मशीन विश्राम गृह का उद्घाटन किया गया।

रेल सेवाओं के विस्तार पर चर्चा

इस दौरान सांसद भारती पारधी के साथ बैठक आयोजित कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं रेल सेवाओं के विस्तार पर चर्चा की गई। केवलारी एवं नैनपुर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान नैनपुर में श्रीमती सम्मतिया उइके, मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री, मध्य प्रदेश शासन एवं स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें यात्री सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं संरक्षा सुधार से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने नैनपुर-ग्वारीघाट रेलखंड पर विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्था, सिग्नलिंग प्रणाली एवं संरक्षा मानकों का सूक्ष्म अवलोकन किया तथा प्रगति पर चल रहे रेल विकास कार्यों की समीक्षा की। ग्वारीघाट में महाप्रबंधक द्वारा नवनिर्मित आरपीएफ पोस्ट का उद्घाटन किया गया तथा गुड्स शेड में लोडरों एवं संबंधित कर्मचारियों से संवाद कर कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की गई। महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेल परिचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने यात्री सुविधाओं के सतत उन्नयन, स्टेशनों के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं के विस्तार एवं पर्यावरण अनुकूल पहलों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह सघन संरक्षा निरीक्षण रेलवे संरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, यात्री सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने तथा अधोसंरचना विकास को नई गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

कायस्थ समाज ने प्रकटोत्सव मनाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। कायस्थ समाज बिलासपुर द्वारा गुरुवार को इमलीपारा स्थित चित्रगुप्त मंगल भवन में भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। शाम 5:30 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में समाज के लोगों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर समाज की सुख-समृद्धि की कामना की इस बार पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भी भागीदारी अत्यधिक रही । भगवान चित्रगुप्त के प्रकटोत्सव की पूजा की जिम्मेदारी मुख्य यजमान के रूप में समिति के द्वारा सहसचिव एवं मीडिया प्रभारी विनोद वर्मा एवं संध्या वर्मा को सौंपी गई थी । जिसे वे अपना सौभाग्य मानते हुए समाज के प्रमुख लोगों के द्वारा विधि विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ जल पूजा के साथ आरंभ किया अंत में महाआरती की गई जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रसाद वितरण की भी जिम्मेदारी महिलाओं ने ही निभाई लगातार महिलाओं एवं युवाओं का प्रवेश समाज में बढ़ते जा रहा है जो एक नई ऊर्जा का संचार समाज में कर रहा है । गर्मी को देखते हुए चित्रगुप्त पूजा के पश्चात शहर में मध्य नगरी चौक एवं चित्रगुप्त मंदिर इमली पारा में सार्वजनिक पियाऊ घर प्रारंभ किया गया एवं शीघ्र ही चित्रगुप्त चौक मंगला रोड पर भी प्रारंभ किया जा रहा है। पूजा-अर्चना में मदन श्रीवास्तव, गोवर्धन श्रीवास्तव, विजय किशोर वर्मा सहित अन्य शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना में भाग लिया।

कमेटी निकासी के उपायों के लिए सर्वे करेगी क्षेत्र के सभी नाले-नालियों की होगी सफाई

जल निकासी के लिए रेलवे एफसीआई और निगम की बनेगी संयुक्त कमेटी

बिलासपुर/नवप्रदेश। महापौर और निगम कमिश्नर के निरीक्षण के दौरान व्यापार विहार व्यापारी संघ द्वारा नाली के पानी की निकासी संबंधी समस्या के निराकरण की मांग पर त्वरित पहल करते हुए आज विकास भवन में महापौर पूजा विधानी की अध्यक्षता में रेलवे, एफसीआई और नगर निगम के अधिकारियों की संयुक्त रूप से बैठक हुई। जिसमें चर्चा के उपरांत निर्णय लिया गया कि व्यापार विहार क्षेत्र और आसपास के नाला नालियों में अवरूद्ध पानी निकासी के लिए एक समिति गठित की जाएगी,जो क्षेत्र के नाला-नालियों का सर्वे कर पानी जाम के कारणों का पता लगाते हुए उसका शीघ्र निराकरण करेगी। समिति में रेलवे, एफसीआई और नगर निगम तीनों विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। बैठक के दौरान महापौर पूजा विधानी ने कहा कि बारिश के पूर्व उक्त समस्या का निराकरण किसी भी सूरत में होना चाहिए। विदित है कि व्यापार विहार क्षेत्र के नाला-नालियों में पानी निकासी नहीं होने से व्यापार विहार, टीकरापारा और हेमू नगर समेत आस-पास के क्षेत्रों में बारिश के समय जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। 22 अप्रैल को महापौर पूजा विधानी और निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे तथा निगम अधिकारियों द्वारा व्यापार विहार का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान व्यापार विहार व्यापारी संघ के द्वारा नाली के पानी निकासी नहीं होने की शिकायत की गई थी, प्राथमिक तौर पर जिसका कारण नालियों में रेलवे तथा एफसीआई द्वारा निर्माण किया जाना पाया गया था। समस्या के समाधान के लिए महापौर द्वारा तीनों विभागों की संयुक्त बैठक करने के निर्देश दिए गए थे, जिसके परिपालन में आज बैठक की गई। बैठक में महापौर पूजा विधानी, निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे, रेलवे के मंडल अभियंता आरपी भार्गव, एफसीआई के जिला मैनेजर अनूप और निगम के मुख्य अभियंता राजकुमार मिश्रा, अधीक्षण अभियंता एसपी साहू,स्वास्थ्य अधिकारी प्रवेश कश्यप उपस्थित रहें।

डॉ. ऐश्वर्य मढ़रिया का दिल्ली में व्याख्यान आज

बिलासपुर/नवप्रदेश। दिल्ली में आयोजित 76 वे वार्षिक दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी के राष्ट्रीय नेत्र विशेषज्ञों के सम्मेलन में नेत्र विशेषज्ञ रेटिना, आर. ओ. पी. विशेषज्ञ डॉ. ऐश्वर्य मढरिया का व्याख्यान है। दिल्ली नेत्र सोसायटी का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 26 अप्रैल को भारत मंडपम प्रगति मैदान में आयोजित किया गया है। आशीर्वाद नेत्र चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञ व रेटिना व आर. ओ. पी. विशेषज्ञ डॉ. ऐश्वर्य मढरिया का व्याख्यान डायबिटीज के रेटिना की बीमारी व नवजात शिशु के परदे की बीमारी आर. ओ. पी. रेटिनोपैथी आफ प्रीमेच्योरिटी से होने वाले अंधत्व से बचने के उपाय व लेजर से इलाज के बारे में व्याख्यान पढ़ेंगे और एडवांस विधि के बारे में बताएंगे। ज्ञात हो डॉ. ऐश्वर्य मढरिया एल. व्ही. पी. हैदराबाद से रेटिना व आर. ओ. पी. की विशेषज्ञता प्राप्त किए हैं अतः इस सम्मेलन का लाभ पूरे छत्तीसगढ़ के नेत्र के मरीजों को मिलेगा।

मिशन कर्मयोगी साधना सप्ताह में एसईसीएल ने राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 10 में बनाई जगह

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोल इंडिया लिमिटेड की प्रमुख सहायक कंपनी, को मिशन कर्मयोगी - साधना सप्ताह 2026 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश के टॉप 10 परफॉर्मिंग संगठनों में स्थान प्राप्त हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन को प्रशंसा-पत्र प्रेषित किया गया है। प्रशंसा-पत्र में एसईसीएल की सक्रिय सहभागिता, कोर्स पूर्णता में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की गई है। प्रशंसा-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि साधना सप्ताह (2-10 अप्रैल 2026) के दौरान एसईसीएल की प्रभावी भागीदारी तथा आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर व्यापक जुड़ाव, संगठन में निरंतर सीखने की संस्कृति एवं क्षमता निर्माण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कर्मयोगी भारत सरकार का एक डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जिसे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को सतत् सीखने, कौशल उन्नयन एवं क्षमता निर्माण के लिए एकीकृत मंच प्रदान करना है। इसी दिशा में एसईसीएल द्वारा आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, सतत एवं धारणीय विकास तथा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व से संबंधित विषय प्रमुख हैं, जो कर्मचारियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बना रहे हैं। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा कि यह सम्मान पूरे एसईसीएल परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह हमारे कर्मयोगियों की प्रतिबद्धता, सीखने की ललक एवं उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को दर्शाता है। हम आगे भी क्षमता निर्माण, डिजिटल लर्निंग एवं सतत विकास के क्षेत्र में अपने प्रयासों को और सशक्त करते रहेंगे। ' एसईसीएल की यह उपलब्धि कोल इंडिया लिमिटेड के उस व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत एक जिम्मेदार, दक्ष एवं भविष्य उन्मुख संगठन के रूप में देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ बेहतर सार्वजनिक सेवा सुनिश्चित करने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षकों को अपने व्यवहार और संप्रेषण शैली पर गंभीरता से विचार करने किया प्रेरित

बिलासपुर/नवप्रदेश। आधारशिला विद्या मन्दिर न्यू सैनिक स्कूल में 23 एवं 24 अप्रैल को 'सकारात्मक अनुशासन' विषय पर दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को छात्रों के साथ सकारात्मक, सहानुभूतिपूर्ण एवं प्रभावी व्यवहार विकसित करने हेतु आवश्यक कौशलों से सशक्त बनाना था, साथ ही पारंपरिक दंडात्मक पद्धतियों के स्थान पर सकारात्मक एवं रचनात्मक अनुशासन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य रहा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में काउंसलिंग मनोवैज्ञानिक एवं व्यवहार प्रशिक्षक शांति स्वरूप श्रीरामूला (हैदराबाद से) विशेषज्ञ के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को सकारात्मक अनुशासन के सिद्धांतों, प्रभावी कक्षा प्रबंधन तकनीकों तथा छात्रों के व्यवहार को समझने एवं सुधारने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री शांति एक्सपर्ट फिजियोलाजिस्ट हैं जिन्होंने खुद टिचिंग और प्रिंसीपल की भूमिका बखूबी निभाई है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ ने विशेष रूप से टेलिंग की जगह आस्किंग मैथोडोलाजी अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षण प्रक्रिया में केवल निर्देश देना या एकतरफा संवाद करना प्रभावी नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों को प्रश्नों के माध्यम से जोड़ना अधिक सार्थक होता है। उन्होंने शिक्षकों को यह समझाया कि विद्यार्थियों को आदेश देने के बजाय उनसे प्रश्न पूछकर उन्हें सोचने, समझने और भागीदारी के लिए प्रेरित करना चाहिए। 'तुम ऐसा करो' कहने के स्थान पर 'तुम्हें क्या लगता है हमें क्या करना चाहिए?

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./ सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
06/184730	CONSTRUCTION OF MANPUR TO PARSADA ROAD LENGTH-1.00 KM DISTT. RAIPUR (C.G.)	रू. 144.45 लाख
07/184731	ROAD SAFETY WORK FOR VIDHANSABHA ROAD TO HARITAGE HOSPITAL KACHNA RAIPUR (C.G.)	रू. 131.05 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 12.05.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

जी - 262700360/6

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर
E-mail ID - res.janjgirchampa.janjgir@gmail.com

// ई-निविदा सूचना क्रमांक 01//2026-27

क्रमांक 716/ निविदा/ग्रा.या. सेवा/2026 जांजगीर, दिनांक 23/04/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा का क्रम
पूर्व माध्य. शाला कोटमीसोनार का भूतल एवं प्रथम तल भवन निर्माण कार्य **टेण्डर नम्बर 189560**	**43.56**	प्रथम बार

नोट :-
निविदा की सामान्य शर्ते विस्तृत निविदा (परिशिष्ठ 2.10 एवं 2.13) यथा संशोधित एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in मे अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 23.04.2026 समय शाम 17:31 से देखी एवं दिनांक 08.05.2026 समय शाम 17:30 तक डाउनलोड की जा सकती है।

(बी.एस. पैकरा)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर
जिला जांजगीर चापा (छ.ग.)

जी - 262700364/3

छत्तीसगढ़ शासन
युवा शक्ति के उन्नयन का संकल्प
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति के लिए 5 करोड़ का प्रावधान
नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा का विस्तार, जगरगुंडा और ओरछा में नए आईटीआई
145 शासकीय आईटीआई में आधुनिक उपकरणों के लिए ₹25 करोड़
35 आईटीआई में भवन निर्माण और मरम्मत के लिए ₹25 करोड़
लाईवलीहुड कॉलेज योजना के लिए ₹33 करोड़, युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण
कौशल उन्नयन के लिए नवा रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का लाईवलीहुड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
S-47608/1
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

20 वैज्ञानिकों की रहस्यमयी मौतें और गायब होने की बढ़ रही घटनाएं

वाशिंगटन/ए.। अमेरिका और चीन में टॉप डिफेंस वैज्ञानिकों की मौत और गायब होने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ये वैज्ञानिक न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी, हाइपरसोनिक हथियार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस रिसर्च और एडवांस्ड वेपन्स जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्रों में काम कर रहे थे. अमेरिका में अब तक 11 घटनाएं सामने आई हैं, जबकि चीन में 9 से ज्यादा वैज्ञानिकों की मौत हो चुकी है. ये घटनाएं सामान्य लग रही हैं, लेकिन इनका पैटर्न देखकर साजिश की आशंका जताई जा रही है। अमेरिका में कई वैज्ञानिक अचानक गायब हो रहे हैं या उनकी मौत हो रही है. इनमें नासा के इंजीनियर, एयर फोर्स के जनरल और लॉस एलामोस जैसे न्यूक्लियर लैब के वैज्ञानिक शामिल हैं। सबसे चर्चित मामला है मेजर जनरल विलियम नील मैककैसलैंड का. वे यूएफओ (अज्ञात उड़न तश्तरियों) की जांच कर चुके थे. एयर फोर्स रिसर्च लेबोरेटरी के कमांडर रह चुके हैं. फरवरी 2026 में वे घर से वॉक पर निकले और उसके बाद गायब हो गए. उन्होंने फोन, चश्मा और स्मार्टवॉच घर पर छोड़ दी थी, सिर्फ रिवॉल्वर साथ लिया था. अब तक उनकी कोई खोज नहीं हुई है। इसी तरह मोनिका रेजा, NASA जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी की एयरोस्पेस इंजीनियर, कैलिफोर्निया के जंगल में दोस्तों के साथ ट्रेकिंग कर रही थीं. अचानक वे 30 फीट पीछे रह गईं और गायब हो गईं. बचाव टीम ने कई दिनों तक खोज की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

आगरा-दिल्ली हाइवे पर भीषण सड़क हादसा

मथुरा। मथुरा के रिफाइनरी क्षेत्र में एनएच-19 पर सोमवार सुबह करीब 9 बजे हरियाणा रोडवेज बस, टेम्पो और बोलेरो के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 12 से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि रोडवेज बस और टेम्पो के चालक गंभीर रूप से घायल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आगरा से गुड़गांव जा रही हरियाणा रोडवेज बस तेज रफ्तार में ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान बरारी फ्लाईओवर फुट ब्रिज के पास उसने सड़क किनारे चल रहे टेम्पो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि टेम्पो कई पलटी खाकर सड़क पर पलट गया और बस की चपेट में आकर वहां चल रही बोलेरो गाड़ी से भी टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।

रणवीर सिंह ने कोर्ट से मांगी माफी

मुंबई। 'कांताराः चैप्टर 1' मिमिक्री विवाद से जुड़े मामले में अभिनेता रणवीर सिंह ने आज कोर्ट में माफी मांगी। रणवीर ने कर्नाटक हाईकोर्ट में संशोधित हलफनामा दाखिल कर बिना शर्त माफी मांगी। अदालत ने इस हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेते हुए संकेत दिया कि मामले का निपटारा किया जाएगा। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की अदालत ने रणवीर सिंह की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की गई। यह एफआईआर पिछले साल आयोजित कार्यक्रम में रणवीर द्वारा फिल्म के एक पात्र की मिमिक्री करने और एक मंदिर की देवी के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दर्ज हुई थी।

आईसीयू के लिए एक समान मानक हो, एससी स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में गहन चिकित्सा इकाइयों (ICU) की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़ा आदेश दिया है।

अदालत ने कहा है कि आईसीयू के लिए तय न्यूनतम मानकों को लागू करने हेतु सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक और यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें। शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल थे, ने 20 अप्रैल के आदेश में कहा कि गहन देखभाल सेवाओं के संगठन और वितरण के लिए दिशानिर्देश तैयार कर ली गई हैं, जिन पर व्यापक सहमति है। अदालत ने कहा कि ये दिशानिर्देश व्यावहारिक, लागू करने योग्य और आईसीयू के लिए न्यूनतम आवश्यक मानक हैं।

ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश

कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या सचिव तत्काल विशेषज्ञों की बैठक बुलाएं और इन दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने कहा कि यह योजना जमीन पर लागू होने योग्य और वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए।

अगली सुनवाई 18 मई को होगी

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को भी निर्देश दिया गया है कि अदालत में पेश दिशानिर्देशों को औपचारिक रूप से एडवाइजरी के रूप में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जारी करे व मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड करे। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 18 मई को तय की है। सुनवाई के दौरान यह सुझाव भी दिया गया कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नर्सिंग स्टाफ को ढुष्ट परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाए, क्योंकि वही मरीजों के साथ 24 घंटे रहते हैं, जबकि डॉक्टर समय-समय पर विजिट करते हैं। अदालत ने इस सुझाव को व्यावहारिक और जरूरी बताते हुए भारतीय नर्सिंग परिषद और पैरा मेडिकल परिषद को मामले में पक्षकार बनाया है। कोर्ट ने इन संस्थाओं से कहा है कि वे अगली सुनवाई तक यह योजना पेश करें कि आईसीयू प्रबंधन के लिए नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों तथा प्रशिक्षण प्रणाली को कैसे मजबूत किया जाएगा, ताकि भविष्य में प्रशिक्षित कर्मी गंभीर मरीजों की बेहतर देखभाल कर सकें।

पांच बुनियादी जरूरतों की पहचना कर प्राधमिकता दें

पीठ ने कहा कि शुरुआती चरण में पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इनमें मानव संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ, उपकरण, लॉजिस्टिक्स और जरूरी ढांचे से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे। साथ ही इन मानकों के पालन और निगरानी के लिए स्पष्ट व्यवस्था भी बनाई जाए। अदालत ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू होनी चाहिए और पहली बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाए। संबंधित अधिकारी इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हों। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा तैयार रिपोर्ट भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग सचिव को भेजी जाएगी, जो उसे सभी राज्यों के साथ साझा करेंगे। इसके बाद एक संयुक्त बैठक कर अंतिम साझा मसौदा तैयार किया जाएगा।

आप का मतलब है आलीशान आदमी पार्टीः मंत्री प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली/ए.। भाजपा नेता और दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला किया। उन्होंने केजरीवाल के नए घर को 'शीश महल 2' बताया और 'रहमान डकैत' से तुलना की। मंत्री वर्मा ने कहा कि दिल्ली लूटने के बाद अब पंजाब में भी दूसरा 'शीश महल' तैयार हो गया है।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में कोविड लहर के दौरान 'शीश महल' बनवाया था। उस समय दिल्ली के लोग दवाएं मांग रहे थे, लेकिन 'शीश महल' का काम नहीं रुका। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली के मतदाताओं ने 'रहमान डकैत' को हराया, तो वह पंजाब चले गए।

'भगवंत मान के सरकारी घरों पर केजरीवाल का कब्जा'

वहां भगवंत मान के घर के पास चार सरकारी घरों में से एक पर केजरीवाल ने कब्जा कर लिया। अन्य घरों पर सत्येंद्र जैन, संजय सिंह और मनीष सिसोदिया ने कब्जा किया।

प्रवेश वर्मा के बयान पर आतिशी का पलटवार

प्रवेश वर्मा के आरोपों के बाद आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया। आप ने कहा कि रेखा गुप्ता मीडिया के लिए अपना घर खोल दें। दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि केजरीवाल के घर की तस्वीर नहीं है। केजरीवाल सबको घर दिखा देंगे। प्रवेश वर्मा द्वारा जारी कि गई सारी तस्वीरें फ़र्ज़ी हैं। वे केजरीवाल जी के घर की तस्वीरें नहीं हैं। किसका घर कितना आलीशान है, इसका पता करने के लिए रेखा गुप्ता जी और रत्न साहिब अपना अपना घर खोल दें और केजरीवाल जी अपना घर खोल देंगे। जनता खुद तय कर लेगी।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण की बंपर वोटिंग के बाद तेज हुआ सियासी संग्राम

■ दूसरे चरण के लिए बीजेपी का मेगा मिशन

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है। 92 फीसदी से अधिक रिकॉर्ड मतदान ने सभी राजनीतिक दलों की धड़कनें तेज कर दी हैं। ममता बनर्जी इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन की लहर बता रही हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी इसे बदलाव का संकेत मान रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस भारी मतदान ने टीएमसी खेमे की चिंता बढ़ा दी है। अब सबकी निगाहें दूसरे चरण पर टिकी हैं, जहां 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होना है। बीजेपी ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी है। अमित शाह 21 अप्रैल से कोलकाता में डेरा डाले हुए हैं और लगातार मैराथन बैठकों के जरिए बूथ स्तर तक तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। पार्टी का फोकस साफ है–हर बूथ को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखना और एक भी वोट छूटने न देना। दूसरा चरण बीजेपी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें ग्रेटर कोलकाता और प्रेसिडेंसी क्षेत्र की 100 से ज्यादा सीटें शामिल हैं। 2021 में इन इलाकों में टीएमसी का दबदबा रहा था। ऐसे में इस बार बीजेपी कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। रणनीतिक तौर पर बीजेपी सिर्फ सीटें जीतने पर नहीं, बल्कि बंगाल में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने पर भी ध्यान दे रही है। "बाहरी बनाम बंगाली" के नैरेटिव के बीच पार्टी अब खुद को राज्य की भाषा, संस्कृति और जीवनशैली से जोड़ने की कोशिश कर रही है।

दावों की जंगः 'विदाई' बनाम 'सुनामी'

पहले चरण के बाद बयानबाज़ी भी तेज हो गई है। अमित शाह ने दावा किया है कि ÷दीदी की विदाई÷ तय हो चुकी है, वहीं ममता बनर्जी इसे अपने समर्थन की सुनामी बता रही हैं। नतीजे भले अभी दूर हों, लेकिन राजनीतिक दावों की जंग अपने चरम पर पहुंच गई है।

ईरान जंग के बीच पश्चिम अफ्रीकी देश बमाको में भारी गोलीबारी की खबर

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच पश्चिम अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको में भारी गोलीबारी की खबर है। यहां शनिवार सुबह-सुबह मोदिबो कीता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास भारी हथियारों और ऑटोमैटिक राइफलों से फायरिंग की आवाज सुनी गई। हालांकि अभी तक गोलीबारी का कारण साफ नहीं हो पाया है।इसके अलावा किसी भी सशस्त्र समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। एयरपोर्ट शहर के केंद्र से करीब 15 किलोमीटर दूर है और इसके पास ही माली वायुसेना का एयरबेस भी स्थित है। घटना के दौरान इलाके में हेलीकॉप्टर गश्त करते देखे गए,जिससे सुरक्षा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि गोलीबारी की आवाजें धीरे-धीरे उनके इलाकों के करीब आती महसूस हो रही थीं। एक निवासी ने सुरक्षा कारणों से नाम न बताने की शर्त पर कहा कि संभव है हमलावर एयरपोर्ट से भाग रहे हों। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि गोलीबारी की वजह क्या है। गौरतलब है कि पश्चिम अफ्रीकी देश माली पहले से ही आतंकी हमलों और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है, ऐसे में इस घटना ने सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। इससे पहले, साल 2024 में अल-कायदा से जुड़े एक समूह ने बामाको के हवाई अड्डे और राजधानी में एक सैन्य प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया था,जिसमें कई लोग मारे गए थे।

बांग्लादेश में आतंकी हमले की आशंका

खुफिया एजेंसियों ने दी चेतावनी, पुलिस ने देशव्यापी सुरक्षा अलर्ट किया जारी

ढाका/ए.। बांग्लादेश पुलिस ने देश भर में महत्वपूर्ण ठिकानों पर संभावित आतंकवादी हमलों को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में संसद परिसर, पूजा स्थलों, मनोरंजन सुविधाओं, और सैन्य व पुलिस प्रतिष्ठानों को संभावित लक्ष्यों के रूप में चिह्नित किया गया है। आर्मरियों को विशेष रूप से खतरे में बताया गया है। यह अलर्ट खुफिया रिपोर्टों के आधार पर जारी किया गया है और इसे तत्काल और गोपनीय बताया गया है। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, यह अलर्ट हाल ही में एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के सदस्य इस्तिक अहमद सामी उर्फ अबू बकर की गिरफ्तारी के बाद जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि वह दो बर्खास्त सैन्य कर्मियों के संपर्क में था। रिपोर्टों में संभावित हमलों के पीछे दो कथित प्रमुख योजनाकारों की प्रोफाइल भी शामिल है, हालांकि किसी विशेष संगठन का नाम नहीं लिया गया है। संदिग्धों को देश की समग्र सुरक्षा के लिए 'अत्यंत खतरनाक' बताया गया है। पुलिस मुख्यालय ने आपराधिक जांच विभाग, विशेष शाखा, और आतंकवाद निरोधक और अंतर्राष्ट्रीय अपराध इकाई सहित विशेष पुलिस इकाइयों को सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया है। देश भर की नियमित पुलिस को भी उच्च अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। एक पश्चिमी जिले के पुलिस प्रमुख ने इस पत्र की प्राप्ति की पुष्टि की और बताया कि उनके अधिकार क्षेत्र के स्टेशनों में सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया गया है। बांग्लादेश ने पिछले 18 महीनों के दौरान, विशेष रूप से जुलाई-अगस्त 2024 में 'जुलाई विद्रोह' नाम के हिंसक छात्र-नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के उखाड़ फेंके जाने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान चरमपंथी ताकतों में बढ़ोतरी देखी है।

भारत के कपड़ा निर्यात में आई गिरावट 35.8 अरब डॉलर पर पहुंचा कारोबार

नई दिल्ली/ए.। भारत के टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात को वित्त वर्ष 2025-26 में झटका लगा है। थिंक टैंक जीटीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक, देश का कुल वस्त्र और परिधान निर्यात 2.2 प्रतिशत घटकर 35.8 अरब डॉलर पर आ गया। रुपये के लिहाज से भी निर्यात में 2.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरावट लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों में देखने को मिली। कॉटन टेक्सटाइल निर्यात 3.9 प्रतिशत घटा, रेडीमेड गारमेंट्स में 1.4 प्रतिशत की कमी आई और कारपेट निर्यात 5.3 प्रतिशत नीचे रहा। केवल हैंडीक्राफ्ट सेक्टर ने मामूली राहत दी, जहां 1.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि रुपये और डॉलर के आंकड़ों में अंतर एक गहरी आर्थिक चिंता को दर्शाता है। उनका कहना है कि भारत घरेलू मुद्रा में अधिक निर्यात करता दिखाई दे रहा है, लेकिन वैश्विक बाजार से डॉलर कम कमा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मैन-मेड टेक्सटाइल में रुपये के हिसाब से 3.6 प्रतिशत की बढ़त दिखी, लेकिन डॉलर में यह 0.8 प्रतिशत घट गया। इसी तरह गारमेंट निर्यात रुपये में 2.9 प्रतिशत बढ़ा, जबकि डॉलर में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई।

क्या है गिरावट की वजह?

श्रीवास्तव के अनुसार, इसका मतलब यह है कि निर्यात में जो बढ़त दिख रही है, वह प्रतिस्पर्धा बढ़ने से नहीं, बल्कि रुपये के कमजोर होने की वजह से है। वास्तविक स्थिति यह है कि भारत वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी खो रहा है या नए बाजारों में विस्तार नहीं कर पा रहा है। खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों में यह चिंता ज्यादा गंभीर है, जहां भारत को तेजी से आगे बढ़ना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि यह सरकार के लिए एक अहम नीति प्रश्न है कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (PLI), लॉजिस्टिक्स सुधार और व्यापार सुगमता जैसे कदमों के बावजूद निर्यात वृद्धि क्यों नहीं हो रही। रिपोर्ट में सरकार से मांग की गई है कि वह तुरंत उन बाधाओं की पहचान करे, जो टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों की निर्यात क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।

आईपीएल के इतिहास में 800 चौके लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने विराट कोहली

नई दिल्ली/ए.। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के मुकाबले में शुक्रवार को आरसीबी की टीम ने 5 विकेट से जीत दर्ज की. इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम आईपीएल प्वाइंट टेबल में नंबर दो के पोजिशन पर आ गई है. आरसीबी की टीम ने 7 में से 5 मैच जीते हैं और दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है. शुक्रवार को खेले गए मैच में आरसीबी के स्टार बैटर विराट कोहली ने इतिहास रच दिया और वे आईपीएल के इतिहास में 800 चौके लगाने वाले पहले बैट्समैन बन गए हैं.

विराट कोहली ने शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 81 रन की पारी खेली. उन्होंने 44 गेंद में 8 चौके और 4 छक्के की मदद से 81 रन बटोरे. इसी दौरान कोहली ने 800 चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया. अब विराट कोहली के खाते में 274 आईपीएला मैचों में 807 चौके दर्ज हो गए हैं. यह टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी बैट्समैन द्वारा लगाए गए सबसे ज़्यादा चौके हैं. वह IPL में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बैट्समैन की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद शिखर धवन से काफी आगे हैं. धवन के नाम 768 चौके हैं. विराट कोहली आईपीएल के इतिहास में 300 छक्के लगाने वाले तीसरे बैट्समैन भी बन गए, उनसे पहले क्रिस गेल (357 छक्के) और रोहित शर्मा (310 छक्के) ने यह उपलब्धि हासिल की थी. कोहली के नाम अब 303 छक्के हो गए हैं। विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ 44 गेंदों पर 81 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल थे. इस पारी के साथ, उन्होंने आईपीएल 2026 में इस समय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होने गौरव हासिल किया और ऑरेंज कैप भी प्राप्त किया. गुजरात द्वारा दिए गए 206 रन के मुश्किल टारगेट को सफलतापूर्वक पूरा करके शानदार जीत दिलाने में विराट कोहली की अहम भूमिका रही. 206 रन का पीछा करते हुए आरसीबी को शुरुआती झटका लगा जब गुजरात के पेसर मोहम्मद सिराज ने टीम के ओपनर जैकब बेथेल को जल्दी आउट कर दिया. हालांकि कोहली ने पारी को संभाला और जीत को आसान बना दिया।

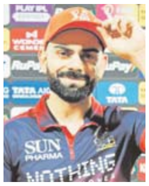

खलनायक रिटर्न्स का ऐलान संजय दत्त फिर बनेंगे बल्लू

मुंबई/ए.। करीब तीन दशक बाद हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार एंटी-हीरो किरदारों में से एक की वापसी होने जा रही है. संजय दत्त ने अपनी नई फिल्म 'खलनायक रिटर्न्स' का आधिकारिक ऐलान कर दिया है. 24 अप्रैल को उन्होंने फिल्म का पहला लुक शेयर किया. बैकग्राउंड में बजता पॉपुलर गाना 'खलनायक हूं मैं' पुरानी यादों को ताजा कर गया। संजय दत्त ने इस घोषणा के साथ लिखा, कुछ कहानियां खत्म नहीं होतीज वो दोबारा शुरू होती हैं। साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म 'खलनायक', जिसे सुभाष घई ने निर्देशित किया था. इस फिल्म में संजय दत्त ने 'बल्लू' का किरदार निभाया था, जबकि माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे.फिल्म की कहानी एक खतरनाक अपराधी बल्लू के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस की गिरफ्त से भाग जाता है. उसे पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर राम अपनी मंगेतर गंगा को अंडरकवर भेजता है. इसके बाद कहानी में खूब सारे टर्न आते हैं।

‘आप’ से बेअसर छत्तीसगढ़

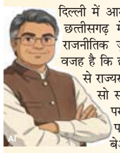

दिल्ली में आम आदमी पार्टी में बगावत का असर छत्तीसगढ़ में होगा या नही इस पर कुछ लोग राजनीतिक जुगाली कर रहे है। हालांकि इसकी वजह है कि छत्तीसगढ़ी मूल के संदीप पाठक आप से राज्यसभा में थे वे भी भाजपा में चले गए है सो स्वाभाविक तौर पर राज्य की राजनीति पर बात तो होगी, लेकिन आम आदमी पार्टी राज्य में पहले भी मैदानी तौर पर बेअसर ही रही है। राज्य बनने के बाद 2018 को यदि छोड़ दे तो राज्य की द्विदलीय राजनीतिक चेतना ने बसपा तक को विधानसभा से बाहर कर दिया हैं तो फिर आप की गुंजाइश कहा? जिस जोगी पिता-पुत्र ने 2018 में बसपा के साथ मिलकर 7 सीटे और 12 फीसदी वोट पाए थे वे आज शून्य पर है। बहरहाल तीसरे मोर्चे के रूप में गोंडवाना गंणतंत्र पार्टी का एक विधायक है। लेकिन यदि कोई कहे कि संदीप पाठक के भाजपा में जाने से छत्तीसगढ़ की राजनीतिक सेहत पर कोई असर होगा तो ऐसा संभव दिखता नहीं है।

आबकारी, शराबखोरी और चिन्दी चोरी

प्रदेश में बहुचर्चित शराब घोटाले की कई परतें खुल चुकी हैं। लेकिन घोटाले के नए मामले अभी भी लगातार खुल रहे हैं। आबकारी विभाग के अफसरों ने शराब दुकानों में ठेके पर सेल्समैन का काम करने वाले कर्मचारियों को भी नहीं छोड़ा। पूरे प्रदेश की शराब दुकानों में एजेंसियों के छोटे कर्मचारियों को ओवरटाइम, बोनस और अवकाश के दिनों में ड्यूटी का मेहनताना नहीं दिया गया। कुल 115 करोड़ की रकम ओवरटाइम करने पर कर्मचारियों को मिलनी थी। यह रकम डकार ली गई। अवकाश के दौरान काम करने और बोनस के रूप में मिलने वाले 67 करोड़ भी हजम कर लिये गए। इस मामले की जांच कर रही ईओडब्लू ने खुलासा किया है। नकली होलोग्राम और अवैध शराब बिक्री के जरिये हजारों करोड़ रुपए का वारा न्यारा करने वाले अफसरों ने साबित कर दिया है कि सेल्समैन जैसे छोटे कर्मचारियों के साथ चिंदीचोरी करने में भी आबकारी विभाग का कोई मुकाबला नहीं है।

आगे कौन, नेता या अफसर?

आम तौर पर करप्शन के मामलों में सबसे ज्यादा निशाने पर राजनेता ही रहते हैं। लेकिन, छत्तीसगढ़ में नदी की धारा उल्टी बह रही है। यहां नेताओं ने अपनी गर्दन बचा रखी हैं लेकिन अफसर गले तक फंसे हैं। पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में डीएमएफ, कोल लेवी, शराब घोटाले, धान लेवी घोटाले और हेल्थ विभाग में गड़बड़ी के अलावा महादेव सट्टा सहित अन्य मामलों में प्रदेश के 47 अफसरों के खिलाफ जांच चल रही है। सबसे अहम बात ये है कि प्रदेश के 26 आईएएस अफसरों के खिलाफ जांच चल रही है। इसी तरह पुलिस महकमे के 6 आईपीएस भी अलग-अलग मामलों में फंसे हैं। जंगल विभाग के 15 अफसर भी जांच के दायरे में हैं। हालांकि इस तरह के मामलों में अफसरों के मुकाबले राजनेताओं की संख्या काफी कम है। लेकिन खुद को बचाने में प्रदेश के नेताओं की जमात ज्यादा सयानी निकली। अब भविष्य ही बताएगा कि आगामी दिनों में ईडी, सीबीआई और आईटी के शिकंजे में फंसने वालों में पलड़ा किसका भारी रहता हैं।

पेंडेंसी निपटाओं नहीं तो खुद निपट जाओ

आगामी 1 मई से शुरू होने वाले ‘सुशासन तिहार’ को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सख्त तेवर से नौकरशाही खौफजदा है। दरअसल कलेक्टरों और विभागीय सचिवों को शुद्ध हिन्दी में समझा दिया गया है कि 30 अप्रैल तक राजस्व समेंत सभी विभागों के पेंडिंग प्रकरणों का निपटारा कर दिया जाए। एक मई से राज्य भर में घूमकर अपनी सरकार के ढाई साल के कामकाज का मूल्यांकन करने निकल रहे मुख्यमंत्री को यदि इस दरम्यान किसी ग्रामीण ने भरी भीड़ में बता दिया कि उसके प्रकरण का निपटारा अफसर नहीं कर रहे हैं तो अफसर या कर्मचारी वही निपट सकते हैं। क्योकि पिछले सुशासन तिहार में साय के सख्त तेवरों का खामियाजा अफसर भुगत चुके है।

साहब का तोता पकड़ने में फायर ब्रिगेड के उड़ने लगे तोते

फायर ब्रिगेड की टीम को हमेशा आग लगने पर ही याद किया जाता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में पहली बार ऐसा हुआ जब तोते को पकड़ने फायर ब्रिगेड बुलाई गई। इस काम में फायर ब्रिगेड कर्मियों को काफी संघर्ष भी करना पड़ा। दरअसल, बस्तर इलाके के एक प्रमुख शहर में होम गार्ड के जिला सेनानी का तोता ऊंचे पेड़ की ऊंची टहनी पर बैठ गया। अब तोता प्रेमी साहब ने अपने होमगार्ड के जवानों को तोते को नीचे लाने का आदेश दे दिया। तोता नीचे आने को तैयार नहीं था। किसी ने सलाह दी कि फायर ब्रिगेड की टीम अगर पानी की बौछार करे तो ऊंची टहनी पर बैठा तोता उड़कर नीचे आ सकता है। इस सलाह पर अमल करने के आदेश दिये गए। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने तोते पर पानी की बौछार की। फलतः पानी के प्रेशर से एक भवन की छत पर गिरे तोते को वन विभाग का कर्मचारी तोते की तीमारदारी करने ले गया है। पद का दुरुपयोग किये जाने का मामला गरमाने के बाद अब जवाब देने में साहब के तोते उड़ रहे है। साहब कह रहे हैं कि पानी का प्रेशर चेक करने के लिये पेड़ पर पानी की बौछार की गई। अपनी तरह के अनोखे विवाद में उलझ चुके साहब के बारे में कहा जा रहा है कि अब उन्होंने भविष्य में तोते पालने से तौबा कर ली है।

ऑफलाइन बिजली बिल में गड़बड़ी

मुख्यालय में बैठकर बिजली की समस्याओं को लेकर रायशुमारी करने वाले अफसरों के लिए एक नई मुसीबत आफलाईन ने खड़ी कर दी है। कवर्धा के एक गांव रवेलीडीह में उपभोक्ताओं ने ऑफलाइन बिजली बिल जमा किया लेकिन विभाग के खाते में वहा के कर्मचारियों ने जमा नहीं किया सो लगभग 20 लाख रुपए का फटका बिजली कंपनी को लगा। अब यह देखा जाना है बाकि है कि बिजली बिल की रकम उड़ाने में और कहां-कहां गड़बड़ घोटाले किये गए हैं। कुछ साल पहले प्रदेश में करीब 12 करोड़ की रकम हजम किये जाने के बाद पॉवर कंपनी के कई अफसर, कर्मचारी सस्पेंड किये गए थे। बाद में सब बहाल हो गए। पता चला है कि 12 करोड़ की रकम भी बिजली कंपनी को वापस नहीं मिली। यानी रकम की वसूली करने में पॉवर कंपनी नाकाम रही। गबन के इस मामले से प्रेरणा लेकर बिजली विभाग में अब 20 लाख के गबन के खुलासे से नई शुरुआत हुई है। पॉवर कंपनी के अफसर अब पूरे प्रदेश में बिजली बिल की चोरी के मामलों की जांच कर रहे हैं।

जंगल में मंगल

जंगल की निगरानी के लिये बीट गार्ड की ड्यूटी लगाई जाती है। उदंती सीतानगर टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी रहवास क्षेत्र में करीब एक लाख पेड़ कट गए और बीट गार्ड को कानोंकान खबर नहीं हुई। दिलचस्प बात ये रही कि कटाई के बाद यहां सुनियोजित तरीके से अतिक्रमण भी कर लिया गया। जंगल विभाग की ढाई सौ एकड़ से ज्यादा जमीन पर कब्जा भी हो गया। बीते कई साल से कटाई जारी रहने के बावजूद जंगल की निगरानी क्यों नहीं की गई। अब यह शोध का विषय है कि बीट गार्ड इतनी गहरी नींद में क्या खा-पी कर सोते रहे। इस मामले में 166 कब्जेधारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। देखना ये है कि इस समयकाल में वहां पदस्थ रहे अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है या नहीं। वैसे भी यह सर्वविदित है कि जंगल विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए जंगल में ही मंगल है।

प्लास्टिक की बोतल में शराब और राजस्व की चिन्ता

राज्य सरकार के राजस्व की रीढ़ के नाम से प्रसिद्ध आबकारी विभाग को शराब से मिलने वाले राजस्व की कमी का अजीबोगरीब कारण सामने आ रहा है। दरअसल विभाग ने तय किया है कि चीफ रेंज के ब्रांड अब प्लास्टिक के बोतल में दिए जाएंगे लेकिन इसकी टेंडर और बाकि प्रक्रिया में हो रही देरी से शराब प्रेमी तो परेशान है विभाग भी राजस्व की कमी को लेकर चिन्तित है। दरअसल शराब घोटाले में की आंच अभी ठंडी नहीं हुई है इसलिये दूध के जले अफसर छांछ भी फूंक कर पी रहे है इसलिए जो नुकसान होना है होता रहे कोई अफसर अपनी गर्दन फंसाने तैयार नही है। क्योकि प्लास्टिक की बोतल में 6 दिन से ज्यादा शराब रहने पर पीने वाले के स्वास्थ्य पर असर पड़ने संबधी रिसर्च रिपोर्ट के लेकर विभाग भी संजीदा है।

करेंसी ने दिखाया कमाल, अब पावर की बारी

पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के बड़े नौकरशाहों में से एक महिला आईएएस लिफ्ट में फंस गई। वे राजधानी स्थित करेंसी टॉवर के जिम में एक्सरसाइज के लिये जा रही थी। लिफ्ट अचानक बंद हो गई और करीब 40 मीनट तक लिफ्ट में फंसी रहने के बाद उन्होंने इसकी सूचना दूसरे अफसरों को दी। आनन फानन में अफसरों की टीम पहुंची और सीनियर महिला आईएएस को लिफ्ट से बाहर निकाला गया। इसके बाद इसी लिफ्ट में एक कांग्रेस नेता भी फंस गए। उन्हें भी बाहर निकाला गया। मजे की बात ये है कि वे कौनसे अफसर होते है जो जांच कर लिफ्ट को क्लीन चिट देते है। लोग सवाल कर रहे हैं कि एक हफ्ते के भीतर एक सीनियर आईएएस और कांग्रेस नेता के लिफ्ट में फंसने के बावजूद क्लीन चिट कैसे मिल गई। जानकार बता रहे हैं कि क्लीनचिट देने का कमाल करेंसी टॉवर की करेंसी ने दिखाया है। अब इस करेंसी टावर को पावर दिखाने का इन्तजार हैं।

मनमानी फीस नहीं बढ़ाएं स्कूल, विशेष दुकान से बुक-ड्रेस खरीदने बाध्य न करें

रायपुर/नवप्रदेश। पालकों की लगातार शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्ती दिखाते हुए कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को स्पष्ट रूप से कहा है कि स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से फीस वृद्धि, किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए दबाव डालने जैसी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए। मुख्य सचिव ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक निजी स्कूल में फीस विनियमन समिति को सक्रिय किया जाए और नियमों के विपरीत फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल को पालकों को किसी विशेष दुकान से किताबें या ड्रेस खरीदने के लिए बाध्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि पर रोक

प्रदेश में लागू छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम 2020 के तहत निजी स्कूल अपने स्तर पर अधिकतम 8 प्रतिशत तक ही फीस बढ़ा सकते हैं। इससे अधिक वृद्धि के लिए जिला फीस समिति से अनुमति लेना अनिवार्य है। बावजूद इसके कई स्कूलों द्वारा 10 से 12 प्रतिशत तक फीस बढ़ाने की शिकायतें सामने आई हैं। शासन ने इस पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टरों को निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

फीस समितियों को सक्रिय करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने कहा कि कई स्कूलों में फीस समिति केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। वहीं जिला और राज्य स्तर की समितियों की बैठकें भी नियमित नहीं हो रही हैं। ऐसे में सभी स्तरों पर समितियों को सक्रिय कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सीजी पीएससी: असिस्टेंट लाइब्रेरियन आवेदन की 29 अप्रैल अंतिम तारीख

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी पीएससी) ने उच्च न्यायालय के तहत सहायक ग्रंथपाल (असिस्टेंट लाइब्रेरियन) पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के तहत कुल 7 पद भरे जाएंगे, जिनमें अनारक्षित, एससी और ओबीसी के लिए एक-एक पद तथा एसटी वर्ग के लिए 4 पद आरक्षित हैं। आवेदन प्रक्रिया 24 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 23 मई 2026 तक चलेगी, जबकि प्रारंभिक परीक्षा की संभावित तिथि 26 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

ऐसे करें आवेदन

- सबसे पहले छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।
- होमपेज पर ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें।

- नए अभ्यर्थी पहले रजिस्ट्रेशन करें, फिर लॉगिन करें।
- आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी सावधानीपूर्वक भरें।
- आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।
- आवेदन शुल्क का भुगतान करें (यदि लागू हो)।
- फॉर्म सबमिट कर उसका प्रिंट आउट सुरक्षित रखें।

चयन प्रक्रिया

- उम्मीदवारों का चयन प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को पे-लेवल 10 के तहत 43,200 से 1,36,500 प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से लाइब्रेरी साइंस या लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री अनिवार्य है।

आयु सीमा

- न्यूनतम आयु: 21 वर्ष
- अधिकतम आयु: 30 वर्ष
- छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष तय की गई है
- आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट मिलेगी

पेट्रोल-डीजल पर अफवाहें बेबुनियाद, स्टॉक पर्याप्त

रायपुर/नवप्रदेश। खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग ने कहा है कि राज्य में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसलिए लोगों को अफवाहों से सावधान रहना चाहिए। कुछ औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा रिटेल आउटलेट से डीजल खरीदने से अस्थायी दबाव बन रहा है। इसे नियंत्रित किया जा रहा है। इसी के साथ जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सभी जिलों में छापेमारी की जा रही है। शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन भी सक्रिय है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के 2516 पेट्रोल पंपों और ऑयल कंपनियों के डिपो में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल मौजूद है।

साय कैबिनेट 29 अप्रैल को

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक 29 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में होगी। बैठक में छत्तीसगढ़ विधानसभा के 30 अप्रैल को होने वाले विशेष सत्र की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन विधेयक-2026 के पारित नहीं होने के बाद छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा विधानसभा के विशेष सत्र में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में निंदा प्रस्ताव के प्रारूप का

अनुमोदन किया जा सकता है। इसके अलावा विभिन्न विभागों के अन्य प्रस्तावों को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। कैबिनेट में खरीफ सीजन 2026 के लिए प्रदेश में खाद-बीज की उपलब्धता तथा पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए एलपीजी सिलेंडर तथा पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के संबंध में भी तैयारियों की समीक्षा की जा सकती है।

युवक को जिंदा जलाने की कोशिश, आधा दर्जन आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां सोशल मीडिया पर किए गए एक स्टेटस ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। जानकारी के मुताबिक भरवाडीह थाना पलारी निवासी 19 वर्षीय भीमवली साहू ने 21 अप्रैल को इंस्टाग्राम पर एक आपत्तिजनक स्टेटस पोस्ट किया था, जिसके बाद कुछ युवकों के साथ उसकी कहासुनी शुरू हो गई।

बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 2 बजे खरोसी नाला के पास राहुल भारती, मानु साहू, अनुग्रह बंजारे सहित अन्य साथियों ने युवक को घेर लिया। आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और फिर उस पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान युवक की दाहिनी आंख के पास गंभीर चोट आई है। घटना ने उस वक्त और खौफनाक रूप ले लिया जब आरोपियों ने युवक के ऊपर पेट्रोल डालकर उसे आग लगाने की कोशिश की। हालांकि मौके पर आसपास मौजूद लोगों के पहुंचने से युवक की जान बच गई और आरोपी घबराकर मौके से फरार हो गए।

घायल युवक की शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस मामले में आधा दर्जन से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

क्लब्रियंट हॉस्पिटैलिटी एजेंसी ने सस्ते में विदेश टूर कराने का झांसा देकर की ठगी

रायपुर/नवप्रदेश। मैग्नेटो मॉल स्थित क्लब्रियंट हॉस्पिटैलिटी एजेंसी ने सस्ते में विदेश टूर कराने का झांसा देकर आधा दर्जन लोगों से ठगी की है। तीन पीड़ितों ने ढाई लाख से ज्यादा की ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, कोटा निवासी शेरसिंह राजपूत (40) ने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर क्लब्रियंट हॉस्पिटैलिटी से संपर्क किया। उनकी एजेंसी के कर्मचारी से बातचीत हुई, जिसने उन्हें मैग्नेटो मॉल स्थित ऑफिस बुलाया। शेरसिंह 15 अप्रैल को वहां पहुंचे और दो साल की स्कीम के लिए 70 हजार जमा कर दिए। दो दिन पहले जब वह दोबारा मॉल पहुंचे, तो पाया कि कंपनी का ऑफिस बंद है।

भीषण गर्मी से हलाकान लगातार बढ़ रहा पारा, रायपुर में ग्रीष्मलहर चलने की चेतावनी

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानीवासी शनिवार को भीषण गर्मी से हलाकान रहे। दिनभर ग्रीष्म लहर जैसे हालात रहे। वहीं शाम-रात में भी गर्म हवाएं चलती रही। मौसम विभाग ने रायपुर समेत मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों में 26 अप्रैल और 27 अप्रैल तक ग्रीष्म लहर चलने की चेतावनी दी है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। रायपुर में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से

ग्राफिक्स एआई

दक्षिण बांग्लादेश तक बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा द्रोणिका / हवा की अनियमित गति पूर्वी विदर्भ से कोमोरिन क्षेत्र तक तेलंगाना, अंदरूनी कर्नाटक और तमिलनाडु होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक चक्रवात महाराष्ट्र और उसके आसपास 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। 26 अप्रैल से दक्षिण बस्तर के जिलों में गर्मी से राहत रहने की संभावना बन रही है।

प्रदेश के अधिकांश भागों में पारा 40 के पार: प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ी जगदलपुर को छोड़कर प्रदेश के अधिकांश भागों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। रायपुर में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस, माना में 42.8 डिग्री, बिलासपुर में 43.6 डिग्री, पेंड्रारोड में 40.9 डिग्री, अम्बिकापुर में 40.4 डिग्री, जगदलपुर में 39.1 डिग्री, दुर्ग में 42.8 डिग्री और राजनांदगांव में 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com